नाइलिट 2016-17

22वाँ वार्षिक प्रतिवेदन

रा.इ.सू.प्रौ.सं
NIELIT

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान

रा.इ.सू.प्रौ.सं
NIELIT

22वाँ वार्षिक प्रतिवेदन
2016-17

विषयवस्तु

संदेश | 04

परिषदें | 08

विशेषताएं | 15

परियोजनाएं | 31

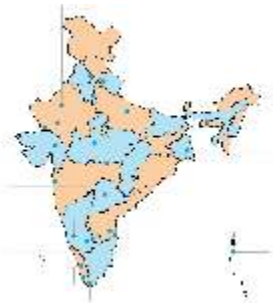

केन्द्र | 37

लेखा–परीक्षक | 79

लेखा | 80

संक्षिप्ताक्षर | 123

रवि शंकर प्रसाद
RAVI SHANKAR PRASAD

सत्यमेव जयते

मंत्री
विधि एवं न्याय
एवं
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
भारत सरकार

MINISTER OF
LAW & JUSTICE
and
ELECTRONICS & INFORMATION TECHNOLOGY
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

मुझे राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) के 22वें वार्षिक प्रतिवेदन के साथ–साथ वर्ष 2016–17 के लेखों का संपरीक्षित विवरण और लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है।

नागरिकों का डिजिटली सशक्तिकरण, 'डिजिटल इंडिया' कार्यक्रम के मुख्य उद्धेश्यों में से एक है, क्योंकि इलेक्ट्रॉनिकी, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रगति ने मानव जीवन के प्रत्येक पहलू को स्पर्श किया है। नाइलिट ने अपनी क्षमता निर्माण और कौशल विकास की पहल के द्वारा डिजिटली सशक्त समाज के निर्माण में भारत सरकार के इस लक्ष्य को मूर्त रूप देने की शुरुआत की है।

हम भारत को डिजिटल रूप से सशक्त राष्ट्र में बदलने की दिशा में काम कर रहे हैं, जिसमें केंद्र और राज्य स्तर पर सभी सरकारी सेवाएं इस देश के प्रत्येक नागरिक को डिजिटल रूप में उपलब्ध होंगी। डिजिटल ईकोसिस्टम बड़े पैमाने पर गरीबों और कमजोर वर्ग को सशक्त बनाता है तथा इसके माध्यम से किफ़ायती रूप से सरकारी सेवाओं की डिजिटल प्रदायगी की जा सकती है। लेकिन, इस डिजिटल ईकोसिस्टम की सफलता सुरक्षा और तकनीकी चुनौतियों से प्रभावित हुई है। इस संदर्भ में, नाइलिट डेटा सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, ई–वेस्ट, क्लाउड कंप्यूटिंग, आईपीआर इत्यादि के विभिन्न क्षेत्रों में अपने विभिन्न कुशलता प्रयासों के माध्यम से इन चुनौतियों का सामना करने के लिए समान रूप से सक्षम है।

मुझे भारत सरकार के स्किल इण्डिया तथा डिजिटल इण्डिया कार्यक्रमों के अंतर्गत नाइलिट द्वारा किए गए प्रयासों को देखकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। जो भारतीय अर्थव्यवस्था की 'ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था' तक पहुँचने के लिए संभवतः एक मंच तैयार कर रहा है।

यह भी माना गया है कि, डिजिटल अर्थव्यवस्था से इलेक्ट्रॉनिकी संचार और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में लाखों नौकरियों का सृजन होगा, यहां, नाइलिट की सम्पूर्ण भारत में अपनी उपस्थिति से मानव संसाधन का विकास करने में महत्वपूर्ण भूमिका है।

मैं नाइलिट के सर्वांगीण विकास और इसके भावी प्रयासों में और अधिक सफलता की कामना करता हूँ।

(रवि शंकर प्रसाद)

Electronics Niketan, 6, C.G.O. Complex, Lodhi Road, New Delhi - 110003
Phone : 011-24369191, 24362626 Fax : 011-24366070

के.जे. अल्फोंस
राज्य मंत्री
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
भारत सरकार

सत्यमेव जयते

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

K.J. ALPHONS
Minister of State
Electronics & Information Technology
Government of India

संदेश

हमारे देश का डिजिटल इंडिया मिशन, जो माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का दृष्टिकोण है, के अंतर्गत देश के प्रत्येक 1.25 अरब नागरिकों के लिए किफ़ायती दर पर विश्व स्तरीय प्रौद्योगिकी सेवाएं प्रदान करने का प्रयास है। डिजिटल भारत के निर्माण के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए हमारा देश सक्षम है तथा इसका सम्पूर्ण विश्व में स्वागत किया जा रहा है। भारत के नागरिकों की आकांक्षात्मक प्रेरणा हमारे डिजिटल ईकोसिस्टम को अभूतपूर्व रूप से बल प्रदान कर रही है। डिजिटल इंडिया के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए सरकार अनुकूल ईकोसिस्टम बनाने की दिशा में प्रतिबद्ध है। इसके अतिरिक्त, डिजिटल इंडिया कार्यक्रम व्यापक प्रयासों एवं भारत सरकार के कार्यक्रमों जैसे स्किल इंडिया, स्टैंड–अप–इंडिया, स्टार्ट–अप–इंडिया, मेक इन इंडिया, स्मार्ट सिटीज मिशन इत्यादि का मुख्य आधार बन गया है।

इस संदर्भ में, **राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट्) ने** इस क्षेत्र में जैसे इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स (आईओटी), साइबर फोरेंसिक, ई–वेस्ट प्रबंधन, मोबाइल एप्लिकेशन विकास, आईपीआर आदि में वैश्विक विचारधारा को अपनाते हुए राष्ट्र में **'डिजिटल विभाजन' को कम करने की दिशा में सराहनीय प्रयास किए हैं**।

यह ध्यानार्थ है कि, नाइलिट् ने देश के विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता के फलस्वरूप ग्यारह भारतीय भाषाओं में 70 मोबाइल एप्लीकेशन (मोबाइल ऐप) लॉन्च किए हैं। कस्टमाइज़्ड मोबाइल ऐप स्किलिंग प्रदान करने का एक नया उपकरण है, जो वास्तव में उपयोगकर्ता को सुगमता से प्रत्यक्ष रूप से सेवाएं प्रदान करता है।

डिजिटल साक्षरता के क्षेत्र में किए गए प्रयासों के अतिरिक्त, साइबर सुरक्षा के मूल सिद्धांतों में स्किलिंग की आवश्यकता में विभिन्न प्रकार से वृद्धि हुई है तथा इन चुनौतियों का सामना करने के लिए नाइलिट द्वारा किए गए प्रयास वास्तव में, सराहनीय है।

देश में **राष्ट्रीय डिजिटल भुगतान मिशन** (डिजीधन) के साथ–साथ **जन–धन–आधार–मोबाइल (जेएएम) ट्रिनिटी** डिजिटल अर्थव्यवस्था के निर्माण को विशेष प्रोत्साहन प्रदान कर रही है। **वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी)** के कार्यान्वयन से भारतीय कराधान प्रणाली में भी क्रांतिकारी परिवर्तन आया है। भारत में डिजिटल भुगतान लेनदेन को बढ़ावा देने तथा जीएसटी कार्यान्वयन को लागू करने के क्रम में, नाइलिट डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म के साथ–साथ जीएसटी प्लेटफॉर्म पर लघु व मध्यम उद्यमों और व्यापारियों को प्रशिक्षण देने की दिशा में प्रामाणिक प्रयास कर रहा है।

सरकार सुधार, निष्पादन और परिवर्तन करने का प्रयास कर रही है और देश में उपलब्ध तथा अनुपलब्धता के बीच के अंतर को कम करते हुए डिजिटल इंडिया कार्यक्रम तकनीकी रूप से सशक्तिकरण कर रही है। मुझे विश्वास है कि, आगामी वर्षों में, नाइलिट निरंतर उपलब्धियां प्राप्त करेगा और डिजिटल इण्डिया के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

Digital India

(के.जे. अल्फ़ोंस)

Office : Electronics Niketan , 6, CGO Complex, New Delhi-110003, Tel. : 011-24368757-58, Fax : 011-24360958
E-mail : alphonskj@hotmail.com

सत्यमेव जयते

अजय साहनी, आई.ए.एस.
AJAY SAWHNEY, I.A.S.

सचिव
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
भारत सरकार
Secretary
Ministry of Electronics &
Information Technology (MeitY)
Government of India

संदेश

सम्पूर्ण भारत में, डिजिटल प्रौद्योगिकीयां तेजी से आर्थिक विकास और 'नागरिकों' के सशक्तिकरण के लिए मुख्य स्रोत के रूप में उभरी है। इंटरनेट का अंतिम छोर तक प्रसार बढ़ाने के साथ–साथ नए उत्पादों और सेवाओं की बढ़ती हुई मांग ने मूलतः कौशल की आवश्यकताएं बढ़ायी हैं। देश के युवाओं को 'डिजिटल इंडिया' कार्यक्रम के तेजी से कार्यान्वयन को सुनिश्चित करते हुए आईसीटी कौशल के माध्यम से सशक्त किया जाना आवश्यक है।

इस संदर्भ में, मुझे यह उल्लेख करते हुए प्रसन्नता है कि, नाइलिट–एमईआईटीवाई की एच.आर.डी. ईकाई, समाज के सभी वर्गों, विशेषकर ग्रामीण जनसाधारण के लिए आईटी और इलेक्ट्रॉनिकी में उन्नत क्षमता निर्माण और कौशल विकास करने की दिशा में निष्ठापूर्वक प्रयासरत है।

मैं नाइलिट की राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचा (एनएसक्यूएफ) के साथ उनके **उद्योग उन्मुखी कौशल पाठ्यक्रमों को संरेखित करने की पहल की सराहना करता हूं** जो, आगे रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में बल देगा। मुझे यह उल्लेख करते हुए प्रसन्नता भी है कि, नाइलिट ने अपने विभिन्न कार्यकलापों और पाठ्यक्रमों में विविधताएं लायी है और इसमें समय की आवश्यकता के अनुसार परिवर्तन किया है। नाइलिट द्वारा शुरू किए गए कई नए कार्यकलापों व प्रयासों ने आर्थिक और भौतिक रूप से प्रशंसनीय वृद्धि दर्ज की है।

मुझे यह जानकार भी प्रसन्नता हुई है कि, नाइलिट व्यापारियों और लघु व मध्यम उद्यमों की डिजिटल सक्षमता के लिए जीएसटी में प्रशिक्षण प्रदान करने की दिशा में प्रयासरत है। न केवल, ऐसा प्रशिक्षण डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा, इसके साथ ही बेहतर अनुपालन के माध्यम से कर संग्रहण में भी वृद्धि होगी।

मुझे आशा है कि, नाइलिट नई विचारधाराओं और प्रौद्योगिकियों को अपनाते हुए गैर–औपचारिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अपना निरंतर अग्रणी स्थान प्राप्त करेगा।

मैं नाइलिट को इसके भावी प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता हूँ।

(अजय साहनी)

स्थान : नई दिल्ली
दिनांकः 12 जुलाई, 2017

इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन, 6, सी.जी.ओ. कॉम्पलेक्स, नई दिल्ली–110003 / Electronics Niketan,6, C.G.O. Complex, New Delhi-110003
Tel.: 011-24364041 • Fax 24363434 • email : secretary@meity.gov.in

राजीव कुमार
RAJIV KUMAR
महानिदेशक
Director General

संदेश

इस समय, भारत को 'जनसांख्यिकीय लाभ की स्थिति प्राप्त है, जिसका अर्थ है कि, इसके पास निर्भर जनसंख्या की तुलना में अधिक कार्य बल हैं। वर्ष 2020 तक, भारत में औसत आयु 29 होगी और यह कामकाजी आयु वर्ग में अपनी 64% जनसंख्या के साथ विश्व का सबसे युवा देश बन जाएगा। निश्चित रूप से, यह बड़ी मानवीय संपत्ति, नवीनतम और उभरती प्रौद्योगिकियों में कौशल से लैस है, जिससे विश्व के सभी देशों में भारत का "प्रमुख स्थान" होगा। सूचना, इलेक्ट्रॉनिकी और संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) वह क्षेत्र है जो, इन नवीनतम और उभरती हुई तकनीकी कौशलों के क्षेत्र का एक बड़ा भाग है।

हाल के वर्षों में, नाइलिट ने अपने लक्ष्यों को और दृढ़ करने के मिशन के साथ ही प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में अपना व्यापक प्रसार किया है। आईसीटी के क्षेत्र में क्षमता निर्माण और कौशल में वृद्धि के लिए विभिन्न कदम उठाए गए हैं। नई योजनाएं शुरू की गई हैं; नए कार्य भी भारत सरकार की नीतियों के अनुरूप किए गए हैं। नाइलिट अप्राप्त को प्राप्त, पृथक क्षेत्रों की शुरुआत एवं अप्रमाणित को प्रमाणित करने का प्रयास कर रहा है। इसने, सभी के लिए कौशल और डिजिटल साक्षरता को उपलब्ध कराए जाने के लिए नए उत्साह और दृढ़ संकल्प के साथ सम्पूर्ण देश में केन्द्रों के साथ अपने नेटवर्क का विस्तार किया है।

कई नई पहल की शुरुआत की गई है, जिसमें क्षमता निर्माण उपाय, आंतरिक तंत्र को सबल करना, शामिल है। वर्तमान में, नाइलिट एक प्रमुख संगठन है जो, कई मंत्रालयों और सरकारी विभागों के लिए कार्यबल की भर्ती, विशेष रूप से तकनीकी कार्यबल की सुविधा प्रदान करने के लिए जाना जाता है। यह विभिन्न नई उभरती हुई प्रौद्योगिकियां जैसे आईओटी, क्लाउड, कंप्यूटिंग, बिग डेटा, डेटा एनालिटिक्स, जीआईएस, साइबर सिक्योरिटी, रोबोटिक आदि हैं जिन पर, देश के युवाओं का क्षमता निर्माण और कौशल विकास किए जाने पर ध्यान दिया जा रहा है। नाइलिट ने सुसंगत प्रयास किए हैं और प्रौद्योगिकी व छात्र समुदाय सहित स्टेकहोल्डर्स के लाभ के लिए प्रौद्योगिकी और वेब–आधारित सेवाओं का उपयोग करते हुए उपलब्धि प्राप्त की है।

इसके अतिरिक्त, नाइलिट देश की शिक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने और सभी को सहज रूप से उपलब्ध कराने के लिए देश में स्मार्ट कक्षा–कक्ष परियोजनाओं की शुरुआत कर रहा है। नाइलिट ने न केवल ऑनलाइन और परंपरागत रूप से राष्ट्रव्यापी परीक्षा आयोजित करने के लिए संस्थागत मॉडल तैयार करने का प्रयास किया है, बल्कि देश के प्रत्येक क्षेत्र में सहक्रिया एवं साझा अभ्यासों के माध्यम से कौशल विकास की पहल करने की व्यापक योजना भी तैयार की है।

मुझे नाइलिट टीम में सम्मिलित होने पर सम्मान की अनुभूति होती है जो, देश के समग्र विकास के लिए, भारत सरकार के लक्ष्य को पूर्ण करने की दिशा में, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की सहायता से, निरंतर उत्तम प्रयास करेगा।

(राजीव कुमार)

NIELIT, Electronics Niketan, 6 CGO Complex, New Delhi-110 003
Tele No. : 91-11-2436 4870 / Fax : 91-11-2436 3335 / Email : dg@nielit.gov.in

अधिशासी परिषद

श्री रवि शंकर प्रसाद
अध्यक्ष
माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
तथा विधि एवं न्याय मंत्री

के.जे. अल्फोंस
उपाध्यक्ष
माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
राज्य मंत्री

श्री अजय साहनी
कार्यकारी उपाध्यक्ष
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना
प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्री केवल किशोर शर्मा
सदस्य
सचिव, उच्च शिक्षा विभाग,
एम.एच.आर.डी.

डॉ. वी. एस. चौहान
सदस्य
अध्यक्ष, विश्वविद्यालय
अनुदान आयोग

प्रो. अनिल डी. सहस्रबुद्धे
सदस्य
अध्यक्ष, अखिल भारतीय
तकनीकी शिक्षा परिषद

सुश्री अनुराधा मित्रा
सदस्य
अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार,
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना
प्रौद्योगिकी मंत्रालय

डॉ. बी. के. मूर्ति
सदस्य
वैज्ञानिक 'जी' व समूह समन्वयक (एचआर)
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
मंत्रालय

श्री राजीव कुमार
सदस्य
संयुक्त सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी
और सूचना प्रौद्योगिकी
मंत्रालय

अधिशासी परिषद

श्री विजय कुमार देव
सदस्य
महानिदेशक (प्रशिक्षण) कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय

श्री आर. चन्द्रशेखर
सदस्य
प्रेसिडेंट, नैसकॉम

प्रो. (डॉ.) केटीवी रेड्डी
सदस्य
अध्यक्ष, इंस्टीट्यूशन ऑफ इलेक्ट्रानिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन

श्री राजेन्द्र एस. पवार
सदस्य
अध्यक्ष, एनआईआईटी लि.

श्री हरि ओम राय
सदस्य
अध्यक्ष, लावा इंटरनेशनल लि.

प्रो. (श्रीमती) गीतिका कपूर
सदस्य
निदेशक, आर.ए. पोद्दार प्रबंध सस्थान, राजस्थान विश्वविद्यालय

श्री टी.के. कुरियन
सदस्य
सीईओ, प्रेमजी इन्वेस्ट

श्री कुणाल बहल
सदस्य
सीईओ, स्नैपडील

श्रीमती देबजानी घोष
सदस्य
नॉन एग्जीक्यूटिव निदेशक, यस बैंक

श्री राजीव कुमार
सदस्य सचिव
महानिदेशक, नाइलिट

प्रबंध बोर्ड

श्री अजय साहनी
कार्यकारी उपाध्यक्ष
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

सुश्री अनुराधा मित्रा
सदस्य
अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

डॉ. बी. के. मूर्ति
सदस्य
वैज्ञानिक 'जी' व समूह समन्वयक (एचआर)
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्री राजीव कुमार
सदस्य
संयुक्त सचिव,
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

प्रो. अनिल डी. सहस्रबुद्धे
सदस्य
अध्यक्ष, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद

श्री आर. चन्द्रशेखर
सदस्य
प्रेसिडेंट. नैसकॉम

श्री राजीव कुमार
सदस्य सचिव
महानिदेशक, नाइलिट

वित्त एवं लेखा समिति

श्री राजीव कुमार
अध्यक्ष
महानिदेशक, नाइलिट

सुश्री अनुराधा मित्रा
सदस्य
अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना
प्रौद्योगिकी मंत्रालय
अथवा प्रतिनिधि

श्री राजीव कुमार
सदस्य
संयुक्त सचिव,
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना
प्रौद्योगिकी मंत्रालय
अथवा प्रतिनिधि

श्री ए.के. पिपल
सदस्य
निदेशक एवं एचओडी (एचआरडी)
इलेक्ट्रॉनिकी और
सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्रीमती चमन शर्मा
सदस्य सचिव
मुख्य वित्त अधिकारी, (प्रभारी), नाइलिट

मुख्य सतर्कता अधिकारी / कार्यकारी निदेशक / निदेशक / प्रभारी निदेशक / रजिस्ट्रार / मुख्य वित्त अधिकारी

श्रीप्रफुल्ल कुमार
मुख्य सतर्कता अधिकारी, नाइलिट व
(वरिष्ठ निदेशक, एमईआईटीवाई)
(दिनांक 1 दिसंबर, 2016 से)

डॉ. ए.के.डी. द्विवेदी
गोरखपुर

डॉ. ए.एच. मून
श्रीनगर / जम्मू

डॉ. एम.पी. पिल्लै
कालीकट

श्री टी.पी. सिंह
कोलकाता, इम्फाल, कोहिमा

डॉ एम. एम. शर्मा
चण्डीगढ़ व अजमेर

डॉ. संजीव कुमार गुप्ता
औरंगाबाद

श्री के. बरुआ
गुवाहाटी

डॉ युमनाम जयंता सिंह
कोलकाता

श्री जी. जॉन
चेन्नई

श्री एन. देबाचन्द्रा सिंह
आइजॉल

श्री वी. कृष्णमूर्ति
तिरुपति

श्री अरूप चेटर्जी
गंगटोक

श्री टी.एस. बावा
कुरुक्षेत्र

श्री आलोक त्रिपाठी
पटना

श्री अनुराग माथुर
अगरतला

मुख्य सतर्कता अधिकारी / कार्यकारी निदेशक / निदेशक / प्रभारी निदेशक / रजिस्ट्रार / मुख्य वित्त अधिकारी

श्री के.एस. लालमोहन
श्रीकाकुलम

डॉ. डी.के. मिश्रा
राँची

श्री आशीष कुमार मिश्रा
लखनऊ

श्री राजीव अग्रवाल
शिमला

श्री दीपक वासन
रोपड़

श्री सांतनु बोर्गोहैन
शिलांग

श्री शमीम खान
दिल्ली

श्री संजीव सूरी
पाली

श्री बी. एन. चौधुरी
भुवनेश्वर

श्री अनुराग कुमार
हरिद्वार

श्री जनक राज
रजिस्ट्रार
लोक शिकायत अधिकारी व
अपीलीय प्राधिकारी

श्रीमती चमन शर्मा
मुख्य वित्त अधिकारी
(प्रभारी)

अध्यक्ष, अधिशासी परिषद, नाइलिट

वर्ष	नाम
1995–1996	**प्रो. पी.वी. इंदिरेसन,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
1996–1997	**प्रो. पी.वी. इंदिरेसन,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
1997–1998	**प्रो. पी.वी. इंदिरेसन,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
1998–1999	**प्रो. सी.एस झा,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
1999–2000	**प्रो. सी.एस झा,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
2000–2001	**प्रो. सी.एस झा,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
2001–2002	**प्रो. (डॉ.) के.के. अग्रवाल,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
2002–2003	**डॉ. संजय पासवान,** राज्य मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2003–2004	**थिरू दयानिधि मारन,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2004–2005	**थिरू दयानिधि मारन,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2005–2006	**थिरू दयानिधि मारन,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2006–2007	**थिरू ए. राजा, मंत्री,** संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2007–2008	**थिरू ए. राजा, मंत्री,** संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2008–2009	**थिरू ए. राजा, मंत्री,** संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2009–2010	**थिरू ए. राजा, मंत्री,** संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2010–2011	**थिरू ए. राजा,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी (14/11/2010 तक) **श्री कपिल सिब्बल,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी (15/11/2010 से)
2011–2012	**श्री कपिल सिब्बल,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2012–2013	**श्री कपिल सिब्बल,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2013–2014	**श्री रवि शंकर प्रसाद,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2014–2015	**श्री रवि शंकर प्रसाद,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2015–2016	**श्री रवि शंकर प्रसाद,** मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
2016–2017	**श्री रवि शंकर प्रसाद,** मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी

उपाध्यक्ष, अधिशासी परिषद, नाइलिट

वर्ष*	नाम
2016–17	**श्री पी.पी. चौधरी,** राज्य मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
2017–18	**श्री के.जे. अल्फोंस,** राज्य मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

अध्यक्ष, प्रबंध बोर्ड, नाइलिट

नाम	से	तक
श्री जे. सत्यनारायण, भाप्रसे, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	14/03/2012	30/04/2014
श्री आर एस शर्मा, भाप्रसे, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	01/05/2014	07/08/2015
श्री राकेश गर्ग, भाप्रसे, सचिव, संचार विभाग	08/08/2015	30/08/2015
श्री जे.एस. दीपक. भाप्रसे, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	31/08/2015	08/02/2016
श्रीमती अरुणा शर्मा भाप्रसे, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	08/02/2016	28/07/2016
श्रीमती अरुणा सुंदराराजन, भाप्रसे, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	29/07/2016	22/06/2017
श्री अजय साहनी, भाप्रसे, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	23/06/2017	-

मुख्य कार्यकारी अधिकारी/कार्यकारी निदेशक/प्रबंध निदेशक/ महानिदेशक, नाइलिट

नाम	से	तक
श्री टी.सी. गुप्ता	09/11/1994	26/06/1999
श्री. वी.बी. तनेजा	28/06/1999	04/08/1999
श्री अरिन्दम बोस	05/08/1999	17/07/2000
डॉ. पी.एन. गुप्ता	18/07/2000	30/12/2005
श्री जी.वी. रघुनाथन	31/12/2005	28/09/2006
डॉ. वी.एन. वालीवाडेकर	29/09/2006	28/02/2007
डॉ. बी.के. मूर्ति	01/03/2007	15/07/2007
श्री जी.वी. रघुनाथन	16/07/2007	16/10/2008
डॉ. एस. बिरेन्द्र सिंह	17/10/2008	01/11/2010
डॉ. वी.एन. वालीवाडेकर	02/11/2010	18/08/2011
श्री एन. रवि शंकर, भाप्रसे	19/08/2011	28/08/2011
डॉ. वी.एन. वालीवाडेकर	29/08/2011	31/08/2011
श्री एन. रवि शंकर, भाप्रसे	02/09/2011	03/05/2012
डॉ. अजय कुमार, भाप्रसे	04/05/2012	05/08/2012
डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा	06/08/2012	05/08/2017
श्री राजीव कुमार IFoS	16/08/2017	-

* First time created in 2016

विशेष

संगठन के बारे में

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण के अन्तर्गत एक स्वायत्त वैज्ञानिक संस्था है। नाइलिट सूचना प्रौद्योगिकी; इलेक्ट्रॉनिकी; संचार प्रौद्योगिकियों; हार्डवेयर; साइबर कानून; साइबर सुरक्षा; आईपीआर; जीपीएस; क्लाउड कम्प्यूटिंग; ईएसडीएम; ई–अपशिष्ट; आईओटी; ई–शासन तथा संबद्ध विषयों पर क्षमता निर्माण एवं कौशल विकास करने के कार्य में सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है। यह औपचारिक तथा अनौपचारिक दोनो ही क्षेत्रों में पाठ्यक्रम प्रदान करता है तथा एक राष्ट्रीय परीक्षा निकाय भी है जो अनौपचारिक क्षेत्र में पाठ्यक्रम चलाने के लिए संस्थानों/ संगठनों का प्रत्यायन करता है। नाइलिट कई राज्य सरकारों के कर्मचारियों तथा जनसामान्य के लिए सूचना प्रौद्योगिकी साक्षरता कार्यक्रम चलाने के लिए एक अधिमानित एजेंसी भी है।

नाइलिट **अधिशासी परिषद** के समग्र नियंत्रण एवं दिशा–निर्देशों के अन्तर्गत कार्य कर रहा है। माननीय केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री इस परिषद के अध्यक्ष हैं, जबकि परिषद के उपाध्यक्ष माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री हैं। परिषद के अन्य सदस्य सरकार, उद्योग, शैक्षिक संस्थानों तथा विभिन्न व्यावसायिक निकायों के प्रतिनिधि हैं।

सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार नाइलिट के **प्रबंध बोर्ड** के अध्यक्ष हैं। बोर्ड तथा परिषद के निर्णयों का कार्यान्वयन प्रभावी रूप में करने के लिए प्रत्येक नाइलिट केन्द्र की एक **कार्यकारी समिति** है जिसमें संबंधित राज्य सरकारों, शैक्षिक संस्थानों तथा उद्योगों के प्रतिनिधि शामिल हैं।

नाइलिट की **वित्त एवं लेखा समिति** के अध्यक्ष महानिदेशक, नाइलिट हैं जो बजट अनुमान/संशोधित अनुमानों तथा संगठन के वित्तीय मुद्दों/समाधानों की सिफारिश करके अधिशासी परिषद को सहायता प्रदान करती है। इस समिति को संस्थान की सम्परीक्षित वार्षिक लेखाओं को अधिशासी द्वारा पारित किए जाने के प्रयोजन प्रस्तुत करने से पहले उनकी जाँच करने का दायित्व भी दिया गया है। वित्त एवं लेखा समिति विभिन्न वित्तीय मामलों में तथा संस्थान के लेखा–परीक्षकों की नियुक्ति के संबंध में समय–समय पर सलाह भी देती है। नाइलिट के रोजमर्रा के कार्यकलापों का प्रबंध महानिदेशक द्वारा किया जाता है।

नाइलिट के सतर्कता विभाग के प्रमुख **मुख्य सतर्कता अधिकारी** हैं। जो इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी हैं। मुख्य सतर्कता अधिकारी को प्रत्येक केन्द्र तथा नाइलिट मुख्यालय के सतर्कता अधिकारियों द्वारा सहायता प्रदान की जाती है। नाइलिट के सतर्कता संबंधी कामकाज में निरोधक उपाय शामिल हैं जो प्रचालन का एक स्वस्थ एवं पारदर्शी वातावरण तैयार करने के लिए आवश्यक है।

पारदर्शिता तथा जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए संस्थान में जुलाई, 2005 से सूचना का अधिकार अधिनियम के अनिवार्य प्रावधानों को कार्यान्वित किया गया है। सूचना का अधिकार अधिनियम में उल्लिखित अपेक्षाओं के अनुसार, मुख्यालय में **लोक सूचना अधिकारी** तथा सभी नाइलिट केन्द्रों में लोक सूचना अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। सूचना का अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत अनुरोधों पर कार्रवाई करने के लिए आन्तरिक कार्यविधियाँ तैयार की गई हैं और अनिवार्य सूचना नाइलिट की वेबसाइट (WWW-NIELIT-GOV-IN) पर उपलब्ध कराई गई है। इसके अतिरिक्त, सूचना का अधिकार अधिनियम की अपेक्षाओं के अनुसार संगठन में एक पारदर्शिता अधिकारी की भी नियुक्ति की गई है। सार्वजनिक सेवाओं की प्रदायगी में उत्कृष्टता लाने तथा नागरिकों की शिकायतों का निवारण सार्थक रूप में करने के उद्देश्य से, नाइलिट ने प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग के दिशा–निर्देशों के अनुसार एक **लोक शिकायत अधिकारी** की भी नियुक्ति की है। हिन्दी के प्रयोग के संबंध में संवैधानिक अनुदेशों का अनुपालन नाइलिट केन्द्रों में क्षेत्रवार प्रावधानों के अनुसार किया जा रहा है।

नाइलिट ने अगरतला, आइज़ॉल, अजमेर (केकड़ी), अलावलपुर, औरंगाबाद, अयोध्या, भुवनेश्वर, कालीकट, चण्डीगढ़, चुचुयिमलांग, चुड़ाचन्द्रपुर, चेन्नै, दिल्ली, डिब्रूगढ़, गंगटोक, गोरखपुर, गुवाहाटी, हरिद्वार, इम्फाल, ईटानगर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, कोकराझार, कोलकाता, कुरुक्षेत्र, लेह, लखनऊ, लुंगलेई, पाली, पासीघाट, पटना, राँची, रोपड़, सेनापति, शिलांग, शिमला, सिलचर, श्रीनगर, तेज़पुर तथा तुरा स्थित **अपने 40 केन्द्रों** के नेटवर्क के जरिए सर्वभारतीय उपस्थिति तथा नई दिल्ली स्थित मुख्यालय के माध्यम से स्वयं को एक अग्रणी संगठन के रूप में स्थापित कर लिया है। ओ/ए/बी/सी स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण के लिए यह लगभग **747+ प्रत्यायित प्रशिक्षण संस्थानों** के एक नेटवर्क से भी जुड़ा हुआ है। इसके अलावा, डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण के लिए लगभग **9444+ सुविधा केन्द्रों** का एक नेटवर्क भी है।

नाइलिट के अपने केन्द्र

(40 प्रचालनरत + 4 प्रस्तावित)

2012 से पहले	**22**	अगरतला, आइज़ॉल, औरंगाबाद, कालीकट, चण्डीगढ़, चेन्नै, चुचुयिमलांग, दिल्ली, गंगटोक, गोरखपुर, गुवाहाटी, इम्फाल, ईटानगर, जम्मू, कोहिमा, कोलकाता, लखनऊ, पटना, शिलांग, शिमला, श्रीनगर, तेज़पुर
2012-13	**6**	अजमेर, जोरहाट, सिलचर, चुड़ाचन्द्रपुर, सेनापति, लेह
2013-14	**3**	राँची, कोकराझार, लुंगलेई
2014-15	**2**	अलावलपुर, रोपड़
2015-16	**2**	पासीघाट, तुरा
2016-17	**2**	कुरुक्षेत्र, डिब्रूगढ़
2017-18	**3**	पाली, हरिद्वार, भुवनेश्वर
प्रस्तावित	**4**	बक्सर, मुज़फ्फरपुर, अल्मोड़ा, अयोध्या

बैठक / वर्ष	अधिशासी परिषद्	प्रबंध बोर्ड	वित्त एवं लेखा समिति	निदेशकों की बैठक	अकादमिक परामर्श समिति
2012	दिनांक 03.10.2012 को 30वीं बैठक	दिनांक 26.12.2012 को 06वीं बैठक	दिनांक 06.09.2012 को 24वीं बैठक	दिनांक 23.08.2012 को 15वीं बैठक	–
2013	दिनांक 08.10.2013 को 31वीं बैठक	दिनांक 08.05.2013 को 7वीं बैठक	दिनांक 09.04.2013 को 26वीं बैठक	दिनांक 06.04.2013 को 16वीं बैठक	–
	–	–	दिनांक 13.08.2013 को 27वीं बैठक	दिनांक 13.12.2013 को 17वीं बैठक	–
2014	दिनांक 29.11.2014 को 32वीं बैठक	दिनांक 05.03.2014 को 08वीं बैठक	दिनांक 25.02.2014 को 28वीं बैठक	दिनांक 03 और 04.12.2014 को 18वीं बैठक	–
	–	दिनांक 29.09.2014 को 09वीं बैठक	दिनांक 04.09.2014 को 29वीं बैठक	–	–
2015	दिनांक 28.11.2015 को 33वीं बैठक	दिनांक 13.07.2015 को 10वीं बैठक	दिनांक 20.05.2015 को 30वीं बैठक	–	–
	–	दिनांक 16.11.2015 को 11वीं बैठक	दिनांक 29.09.2015 को 31वीं बैठक	–	–
2016	दिनांक 21.12.2016 को 34वीं बैठक	दिनांक 26.02.2016 को 12वीं बैठक	दिनांक 03.05.2016 को 32वीं बैठक	दिनांक 29.01.2016 को 19वीं बैठक	दिनांक 07.12.2016 को प्रथम बैठक
	–	दिनांक 16.09.2016 को 33वीं बैठक	–	–	–
	–	दिनांक 07.06.2016 को 13वीं बैठक	–	–	–
	–	दिनांक 19.09.2016 को 14वीं बैठक	–	–	–
2017	–	दिनांक 17.01.2017 को 15वीं बैठक	दिनांक 28.02.2017 को 34वीं बैठक	दिनांक 24 और 25.01.2017 को 20वीं बैठक	दिनांक 16.02.2017 को दूसरी बैठक
	–	दिनांक 19.04.2017 को 16वीं बैठक	दिनांक 28.07.2017 को 35वीं बैठक	–	–

कौशल विकास तथा क्षमता निर्माण

कौशल विकास दीर्घकालीन विकास प्रक्रिया को प्रेरित करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और यह अनौपचारिक से औपचारिक अर्थव्यवस्था में संचरण की सुविधा प्रदान करने में योगदान दे सकता है। अच्छी तरह कार्य करने के सिद्धान्त तथा कौशल विकास के डिजाइन एवं प्रदायगी के लिए मार्गदर्शन प्रदान कर सकते हैं और ये सामाजिक रूप में उचित संचरण का कुशल प्रबंध करने का एक प्रभावी मार्ग है। राष्ट्रीय कौशल विकास नीति का उद्देश्य सुधारात्मक कौशल, ज्ञान तथा राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय रूप में मान्यता प्राप्त अर्हता के माध्यम से सभी व्यक्तियों का सशक्तीकरण करना है जिससे वे अच्छा रोजगार प्राप्त कर सकें तथा वैश्विक बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता सुनिश्चित हो सके। नाइलिट आईईसीटी के क्षेत्र में विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को कौशल प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नाइलिट द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले व्यापक पाठ्यक्रमों में ये शामिल हैं : (क) नाइलिट केन्द्रों द्वारा राज्य स्तरीय विश्वविद्यालयों/तकनीकी बोर्डों के सहयोग से चलाए जाने वाले **औपचारिक क्षेत्र** के पाठ्यक्रम जैसे कि **एमई/एम.टेक, बीई/बी.टेक, एमसीए, बीसीए** कार्यक्रम; औरंगाबाद केन्द्र भी इलेक्ट्रॉनिकी के क्षेत्र में **पीएचडी** कार्यक्रम प्रदान करता है (ख) सूचना प्रौद्योगिकी, हार्डवेयर, जैव–सूचना विज्ञान आदि में चार स्तरों पर अर्थात **'ओ'** (आरम्भिक); **'ए'**

(उन्नत डिप्लोमा); 'बी' (एमसीए के समतुल्य) तथा 'सी' (एम.टेक के समतुल्य) पर **अनौपचारिक क्षेत्र** के पाठ्यक्रम; प्रमुख क्षेत्रों में **अल्पावधि पाठ्यक्रम**; तथा देश में डिजिटल साक्षरता के प्रसार के लिए **सूचना प्रौद्योगिकी साक्षरता कार्यक्रम**; और राज्य सरकारों के कर्मचारियों के सशक्तीकरण के लिए ई–शासन में विशेष कार्यक्रम। इसके अतिरिक्त, नाइलिट ने सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्र की फर्मों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार विशेष रूप से तैयार कौशल विकास कार्यक्रम चलाने की विशेषज्ञता तैयार की है। भारत सरकार के 'डिजिटल भारत', 'भारत में निर्माण' तथा 'कौशल भारत' मिशन के अनुसरण में ग्रामीण युवाओं के सशक्तीकरण तथा उनकी आजीविका में अभिवृद्धि करने के प्रयोजन से नाइलिट द्वारा चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमों के कार्यक्षेत्र का विस्तार करने के लिए वर्ष 2012 से प्रयास किए गए हैं। इस बात का सुनिश्चय करने पर बल दिया गया है कि नाइलिट द्वारा जो भी नए पाठ्यक्रम तैयार किए जाएँ वे उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप हों ताकि इन पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण लेने वाले विद्यार्थी उद्योग में आसानी से रोजगार प्राप्त कर सके। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि नाइलिट के पाठ्यक्रमों को दो श्रेणियों में रखा गया है अर्थात औपचारिक क्षेत्र तथा अनौपचारिक क्षेत्र के पाठ्यक्रम। अनौपचारिक क्षेत्र के पाठ्यक्रमों के अन्तर्गत, राष्ट्रीय स्तर पर चलाए जाने वाले ओ, ए, बी तथा सी स्तर जैसे दीर्घावधि पाठ्यक्रमों के अलावा नाइलिट केन्द्रों द्वारा मानक अल्पावधि पाठ्यक्रम भी चलाए जाते हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि नाइलिट के पाठ्यक्रम अद्यतन तथा उद्योग की अपेक्षाओं के अनुरूप हों, इन पाठ्यक्रमों को सरकारी विनियमों तथा फ्रेमवर्क के अनुरूप बनाने के सक्रिय प्रयास किए जा रहे हैं। ओ तथा ए स्तर के पाठ्यक्रमों को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) द्वारा लागू किए गए राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षण अर्हता फ्रेमवर्क (एनवीईक्यूएफ) के अनुसार तैयार किया गया है और एनवीईक्यूएफ को राष्ट्रीय कौशल अर्हता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के साथ सम्मिलित किए जाने के फलस्वरूप नाइलिट ऐसे अग्रणी संगठनों मे शामिल है जिसने 51 पाठ्यक्रमों को एनएसक्यूएफ के साथ श्रेणीबद्ध किया है।

पाठ्यक्रमों का विविधीकरण

अद्यतन प्रौद्योगिकीय रुझानों को अपनाने के लिए नाइलिट के पाठ्यक्रमों का बड़े पैमाने पर **विविधीकरण** किया गया है। विविधीकरण के प्रयासों के माध्यम से, कौशल विकास के संवर्धन के लिए उदीयमान क्षेत्रों में प्रौद्योगिकीय क्षमताओं का लाभ उठाने की दिशा में प्रयास किए गए हैं। इलेक्ट्रॉनिकी तथा सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अप्रचलन की तेज दर को ध्यान में रखते हुए, नाइलिट के दृष्टिकोण को तेजी से परिवर्तित होने वाले परिवेश की जरूरतों को पूरा करने के लिए सुव्यवस्थित किया गया है। अल्प अवधि में निजी क्षेत्र में इंजीनियरी महाविद्यालयों की संख्या में तेजी से वृद्धि होने के कारण ओ/ए स्तर जैसे सूचना प्रौद्योगिकी के दीर्घकालीन अनौपचारिक पाठ्यक्रमों का चयन करने वाले विद्यार्थियों की संख्या पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है, जिसके फलस्वरूप कौशल विकास तथा क्षमता निर्माण के क्षेत्र में कार्यकलापों का विविधीकरण करने की आवश्यकता हो गई है। इसके परिणामस्वरूप अल्पावधि पाठ्यक्रमों में भर्ती तथा राजस्व के सृजन में तेजी से वृद्धि हुई है। ऐसे पाठ्यक्रमों पर बल दिया गया जिनसे रोजगार योग्यता में बढ़ोतरी हो सके। अपने लक्ष्यों एवं उद्देश्यों के अनुसरण में, नाइलिट के कार्यकलापों का बड़ी मात्रा में विविधीकरण किया गया है और इससे ब्राण्ड निर्माण के साथ–साथ अतिरिक्त राजस्व भी प्राप्त हुआ है। विविधीकरण के माध्यम से, नाइलिट राज्य तथा राष्ट्रीय स्तरों पर परियोजनाओं का कार्यान्वयन करने के लिए एक तरजीही क्षमता निर्माण संगठन का एक प्रमुख नाम बन गया है।

प्रक्रिया पुनःइंजीनियरी

पूर्व की प्रणालियों तथा प्रक्रियाओं की **पुनःइंजीनियरी** एक चुनौतीपूर्ण कार्य था जिसे नाइलिट में हासिल किया गया है और इसके परिणामस्वरूप कार्यनिष्पादन जैसे कि लागत, गुणवत्ता, सेवाओं तथा गति के महत्वपूर्ण एवं समकालीन उपायों में नाटकीय सुधार हुआ है। 'प्रक्रिया पुनःइंजीनियरी या सुधार 'कुछ अधिक बेहतर' कार्य करने के लिए चीजों में फेरबदल करने से अच्छा है। किसी विशिष्ट समस्या या घटना के अनुरूप, व्यवस्थित विश्लेषण, विकल्पों का चयन एवं मूल्यांकन तथा चुनौतियों का समाधान महत्वपूर्ण अन्तर लाने में समर्थ रहा है। नाइलिट ने प्रक्रिया पुनःइंजीनियरी के जिन प्रयासों को अपनाया है उनसे अत्यधिक वृद्धि हुई है – एक ऐसी उपलब्धि जिसे इसी प्रकार के किसी अन्य संगठन द्वारा शायद ही हासिल किया जा सकता है।

फोर्स मल्टीप्लायर के रूप में प्रौद्योगिकी का प्रयोग

नाइलिट ने स्टेकहोल्डर्स को सुविधा प्रदान करने तथा प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता एवं जवाबदेही की भावना तैयार करने के लिए **प्रौद्योगिकी का प्रयोग** प्रभावी रूप में किया है। सभी क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी के सक्रिय प्रयोग के कारण सेवाओं की प्रदायगी समय पर, कुशलता पूर्वक एवं पारदर्शी तरीके से करने के संबंध में स्टेकहोल्डर्स में आत्मविश्वास पैदा हुआ है। इसके अलावा, ऑनलाइन प्रक्रियाओं के माध्यम से फीस के संग्रहण के फलस्वरूप निधियों की मानीटरिंग समुचित रूप में हुई है। नाइलिट द्वारा प्रौद्योगिकी को अपनाए जाने के कारण प्रशिक्षण संस्थानों को प्रत्यायन/सुविधा प्राप्त करने के लिए अपने घरों/कार्यालयों से ऑनलाइन रूप में आवेदन करने की सुविधा मिली है और इस प्रकार उन्हें 24X7 के आधार पर सेवाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। बायोमेट्रिक हाजिरी (जनवरी 2014 से) के कारण कर्मचारियों में अनुशासन तथा समय की पाबंदी में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्नत/पुनःनिर्मित वेबसाइट के जरिए उसे बेहतर रूप में देख पाने के कारण नाइलिट के पाठ्यक्रमों की विपणन योग्यता बेहतर हुई है। समग्र रूप में, प्रौद्योगिकी को अपनाने के परिणामस्वरूप प्रयोग में आसानी, सभी संबंधित व्यक्तियों के लिए अभिगम्यता बढ़ी है और इससे नाइलिट के विकास को बढ़ावा मिला है।

सहयोग एवं सहमति–ज्ञापनों के जरिए सहक्रिया

भविष्य का दृष्टिकोण तैयार के कारण कार्यकलापों का विस्तार तथा अग्रणी एजेंसियों के साथ सहक्रिया का सृजन हुआ है। जिन सहयोगों को विशुद्धतः गैर–अनन्य तथा गैर–वित्तीय आधार पर किया गया है उनमें 'दोनों के लिए फायदेमंद' स्थिति का सृजन करने के प्रयासों से विशिष्ट प्रौद्योगिकी को अपनाने तथा नाइलिट के विद्यार्थियों के लिए रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए एक समर्थक फ्रेमवर्क प्राप्त हुआ है। कुछ प्रमुख सहयोग तथा सहमति–ज्ञापन नीचे दिए गए हैं :

1. मॉन्सटर डॉट कॉम इण्डिया प्रा. लि. : नाइलिट के विभिन्न कुशलता एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अन्तर्गत प्रशिक्षित व्यक्तियों के लिए रोजगार योग्यता में वृद्धि करने, प्लेसमेंट की सहायता प्रदान करने तथा/अथवा रोजगार

की खोज/अवसरों की सुविधा प्रदान करने के लिए एक–दूसरे के साथ सहयोग करना अथवा तृतीय पक्षकार के साथ संयुक्त रूप में सहयोग करना। (25 अप्रैल, 2016)

2. अमेज़न इंटरनेट सर्विसेज़ प्राइवेट लिमिटेड (एआईएसपीएल) – इस सहमति–ज्ञापन से नाइलिट तथा इसके केन्द्रों को विभिन्न सर्टिफिकेट/डिग्री पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों के लिए अमेज़न वेब सार्विसेज़ एजुकेट कार्यक्रम उपलब्ध कराने की सुविधा प्राप्त होगी। इस गैर–अनन्य सहमति–ज्ञापन का उद्देश्य सहक्रिया का सृजन करना है जिसके जरिए नाइलिट के लगभग 25 हजार विद्यार्थियों को अमेज़न क्लाउड सर्वरों से निःशुल्क रूप में ऑनलाइन सेवाएँ तथा सूचना–सामग्री प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। (29 जून, 2016)
3. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रोपड़ – सहयोग को बढ़ावा देना, वैश्विक अनुभव के लिए अवसर उपलब्ध कराना तथा पारस्परिकता, सर्वोत्तम प्रयास, आपसी लाभ तथा नियमित विचार–विमर्श के आधार पर ज्ञान में वृद्धि करने की सुविधा प्रदान करना। (6 मार्च, 2017)
4. भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) – ई–शासन में प्रशिक्षण कार्यक्रमों के जरिए आपसी प्रयासों में सहक्रिया लाना। (3 अप्रैल, 2017)
5. गूगल इन्कॉर्पोरेटेड – नाइलिट के प्रशिक्षकों का एन्ड्रॉएड पर मास्टर प्रशिक्षण। (19 मई, 2017)
6. अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) – नाइलिट ने रोजगार योग्यता अभिवृद्धि प्रशिक्षण कार्यक्रम (ईईटीपी) के अन्तर्गत एआईसीटीई के साथ एक सहमति–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस सहमति–ज्ञापन का उद्देश्य अपेक्षित कुशलता के साथ पर्याप्त रूप में शिक्षित इंजीनियरी स्नातक तैयार करना है और यह सुनिश्चित करने के लिए उनकी तकनीकी कुशलता वैश्विक रूप में स्वीकार्य हों, कार्य के माध्यम से गहन प्रशिक्षण के जरिए उच्चतम वैयक्तिक एवं प्रोफेशनल मानक हासिल करना। (22 जून, 2017)

अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग एवं वैश्विक प्रदर्शनियाँ

नाइलिट के क्षमता निर्माण संबंधी कार्यकलापों के बारे में अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर द्विपक्षीय बैठकों में सक्रिय सहभागिता तथा औद्योगिक दौरों के जरिए प्रकाश डाला गया और इसके परिणामस्वरूप पूरे विश्व के प्रतिष्ठित देशों में नाइलिट को अधिक महत्व प्राप्त हुआ है। इनमें से कुछ प्रयास नीचे दिए अनुसार हैं :

1. **8वाँ अन्तर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी फोरम, रूस** : नाइलिट ने खान्ती–मनसिस्यस्क, उगरा, रूस में ब्रिक्स तथा एससीओ की सहभागिता से 8वें अन्तर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी फोरम में हिस्सा लिया। नाइलिट के अधिकारी ने भारत तथा उगरा के बीच व्यावसायिक सहयोग विषय पर विचार–विमर्श किया और भारत सरकार के डिजिटल भारत के प्रयासों में नाइलिट की भूमिका के बारे में सदस्यों को बताया। नाइलिट तथा उगरा सूचना प्रौद्योगिकी शोध संस्थान (यूआरआईआईटी) के बीच संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन की संभावना पर भी चर्चा की गई। (8–9 जून, 2016)
2. **एचएएसएस, सूडान** : सूडान के उच्चतर शिक्षा एवं वैज्ञानिक अनुसंधान मंत्रालय के अन्तर्गत उच्चतर सुरक्षा अध्ययन अकादमी (एचएएसएस) के 45 प्रतिभागियों के एक प्रतिनिधिमण्डल ने डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा, महानिदेशक के नेतृत्व में नाइलिट की टीम के साथ विचार–विमर्श किया। बैठक में नाइलिट के क्षमता निर्माण तथा कौशल विकास के प्रयासों के बारे में बताया गया और कौशल भारत, भारत में निर्माण तथा डिजिटल भारत के प्रयासों पर प्रकाश डाला गया जो भारत सरकार के प्रतिष्ठित फ्लैगशिप कार्यक्रम हैं। इस विचार–विमर्श कार्यक्रम से दोनों देशों में तकनीकी शिक्षण प्रणाली का पता लगाने का एक मंच प्राप्त हुआ। (12 अप्रैल, 2016)
3. **इनोप्रॉम, रूस** : नाइलिट ने येकाट्रिनबॉर्ग, रूस में आयोजित इनोप्रॉम 2016 में हिस्सा लिया जो एक विशालतम औद्योगिक मेला है और वैश्विक तथा रूसी उत्पादकों के साथ सीधा सम्पर्क उपलब्ध कराता है। इनोप्रॉम 2016 में भारत को 'भागीदार देश' का दर्जा प्रदान किया गया और प्रदर्शनी में महाराष्ट्र, राजस्थान तथा आंध्र प्रदेश के माननीय मुख्य मंत्रियों के अलावा माननीय केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) भी उपस्थित थे। इस आयोजन ने नाइलिट के पाठ्यक्रमों तथा कार्यकलापों के संबंध में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बड़े पैमाने पर प्रचार–प्रसार तथा विपणन का एक मंच उपलब्ध कराया। (11–14 जुलाई, 2016)

4. **कोलम्बिया का आईसीटी मंत्रालय** : नाइलिट और कोलम्बिया के बीच संयुक्त प्रयासों की संभावनाओं का पता लगाने के लिए नाइलिट के मुख्यालय में कोलम्बिया के आईसीटी मंत्रालय के अधिकारियों के साथ वीडियो कान्फरेंसिंग के माध्यम से एक बैठक का आयोजन किया गया। भारत की ओर से बैठक की अध्यक्षता डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा, महानिदेशक तथा कोलम्बिया की ओर से कोलम्बिया आईसीटी मंत्रालय के अन्तर्राष्ट्रीय कार्यालय के प्रमुख सुश्री ज़ाइफा मेज़हर ने की। इस बैठक के उपरान्त डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा भारत में कोलम्बिया के राजदूत के साथ 01 अगस्त, 2016 को एक बैठक में उपस्थित हुए। बैठक में हुए विचार–विमर्श के अनुसरण में, माननीय आईसीटी मंत्री, कोलम्बिया गणराज्य ने महानिदेशक तथा नाइलिट के अधिकारियों को कोलम्बिया जाने का निमंत्रण दिया जिससे क्षमता निर्माण, कौशल विकास सहित सूचना प्रौद्योगिकी में अधिक सहयोग की व्यवस्था तथा व्यापार संवर्धन के प्रयासों की रूपरेखा तैयार की जा सके। (29 जुलाई, 2016)

5. **मेज़ोनरू कम्पनी समूह, सेंट पीटर्सबर्ग** : येकाट्रिनबॉर्ग, रूस में आयोजित इनोप्रॉम 2016 के दौरान विचार–विमर्श के परिणामस्वरूप, रोबोटिक्स तथा आईओटी में पाठ्यक्रमों के विकास की संभावनाओं का पता लगाने के लिए मेज़ोनरू कम्पनी समूह के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री पावेल फ्रोलो के साथ नाइलिट मुख्यालय में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान रोबोटिक्स अनुप्रयोगों पर एक लाइव प्रदर्शन का भी प्रबंध किया गया तथा विभिन्न प्रयोक्ता समूहों के लिए रोबोटिक्स पर पाठ्यक्रम आरम्भ करने की संभावनाओं का पता लगाया गया। (25 नवम्बर, 2016)

6. **जापान में चौथा भारत–जापान संयुक्त कार्यकारी समूह (जेडब्ल्यूजी)** : डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा, महानिदेशक, नाइलिट ने टोक्यो तथा क्योटो में आयोजित चौथे भारत–जापान संयुक्त कार्यकारी समूह (जेडब्ल्यूजी) में भारतीय शिष्टमण्डल का नेतृत्व किया। सम्मेलन में उद्योग–से–उद्योग तथा उद्योग–से–सरकार सत्रों के दौरान भारत सरकार के भारत में निर्मित प्रयास को समर्थन तथा बढ़ावा देने के बारे में विस्तृत विचार–विमर्श किए गए। महानिदेशक ने श्री योशियाकी ताकेउची, उप महानिदेशक, सूचना प्रौद्योगिकी कार्यनीति, संचार एवं सूचना नीति ब्यूरो, जापान के नेतृत्व में जापानी प्रतिनिधिमण्डल के साथ कौशल विकास के प्रयासों पर भी चर्चा की। इसके अलावा, इलेक्ट्रॉनिक संघटक–पुर्जों के विनिर्माताओं तथा आपूर्तिकर्ताओं के साथ भी नाइलिट द्वारा कौशल उपलब्ध कराने की संभावनाओं का पता लगाने के लिए चर्चा की गई जिससे जापानी कम्पनियों को भारत में अपना व्यवसाय स्थापित करने की सुविधा प्रदान की जा सके। (28 नवम्बर–2 दिसम्बर, 2016)

7. इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित क्षमता निर्माण परियोजना के एक एकभाग के रूप में, नाइलिट ने 05 अधिकारियों की एक टीम को मोबाइल हैण्डसेट डिजाइन एवं इंजीनियरी में कार्य के माध्यम से 45 दिनों के व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए ताइवान भेजा जिससे 'भारत में निर्मित' को बढ़ावा दिया जा सके। यह प्रशिक्षण इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सेल्युलर एसोसिएशन (आईसीए) तथा मीडियाटेक के सहयोग से अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार संस्थान, आर्थिक कार्य मंत्रालय, शिनचु, ताइवान में आयोजित किया गया।

नाइलिट परिसरों के भवन का निर्माण

दूर–दराज के इलाकों से आने वाले विद्यार्थियों के लाभार्थ उन्हें आवासीय सुविधा सहित उत्कृष्ट मूलसंरचना उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार ने देश के विभिन्न भागों में स्थित नाइलिट केन्द्रों के स्थायी परिसरों की स्थापना को अनुमोदित किया। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा अनुमोदित नाइलिट केन्द्रों के अलावा, नाइलिट ने भी अपनी ही समेकित राशि से अपने मुख्यालय भवन का निर्माण किया। निरन्तर प्रयासों से और स्टेकहोल्डर्स के साथ अनुवर्ती कार्रवाई से भवन परियोजनाओं को, जो किसी न किसी कारण से या तो बन्द पड़ी थीं या धीमी गति से चल रही थीं जैसे कि भूमि का आबंटन न होना, लागत के अनुमानों का पुराना सूचकांक, अतिक्रमण, स्थानीय प्राधिकारियों से अनापत्ति आदि, सुव्यवस्थित किया गया और सफलतापूर्वक निष्पादित किया गया। नए केन्द्रों ने नाइलिट की पहुँच का विस्तार दूर दराज के इलाकों तक करने में सहायता की जहाँ इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में अच्छे प्रतिष्ठित अन्य संस्थान उपस्थित नहीं हैं। भवन परियोजनाओं की सूची नीचे दिए अनुसार है :

1. **द्वारका, नई दिल्ली में नाइलिट मुख्यालय भवन** – नाइलिट मुख्यालय को वर्ष 2002 में द्वारका, नई दिल्ली में भूमि आवंटित की गई थी और निर्माण का कार्य वर्ष 2007 में केलोनिवि को दिया गया था लेकिन निर्माण का कार्य वर्ष 2012 तक शुरू नहीं किया जा सका। डॉ. शर्मा ने काफी समय से लम्बित इस मुद्दे को आगे बढ़ाया तथा दिल्ली विकास प्राधिकरण और केलोनिवि के साथ अनुवर्ती कार्रवाई करके सभी अनुमोदन तथा अनापत्तियाँ हासिल की गईं और निर्माण का कार्य वर्ष 2015 में आरम्भ किया गया। माननीय केन्द्रीय मंत्री (इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी तथा विधि एवं न्याय), श्री रवि शंकर प्रसाद और माननीय केन्द्रीय राज्यमंत्री (इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी तथा विधि एवं न्याय), श्री पीपी चौधरी ने 06 मई, 2017 को भवन का उद्घाटन किया।

2. **नाइलिट अगरतला** – इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इस परियोजना को मार्च 2008 में अनुमोदित किया था लेकिन जनवरी 2013 में परियोजना की लागत में संशोधन किया गया। लागत में संशोधन के पश्चात निर्माण का कार्य आरम्भ किया गया तथा भवन तैयार हो गया है। केन्द्र ने नए भवन में अपना कामकाज जनवरी 2016 से शुरू कर दिया है। भवन को आईईसीटी से संबंधित कौशल विकास तथा क्षमता निर्माण के कार्यकलापों के लिए माननीय केन्द्रीय राज्यमंत्री (इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी तथा विधि एवं न्याय), श्री पीपी चौधरी ने 26 अप्रैल, 2017 को राष्ट्र के नाम लोकार्पित किया।

3. **नाइलिट कोलकाता** – इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इस परियोजना को फरवरी 2009 में अनुमोदित किया था लेकिन मुकदमा, लागत में संशोधन आदि जैसे विभिन्न कारणों से निर्माण का कार्य जुलाई 2013 में ही आरम्भ किया जा सका। भवन अब पूरा हो गया है तथा उद्घाटन के लिए तैयार है।

4. **नाइलिट पटना** – परियोजना को अक्तूबर 2012 में अनुमोदित किया गया था तथा दिसम्बर 2014 में लागत में संशोधन किया गया। कई चुनौतियाँ थी जैसे कि अतिक्रमण आदि मुद्दे। लेकिन निर्माण का कार्य अभी चल रहा है तथा जुलाई 2017 तक पूरा हो जाने की संभावना है।

5. **नाइलिट अजमेर** – परियोजना को अक्तूबर 2010 में अनुमोदित किया गया तथा दिसम्बर 2013 में लागत में संशोधन किया गया। भवन के निर्माण का कार्य केन्द्रीय सीपीएसयू के माध्यम आरम्भ किया गया तथा वर्ष 2015 में भवन तैयार हो गया है। केन्द्र ने नए भवन में अपना कामकाकज दिसम्बर 2015 से शुरू कर दिया है।

6. **नाइलिट रोपड़** – इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इस परियोजना को जनवरी 2014 में अनुमोदित किया था। अनुवर्ती कार्रवाई के पश्चात भूमि के प्रयोग में परिवर्तन का अनुमोदन राज्य सरकार से प्राप्त किया गया तथा निर्माण का कार्य केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के साथ मिलकर शुरू किया गया। भवन के निर्माण का कार्य जून 2015 में आरम्भ किया गया तथा भवन अब उद्घाटन के लिए तैयार है। भूमि तक पहुँच मार्ग का निर्माण राज्य सरकार द्वारा अभी तक नहीं किया गया है और इस मामले में, राज्य सरकार के साथ कार्रवाई की जा रही है।

7. **पूर्वोत्तर में स्थायी परिसरों का निर्माण/ग्रेड उन्नयन** – मंत्रिमण्डल ने वर्ष 2012 में पूर्वोत्तर क्षेत्र में 18 परिसरों का अनुमोदन दिया था लेकिन उस समय केवल एक ही स्थान पर (इम्फाल) भूमि उपलब्ध थी। संबंधित राज्य सरकारों के साथ कठोर अनुवर्ती कार्रवाई की गई और नाइलिट 18 में से 15 स्थानों पर नए परिसरों/उन्नयन के लिए भूमि प्राप्त कर सका। 12 स्थानों पर (मणिपुर के इम्फाल, सेनापति एवं चुड़ाचाँदपुर; मिज़ोरम के आइजॉल एवं लुंगलेई; नागालैण्ड के चुचुयिमलांग; मेघालय के शिलांग; अरुणाचल प्रदेश के पासीघाट; असम के तेजपुर, कोकराझार, जोरहाट, डिब्रूगढ़) निर्माण का कार्य शुरू हो गया है तथा तीन अन्य स्थानों (असम के गुवाहाटी, मेघालय के तुरा तथा सिक्किम के गंगटोक) में शीघ्र ही शुरू होने की संभावना है।

डिजिटल भुगतान के प्रयास

नाइलिट ने निम्नलिखित कार्यकालापों के संबंध में भुगतान एवं प्राप्तियों के लिए डिजिटल मोड में भुगतान के प्रयोजन से प्रौद्योगिकी का प्रयोग करके एक सांस्थानिक तंत्र का विकास किया है। विमुद्रीकरण के पश्चात नाइलिट ने अपने केन्द्रों तथा प्रशिक्षण भागीदारों के माध्यम से विद्यार्थियों, नागरिकों तथा व्यापारियों को डिजिटल भुगतान पर प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। विमुद्रीकरण के समय से लेकर इसने लगभग 1.4 लाख नागरिकों को डिजिटल भुगतान पर कौशल प्रदान किया। राष्ट्रीय स्तर पर यह छोटे एवं सूक्ष्म उद्यमों/व्यापारियों को डिजिटल भुगतान के प्रयासों में प्रशिक्षित करने तथा इसमें शामिल करने के लिए देश के 135 से ज्यादा स्थानों पर कार्यशालाओं तथा शिविरों (डिजिधन मेला) का भी आयोजन कर रहा है।

इन प्रयासों के जरिए लगभग 13,500 व्यापारियों का लक्ष्य बनाया गया है। नाइलिट अपने सोशल मीडिया हैण्डल के माध्यम से भारत सरकार की नकद–हीन अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर होने के प्रयासों को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है। नाइलिट ने नकदी रूप में प्राप्तियों एवं भुगतानों की अपनी पारम्परिक प्रणाली को वर्ष 2014 से डिजिटल माध्यमों से ऑनलाइन, पारदर्शी एवं जवाबदेह पद्धति में परिवर्तित करने का प्रयास किया है। इसके परिणामस्वरूप, संगठन को लागत में कमी करने; पुराने भुगतानों को कम करने; विवाद प्रबंध के सरलीकरण; अनुपालन में बढ़ोतरी; सुरक्षा में अभिवृद्धि तथा कार्यप्रवाह निपुणता में सुधार करने की दृष्टि से इसके लाभ भी प्राप्त हुए हैं। डिजिटल भुगतानों तथा प्राप्तियों के संबंध में नाइलिट के आन्तरिक प्रयास नीचे दिए अनुसार हैं :

1. **विक्रेताओं तथा आपूर्तिकर्ताओं को भुगतान** : विक्रेताओं तथा आपूर्तिकर्ताओं को सभी भुगतान एनईएफटी/आरटीजीएस के माध्यम से किए जा रहे हैं और पिछले दो वर्षों में यह सुनिश्चित किया गया है कि ऐसे सभी भुगतान लाभग्राहियों के बैंक खातों में सीधे डिजिटल मोड से ही किए जाएँ। विक्रेताओं/आपूर्तिकर्ताओं को नकदी के रूप में भुगतान वर्ष 2014 से बंद कर दिया गया है। पिछले वित्त वर्ष के दौरान लगभग 325.08 करोड़ रु. मूल्य के लगभग 7000 ऑनलाइन लेन–देन किए गए।
2. **नाइलिट के कर्मचारियों का वेतन** : अनुबंध के आधार पर कार्यरत कर्मचारी सहित नाइलिट के सभी कर्मचारियों के वेतन सीधे उनके बैंक खाते में अन्तरित कर दिए जाते हैं और यह प्रणाली वर्ष 2007 से लागू है। जहाँ तक चिकित्सा, यात्रा/दैनिक भत्ता, वाहन व्यय, समाचार–पत्र भत्ता/संतान शिक्षा भत्ता आदि व्ययों की प्रतिपूर्ति का संबंध हैं, इनका प्रावधान भी ऑनलाइन मोड में किया जाता है और कर्मचारियों को अब नकद प्रतिपूर्ति नहीं की जाती है। कर्मचारियों के बैंक खाते में जब भी भुगतान अन्तरित किया जाता है तब नाइलिट कर्मचारियों को एसएमएस अलर्ट भी देता है।

3. **विशेषज्ञों/स्टेकहोल्डर्स को भुगतान** : परीक्षाओं के आयोजन, उत्तर पत्रकों के मूल्यांकन, प्रश्न–पत्र तैयार करने, स्क्रीनिंग आदि के लिए नाइलिट विशेषज्ञों की सेवाओं का उपयोग करता है और विशेषज्ञों तथा स्टेकहोल्डर्स को इनसे संबंधित सभी भुगतान वर्ष 2014 से सीधे उनके बेंक खाते में एनईएफटी/आरटीजीएस के माध्यम से किए जा रहे हैं।
4. कर्मचारियों को जारी की गई पेशगी तथा उनका निपटारा : कर्मचारियों को दी जाने वाली सभी पेशगियाँ केवल चेक के माध्यम से की जाती है तथा इस पद्धति में आगे सुधार किया जा रहा है जिससे पेशगी का अनुमोदन होने पर संबंधित कर्मचारी के बैंक खाते में वह ऑनलाइन मोड के जरिए सीधे अन्तरित हो जाएँ। इसी प्रकार, पेशगियों के निपटारे से संबंधित भुगतान भी केवल चेक के माध्यम से स्वीकार किए जाते हैं।
5. **सरकारी ई–बाजार (जीईएम)** : यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं कि फर्नीचर/फिक्सचर/उपस्कर आदि जैसी सभी वस्तुओं की खरीद सरकारी ई–बाजार (जीईएम) पोर्टल से की जाए और उनके भुगतान भी ऑनलाइन मोड पर किए जाते हैं।
6. **डीबीटी के जरिए छात्रवृत्ति** : नाइलिट आर्थिक रूप में कमजोर वर्ग/महिला/शारीरिक रूप में अशक्त व्यक्तियों को छात्रवृत्ति देता है और ऐसी सभी छात्रवृत्तियों का भुगतान वर्ष 2015 से केवल आधार आधारित प्रत्यक्ष लाभ अन्तरण (डीबीटी) के माध्यम से किया जा रहा है। लगभग 2500 लेन–देन कर लिए गए हैं।
7. **सांविधिक भुगतान** : ईपीएफ/सेवा कर/आय कर आदि जैसे सभी सांविधिक भुगतान केवल ऑनलाइन मोड में संबंधित पोर्टलों के जरिए जमा किए जाते हैं।
8. **फुटकर राशि** : पेट्रोल/डीजल, छोटी–छोटी वस्तुओं की खरीद आदि के लिए भुगतान पहले से उपलब्ध राशि वाले बैंक कार्डों के जरिए की जाती है।
9. **ऑनलाइन भुगतान गेटवे** : नाइलिट की सीसीसी/बीसीसी परीक्षाओं का आयोजन केवल ऑनलाइन मोड में ही किया जाता है और सभी संबंधित कार्यकलाप जैसे कि विद्यार्थियों द्वारा फीस का भुगतान, प्रवेश–पत्रों का जारी किया जाना, डिजिटल लॉकर से जुड़े ई–प्रमाण–पत्र जारी किया जाना आदि भी ऑनलाइन मोड में किए जाते हैं। विद्यार्थी अपनी फीस का भुगतान सीधे नाइलिट पोर्टल पर क्रेडिट कार्ड/डेबिट कार्ड/नेट बैंकिंग द्वारा अथवा एएनईएफटी/आरटीजीएस के माध्यम से कर सकते हैं। ग्रामीण विद्यार्थी भी अपनी फीस का भुगतान ऑनलाइन मोड में करने के लिए निर्धारित सीएससी–एसपीवी केन्द्रों की सुविधा का उपयोग कर सकते हैं। क्लास रूम आधारित परीक्षाओं जैसे कि ओ/ए/बी/सी स्तरों के लिए भी फीस की राशि केवल ऑनलाइन मोड में ही ली जाती है।
10. **प्रत्यायन** : प्रशिक्षण भागीदारों से फीस इस समय बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से ली जाती है और इस संबंध में प्रशिक्षण भागीदारों को सुविधा प्रदान करने के लिए एक पोर्टल तैयार किया गया है जिससे वे नाइलिट पोर्टल के माध्यम से प्रत्यायन शुल्क का भुगतान ऑनलाइन मोड में सीधे कर सकें।
11. **ई–खरीद पोर्टल** : ऑनलाइन मोड में ईएमडी स्वीकार करने के लिए भी एक प्रणाली तैयार की गई है। इस संबंध में यह उल्लेखनीय है कि सरकारी दिशा–निर्देशों के अनुसरण में सभी खरीद ई–खरीद पोर्टल के माध्यम से की जाती है, जिसमें ईएमडी की राशि ऑनलाइन मोड में जमा करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।
12. **एसएफएमएस** : नाइलिट ने एक ऐसी प्रक्रिया भी आरम्भ की है जिसके द्वारा बैंक गारंटियाँ सरकारी दिशा–निर्देशों के अनुसरण में स्टक्चर्ड फाइनेंशियल मेसेजिंग सिस्टम (एसएफएमएस) के जरिए प्रदान की जा सकती हैं।

डिजिटल साक्षरता

डिजिटल साक्षरता एक महत्वपूर्ण घटक है जिसका परिचय प्रत्येक नागरिक को होना चाहिए ताकि वे डिजिटल रूप में समर्थित एक प्रगतिशील परिवेश में हिस्सा ले सकें। डिजिटल साक्षरता की परिधि में कई अन्तर–सम्पर्कित कुशलताएँ आती हैं जिनमें मूलभूत जागरूकता तथा प्रशिक्षण से लेकर अत्यन्त परिष्कृत एवं अधिक जटिल सृजनशीलता एवं महत्वपूर्ण साक्षरता शामिल हैं। इसके अलावा, नियोजक भी यह चाहते हैं कि नियोजित होने वाले कार्मिकों में ऐसी कुशलता होनी चाहिए कि वे एक नई भूमिका में सीधे उत्पादनशील बनें और विश्वास करते हैं कि डिजिटली कुशल कार्मिकों की कार्यक्षमता एवं उत्पादकता में सुधार करती हैं। समय की माँग को ध्यान में रखते हुए, एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया गया है तथा 03 और पाठ्यक्रम जोड़कर डिजिटल साक्षरता के पाठ्यक्रमों में अभिवृद्धि की गई है। नाइलिट के

डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रमों में अब 36 घंटे से लेकर 200 घटों तक के पाठ्यक्रम शामिल हैं। इन पाठ्यक्रमों को वित्तीय समावेशन (वित्तीय सेवा विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विकसित) पर लगभग 1.5 घंटे के मॉड्यूल में भी रेट्रोफिट किया गया है। डिजिटल साक्षरता के पाठ्यक्रमों को नीचे दिए अनुसार स्पष्ट किया गया है :

नाइलिट के डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम, विशेष रूप से बीसीसी/सीसीसी को विभिन्न राज्य सरकारों/सरकारी विभागों जैसे कि अरुणाचल प्रदेश, बिहार, चण्डीगढ़, दमन एवं दीव, गुजरात, महाराष्ट्र, मिज़ोरम, राजस्थान, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, सीजीए का कार्यालय, डीजीईएण्टी आदि द्वारा भर्ती/सेवाकालीन पदोन्नतियों/प्रोत्साहन आदि के लिए स्वीकार किया जाता है।

24X7 अधिगम की सुविधा प्रदान करने के लिए, सीसीसी की पाठ–सामग्री 25 भाषाओं में तैयार की गई है तथा नाइलिट की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है। जहाँ तक क्लासरूम प्रशिक्षण का संबंध है, इस पाठ्यक्रम को पूरे देश में 9000 से ज्यादा सुविधा केन्द्रों द्वारा चलाया जाता है। इसके अलावा, पाठ्यक्रम के लिए प्रतिमाह परीक्षा चक्र का आयोजन पूरे देश में 150 से ज्यादा परीक्षा केन्द्रों द्वारा किया जा रहा है। इस पाठ्यक्रम को पूरी तरह से ऑनलाइन प्रणाली द्वारा संचालित किया जाता है अर्थात परीक्षा के लिए विद्यार्थियों का पंजीकरण, परीक्षा शुल्क की प्राप्ति, परीक्षा का आयोजन, परिणामों की घोषणा तथा डिजिटल रूप में हस्ताक्षरित ई–प्रमाण पत्र जारी किया जाना। औसतन 80,000 से ज्यादा विद्यार्थी डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रमों की मासिक आधार पर आयोजित की जाने वाली ऑनलाइन परीक्षा चक्रो में उपस्थित होते हैं।

पुरस्कार एवं सम्मान

नाइलिट के कार्यनिष्पादन की सराहना विभिन्न मंचों पर की गई है, जिसके परिणामस्वरूप कई सम्मान एवं पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। द दलाल स्ट्रीट इन्वेस्टमेंट जर्नल (डीएशआईजे) नामक भारत की अग्रणी निवेश पत्रिका ने नाइलिट को 2 अप्रैल, 2014 को आयोजित **5वें सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम पुरस्कार 2013 में अत्यन्त कुशल विकास समर्थक** के रूप में पुरस्कृत किया है। भारत के तत्कालीन प्रधान मंत्री के सलाहकार, श्री टीकेए नायर ने पुरस्कार प्रदान किया। नाइलिट को अपने कार्यनिष्पादन में उत्तमता तथा देश में सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में क्षमता निर्माण में योगदान के लिए सम्मान प्राप्त हुआ। नाइलिट को **दैनिक भास्कर समूह** द्वारा 27 मार्च, 2017 को **'भारत की छवि के अभिवर्धन में उत्तमता' के लिए प्रतिष्ठित भारत सम्मान पुरस्कार–2016–17** से सम्मानित किया गया। नाइलिट के महानिदेशक ने श्री मनोज सिन्हा, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (दूरसंचार) एवं माननीय राज्य मंत्री, रेलवे, भारत सरकार से पुस्कार ग्रहण किया।

उल्लेखनीय उपलब्धियाँ

- मोबाइल शासन (एम–शासन) के संवर्धन के लिए इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा जारी किए गए दिशा–निर्देशों के अनुसरण में, नाइलिट ने सीसीसी पाठ्यक्रम के विभिन्न विषयों के लिए 11 भाषाओं में 70 मोबाइल ऐप आरम्भ किए हैं जिससे इसकी पहुँच को विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों तक बढ़ाया जा सके ताकि ग्रामीण विद्यार्थी स्मार्ट फोन के जरिए नाइलिट के पाठ्यक्रम प्राप्त कर सकें।
- प्रक्रिया पुनःइंजीनियरी के माध्यम से कार्यपद्धतियों को सरल बनाने के नाइलिट के प्रयासों के अनुसरण में, विशेषज्ञों की नामिका तैयार करने के लिए एक ऑनलाइन विशेषज्ञ नामिका निर्माण प्रणाली का शुभारम्भ सचिव, इलेक्टॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय एवं अध्यक्ष, प्रबंध बोर्ड, नाइलिट द्वारा किया गया।
- विभिन्न नाइलिट पाठ्यक्रमों के लिए अंग्रेजी में ई–सूचना सामग्री तैयार की गई तथा उन्हें हिन्दी एवं अन्य प्रान्तीय भाषाओं जैसे कि तमिल, तेलुगू, बांग्ला, गुजराती, मलयालम, कन्नड़ आदि में अनूदित किया जा रहा है।
- इम्फाल में आदर्श आजीविका केन्द्र के उद्घाटन के पश्चात 22 अप्रैल, 2016 को नाइलिट इम्फाल के नए शैक्षिक ब्लॉक की आधारशिला रखी गई।
- भारत सरकार की राष्ट्रीय आजीविका सेवा योजना के अन्तर्गत रोजगार महानिदेशालय, श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तपोषण से इम्फाल, लेह तथा कोलकाता में आदर्श आजीविका केन्द्र स्थापित किए गए हैं। कालीकट, गोरखपुर, औरंगाबाद तथा श्रीनगर में पहले ही स्थापित आदर्श आजीविका केन्द्रों द्वारा रोजगार मेलों का आयोजन किया गया है। पिछले एक वर्ष में 15000 से ज्यादा उम्मीदवारों को 5 रोजगार मेलों के जरिए संगठित किया गया, जिनमें से लगभग 3000 उम्मीदवारों का चयन रोजगार मेलों में हिस्सा लिए 50 से ज्यादा नियोजकों द्वारा रोजगार के लिए किया गया।

- नाइलिट ने इलेक्टॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय/मापगुप्र/सर्ट–इन के लिए वैज्ञानिक 'बी' के पद के लिए भर्ती परीक्षा का आयोजन किया। नाइलिट ने अपने केन्द्रों के लिए वैज्ञानिक एवं तकनीकी तथा गैर–वैज्ञानिक एवं तकनीकी के 94 पदों पर भर्ती की भी कार्रवाई की।
- नाइलिट श्रीनगर द्वारा जम्मू तथा कश्मीर सरकार की एसएसए/आरएमएसए योजनाओं के अन्तर्गत लगभग 640 विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम परियोजना का कार्यान्वयन किया गया है।
- स्मार्ट आभासी क्लासरूम सुविधा 17 अतिरिक्त नाइलिट केन्दों में उपलब्ध कराई गई है और इस प्रकार यह सुविधा अब लगभग सभी नाइलिट केन्द्रों में उपलब्ध है। इस सुविधा का उपयोग विभिन्न नाइलिट केन्द्रों के बीच तथा मुख्यालय के साथ बेहतर समन्वय के लिए वीडियो कान्फरेंसिंग के आयोजन के प्रयोजन से बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप, यात्रा में लगने वाले समय तथा धन की बचत के साथ–साथ कुशल एवं तीव्र निर्णय लेने की सुविधा प्राप्त हुई है। नाइलिट केन्द्रों द्वारा इस सुविधा का प्रयोग अपने प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन अधिक प्रोफेशनल एवं कुशलतापूर्वक करने के लिए भी किया जा रहा है।

- एक अनूठे प्रयास के रूप में, नाइलिट द्वारा कौशल विकास के जरिए स्थानीय युवाओं तथा महिलाओं को मुख्य धारा में शामिल करने के लिए भारतीय सेना के साथ मिलकर अपने संसाधनों से बारामुला, जम्मू तथा कश्मीर में एक अध्ययन केन्द्र की स्थापना की गई है।
- नाइलिट ने सोशल मीडिया के क्षेत्र में अपना कदम रखा है और इस संबंध में आधिकारिक ट्विटर हैण्डल @NIELITIndia दि. 24 मई, 2016 शुरू किया गया है। ट्वीट दैनिक आधार पर डाले जाते हैं और नाइलिट के आधिकारिक ट्विटर हैण्डल का उपयोग 5900 से ज्यादा प्रयोक्ताओं द्वारा किया जा रहा है। इस हैण्डल में डाले गए ट्वीट को वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, पत्र सूचना ब्यूरो, कैबिनेट मंत्रियों तथा माननीय प्रधान मंत्री जी द्वारा पुनःट्वीट भी किया जाता है।
- नाइलिट को डिजिटल भारत के अन्तर्गत सरकारी अधिकारियों के लिए ई–अपशिष्ट प्रबंध की एक परियोजना इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा प्रदान की गई है। इस संबंध में, नाइलिट के मास्टर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण भी पूरा कर लिया गया है तथा चुने गए 10 राज्यों में सरकारी अधिकारियों का प्रशिक्षण चल रहा है।
- एनडीएलएम (दिशा) के अन्तर्गत एक प्राधिकृत परीक्षा एजेंसी के रूप में, नाइलिट बायोमेट्रिक समर्थित आधार प्राधिकरण वाले उम्मीदवारों के लिए ऑनलाइन मोड में परीक्षाओं का आयोजन कर रहा है। इसने एनडीएलएम/दिशा योजना के अन्तर्गत अब तक लगभग 8,35,932 उम्मीदवारों के लिए परीक्षाओं का आयोजन कर लिया है। परीक्षाएँ सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने पर उम्मीदवारों को ऑनलाइन मोड में डिजिटल रूप में हस्ताक्षरित प्रमाण–पत्र भी जारी किए जाते हैं जिसमें क्यूआर कोड शामिल होता है जिससे ऑनलाइन प्रमाण–पत्रों का सत्यापन भी ऑनलाइन मोड में किया जा सकता है।
- नाइलिट ने भारत सरकार के डिजिटल भारत के प्रयासों तथा उपलब्धियों का प्रदर्शन करके माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी तथा कानून एवं न्याय मंत्री के नेतृत्व में 6 स्थानों अर्थात मुम्बई, मथुरा, जोधपुर, काकीनाड़ा, छिन्दवाड़ा तथा जमशेदपुर में विकास पर्व समारोहों में सक्रिय रूप में हिस्सा लिया।

- इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की ईएसडीएम में कौशल विकास योजना के अतर्गत 01.04.2016 से 3.12.2016 के दौरान लगभग 140268 विद्यार्थियों को पंजीकृत किया जिनमें से 60261 विद्यार्थियों को प्रमाण–पत्र जारी किया गया तथा 2936 विद्यार्थियों को रोजगार मिल गया है। इसके अलावा, चार (4) कार्यशालाएँ आयोजित की गईं तथा राज्यों के साथ चार (4) सहमति–ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।
- नाइलिट ने अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/आर्थिक रूप में कमजोर वर्गों/दिव्यांग/महिला विद्यार्थियों के लिए नाइलिट की छात्रवृत्ति योजना के अन्तर्गत 450 विद्यार्थियों को ओ/ए/बी/सी स्तर के सूचना प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम पूरा करने पर अपने संसाधनों के छात्रवृत्ति जारी की है। छात्रवृत्ति का भुगतान आधार आधारित प्रत्यक्ष लाभ अन्तरण (डीबीटी) के माध्यम से किया जा रहा है।
- नाइलिट के ओ/ए/बी स्तर के सूचना प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रमों में पिछले वर्ष की तुलना में पंजीकरण में काफी बढ़ोतरी हुई है। डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रमों में 7 लाख से ज्यादा विद्यार्थियों का पंजीकरण किया गया है।
- ईएसडीएम क्षेत्र के लिए जनशक्ति तथा मूलसंरना की आवश्यकता पर विचार करते हुए, नाइलिट कालीकट ने विभिन्न विषयों जैसे कि वीएलएसआई एवं अन्तर्निर्मित हार्डवेयर डिजाइन, एसिक डिजाइन एवं सत्यापन, तथा अन्तर्निर्मित–तात्कालिक प्रणालियों पर एक अखिल भारतीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम आरम्भ किया है। ये पाठ्यक्रम नाइलिट केन्द्रों में चलाए जा रहे हैं तथा अपेक्षित मूलसंरचना के मानदण्डों को पूरा करने वाले संस्थानों/डीम्ड विश्वविद्यालयों/संगठनों में भी इन्हें चलाने की अनुमति दी जा रही है।

- नाइलिट कालीकट में एक इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) प्रयोगशाला की स्थापना की गई है जिसमें इंटेल इण्डिया की सहायता से इंटेल गैलीलिओ बोर्ड तथा एआरएम कॉर्टेक्स माइक्रोकंट्रोलर बोर्ड लगाए जा रहे हैं। आईओटी में स्नाकोत्तर डिप्लोमा (6 माह) इस समय नाइलिट द्वारा प्रदान किया जा रहा है।

- नाइलिट लखनऊ ने 'चिकनकारी' कारीगरों/स्थानीय शिल्पकारों आदि के लिए डिजिटल विपणन पाठ्यक्रम आयोजित किया जिससे वे अपने उत्पादों का विपणन ई–वाणिज्य पोर्टलों के माध्यम से ऑनलाइन मोड में करने में सक्षम हों।
- नाइलिट औरंगाबाद ने इंजीनियरी एवं प्रौद्योगिकी में एक डॉक्टरेट (पीएचडी) कार्यक्रम आरम्भ किया है। लगभग 40 विद्यार्थियों को पंजीकृत कर लिया गया है।
- इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा नाइलिट को ''स्वतः–व्यवस्थित छोटे एवं मझोले व्यवसायों/व्यापारियों की डिजिटल भुगतान प्रयासों में ऑन–बोर्डिंग'' शीर्षक से एक परियोजना का दायित्व सौंपा गया है। इस संबंध में एक राष्ट्रव्यापी अभियान आरम्भ किया गया तथा माननीय केन्द्रीय मंत्री (इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी तथा विधि एवं न्याय) द्वारा 4 मार्च, 2017 को उद्घाटन किया गया। इस परियोजना के अन्तर्गत नाइलिट द्वारा पूरे भारत में 35 कार्याशालाओं तथा 100 डिजिधन शिविरों का आयोजन किया गया।
- नाइलिट ने कर्मचारियों को सप्ताह में कम से कम एक दिन साइकिल से कार्यालय आने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से #साइकिल2वर्क का एक प्रयास आरम्भ किया, जो माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'मन की बात' में किए गए आह्वान के अनुसरण में है, जिसमें यह बताया गया था कि सरकारी अधिकारियों को अपने स्वास्थ्य के प्रति ध्यान देने को प्राथमिकता देनी चाहिए जिससे अपने कार्य में उनकी उत्पादकता बेहतर होगी और सप्ताह में कम से कम एक दिन अपने कार्यालय में साइकिल से आना इस दिशा में एक कदम होगा। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तत्कालीन सचिव ने इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन, लोधी रोड, नई दिल्ली में 27 अप्रैल, 2017 को संयुक्त सचिव एवं ग्रुप प्रमुख (मानव संसाधन विकास), इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की उपस्थिति में इस प्रयास को हरी झंडी दिखाई।

- भुवनेश्व में नया नाइलिट केन्द्र : नाइलिट ने श्री अशोक मीणा, सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी, ओडीशा सरकार तथा श्री आर. एन. पलई, विशेष सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी, ओडीशा सरकार तथा अन्य महानुभावों की उपसथिति में 12 मई, 2017 को ओडीशा कम्प्यूटर अनुप्रयोग केन्द्र (ओकैक) के साथ एक सहमति–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। ओडीशा सरकार ने ओडीशा कम्प्यूटर अनुप्रयोग केन्द्र (ओकैक) के माध्यम से राज्य में एक नया नाइलिट केन्द्र स्थापित करने के प्रयोजन से एक निर्मित स्थान निःशुल्क रूप में उपलब्ध कराया और नाइलिट ने कार्याकलाप आरम्भ करने के लिए अपने अधिकारियों को कार्यस्थल पर भेज दिया है।

- प्रशासनिक एवं वित्तीय मामलों में जागरूकता का सृजन करने के उद्देश्य से, नाइलिट भवन में 16 जून 2017 को एक–दिवसीय एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में नाइलिट मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा विभिन्न नाइलिट केन्द्रों के प्रशासन एवं वित्त विभाग के लगभग 30 अधिकारियों ने हिस्सा लिया। पूरे दिन चली इस कार्यशाला ने नाइलिट के वित्त एवं प्रशासनिक अधिकारियों को नीतिगत कार्यपद्धतियों की विभिन्न पहलुओं पर शिक्षित करने तथा सभी नाइलिट केन्द्रों के बीच एकरूपता लाने के लिए एक बहुत ही उपयोगी मंच के रूप में काम किया।

- इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा अपने दिनांक 19.01.2016 के आदेश के जरिए लागू की गई वर्ग 'क' वैज्ञानिक एवं तकनीकी अधिकारियों की नई पदोन्नति नीति को अपनाया गया। 24 जुलाई 2017 की स्थिति के अनुसार, 46 कर्मचारियों को वैज्ञानिक 'बी' से लेकर वैज्ञानिक 'ई' तक की पदों पर पदोन्नत किया गया है तथा 27 और कर्मचारियों को व्यक्ति केन्द्रित पदोन्नति नीति के अन्तर्गत पदोन्नत किया गया है।

कार्मिकों की पदोन्नति स्थिति

वर्ष	समूह क	समूह ख	समूह ग
2013	5	19	17
2014	25	30	7
2015	46	82	27
2016	30	50	10
2017	56	14	3
योग	**162**	**195**	**64**
कुल योग (क+ख+ग)		**421**	

- नए पाठ्यक्रम : नाइलिट केन्द्र अगरतला ने वर्तमान शैक्षिक वर्ष 2017–2018 से त्रिपुरा विश्वविद्यालय के सहयोग से इंजीनियरी में डिप्लोमा के औपचारिक पाठ्यक्रम आरम्भ किए हैं।

- नाइलिट पूरे भारत में जीएसटी में कौशल प्रदान करने की जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार है। इस संबंध में जीएसटीएन के सहयोग से नाइलिट के विभिन्न केन्द्रों के 35 अधिकारियों के लिए मास्टर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया और नाइलिट टीम के सहयोग से एक ऐप विकास विशेषज्ञ द्वारा एक शैक्षिक ऐप का विकास किया गया है। इसके अतिरिक्त, जीएसटी में कुशलता से संबंधित व्यावहारिक मुद्दों का समाधान करने के प्रयोजन से लक्षित समूहों की आवश्यकताओं पर विचार करते हुए व्यापारियों तथा विनिर्माताओं के लिए जीएसटी पर एक–दिवसीय एक कैप्सूल पाठ्यक्रम का भी विकास किया गया है।

- इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित क्षमता निर्माण परियोजना के एक भाग के रूप में, नाइलिट ने 05 अधिकारियों की एक टीम को मोबाइल हैण्डसेट डिजाइन एवं इंजीनियरी में कार्य के माध्यम से 45 दिनों के व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए ताइवान भेजा जिससे 'भारत में निर्माण' को बढ़ावा दिया जा सके। यह प्रशिक्षण इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सेल्युलर एसोसिएशन (आईसीए) तथा मीडियाटेक के सहयोग से अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार संस्थान, आर्थिक कार्य मंत्रालय, शिनचु, ताइवान में आयोजित किया गया।

वार्षिक प्रतिवेदन 2016–17 के लिए कुछ उल्लेखनीय परियोजनाएँ

भौगोलिक वितरण	परियोजना का नाम व् इसका विवरण	कुल परिव्यय
सम्पूर्ण भारत	इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की वित्तीय सहायता से देश के प्रत्येक राज्य में एक लाख सामान्य सेवा केन्द्र (सीएससी) प्रचालकों/ग्रामीण स्तर के उद्यमकर्ताओं (वीएलई) के प्रशिक्षण एवं प्रमाणन के लिए **प्रशासनिक अनुमोदन सं. 3 (36)/2010–ईजी–II दिनांक 12.07.2010 के जरिये "ग्रामीण भारत में कम्प्यूटर शिक्षण पाठ्यक्रम"**। इस परियोजना के अन्तर्गत, कुल 1,00,000 वीएलई को कम्प्यूटर अवधारणा पाठ्यक्रम (सीसीसी) में प्रमाणित किया जाएगा। ये प्रमाणित वीएलई अपने–अपने सीएससी में विभिन्न शैक्षिक सेवाएँ प्रदान कर सकते हैं, जो उन्हें अपने समुदाय में साख/विश्वसनीयता सृजित करने के अलावा उनके लिए रोजगार का एक नियमित स्रोत भी उपलब्ध कराएगा। यह योजना सरकार की ग्रामीण जनता के लिए रोजगार के अवसरों में सुधार करने तथा देश के समग्र विकास के लिए अच्छी क्वालिटी की जनशक्ति तैयार करने की सुविधा की नीति के अनुसार है। इससे सरकार को प्रत्येक घर के एक नागरिक को डिजिटल रूप में साक्षर बनाने के उद्देश्य को हासिल करने में भी सहायता मिलेगी।	₹ 750.00 लाख
दस राज्य, असम, उत्तर प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, राजस्थान, सिक्किम, बिहार और पश्चिम बंगाल	इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की वित्तीय सहायता से **प्रशासनिक अनुमोदन सं. 3(36)/2010–ईजी–II दिनांक 03.03.2011 के जरिये "ग्रामीण भारत में डिजिटल साक्षरता के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण (डब्ल्यूडीएलपी)"**, जिसका लक्ष्य डिजिटल साक्षरता में कुशलता हासिल करने के लिए मूलभूत कम्प्यूटर अवधारणा (वीसीसी) पाठ्यक्रम में 25,000 ग्रामीण महिलाओं का प्रशिक्षण एवं सशक्तिकरण करना है जिससे वे आगे शिक्षा प्राप्त कर सकें, रोजगार प्राप्त सकें, अपना व्यवसाय आरम्भ तथा तैयार करने में उन्हें सहायता मिले, अपनी आजीविका को सुरक्षित कर सकें तथा सामाजिक एवं राजनीतिक रूप में सक्रिय बन सकें।	₹ 287.50 लाख
असम तथा मणिपुर	**"प्रशासनिक अनुमोदन सं. 12(3)/2016–ESD दिनांक 22.3.2016 के जरिए स्पैम–निरोधी समन्वय केन्द्र की स्थापना"** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट इम्फाल तथा गुवाहाटी द्वारा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की वित्तीय सहायता से किया जा रहा है जिसका उद्देश्य एक स्पैम–निरोधी सुविधा की स्थापना करना तथा स्पैम मेल के बारे में सूचना के संग्रहण, विश्लेषण तथा विनिमय के लिए एक फ्रेमवर्क का विकास करना है। इस प्रयोजन से, वितरित स्पैम–बॉट्स एमुलेटिंग मुक्त रिले सर्वरों की स्थापना की जाएगी। संग्रहीत स्पैम मेलों का विश्लेषण इस तथ्य का पता लगाने के लिए किया जाएगा कि ऐसे मेल कहाँ से उत्पन्न हुए हैं तथा उनका वर्गीकरण श्रेणियों में किया जाएगा। विश्लेषण के आधार पर, अन्तर्राष्ट्रीय पद्धतियों के अनुसार एक साझा योग्य डेटाबेस तथा रिपोर्ट तैयार की जाएगी और सर्ट–इन सहित सभी पणधारियों को दी जाएगी।	₹ 135.00 लाख
केरल	**''प्रशासनिक अनुमोदन सं. L–14016/7/2014–HRD दिनांक 4.7.2014 के जरिए केरल के अनुसूचित जनजाति के लिए कम कीमत वाली अभिगम युक्तियों पर आधारित जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से सूचना प्रौद्योगिकी कौशल तथा ई–समावेशन''** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट कालीकट द्वारा अमृता विश्व पीठम, कोल्लम के साथ मिलकर संयुक्त रूप से इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की वित्तीय सहायता से किया जा रहा है जिसका उद्देश्य नाइलिट द्वारा अनुसूचित जनजाति जनसंख्या के योग्य विद्यार्थियों को निःशुल्क प्रशिक्षण तथा प्रमाण–पत्र प्रदान करना है जिससे सरकारी तथा निजी क्षेत्र में उनकी रोजगार योग्यता में वृद्धि हो सके। अमृता का उद्देश्य सामाजिक जागरूकता के लिए प्रभावी अधिगम का एक मॉडल तथा कार्यपद्धति तैयार करना और मलयालम में एसीसी प्रशिक्षण तथा जनजाति के गाँवों में प्रायोगिक परियोजना करना है जहाँ कनेक्टिविटी उपलब्ध नहीं है।	₹ 132.47 लाख

भौगोलिक वितरण	परियोजना का नाम व् इसका विवरण	कुल परिव्यय
केरल	**"प्रशासनिक अनुमोदन सं. 1(5)/2015–ME&HI दिनांक 28.09.2015 के जरिए पीएनडीटी के अनुपालन सहित स्वदेशी रंगीन डॉप्लर अल्ट्रासाउण्ड स्कैनर"** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट कालीकट द्वारा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की वित्तीय सहायता से किया जा रहा है जिसका उद्देश्य पीएनडीटी के अनुपालन सहित स्वदेशी रंगीन डॉप्लर अल्ट्रासाउण्ड स्कैनर का डिजाइन एवं विकास करना है।	₹ 274.38 लाख
महाराष्ट्र एवं तमिलनाडु	**'प्रशासनिक अनुमोदन सं. 1(12)/2011–HRD दिनांक 1.5.2012 के जरिए इलेक्ट्रॉनिकी उत्पाद डिजाइन तथा उत्पादन प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में क्षमता निर्माण''** **इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट औरंगाबाद तथा चेन्नै द्वारा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की वित्तीय सहायता से किया जा रहा है जिसका उद्देश्य इस प्रकार हैं :** • क्सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, स्नातकोत्तर, तथा शोध प्रोफेशनल सहित विभिन्न स्तरों पर सक्षमता के उपयुक्त स्तर सहित मानव संसाधन का विकास करना। • विशेषज्ञता के चुनिन्दा क्षेत्रों में अल्पावधि/दीर्घावधि माडुलर अनौपचारिक पाठ्यक्रम शुरू करना। • भारतीय उद्योगों में कार्यरत प्रोफेशनलों की सक्षमता का दर्जा बढ़ाना। • इस क्षेत्र में अप्रचलन की उच्च दर के कारण तकनीकी संस्थानों के शिक्षकों के ज्ञान तथा कौशल का दर्जा बढ़ाना। • रोजगार तथा स्व–रोजगार से जुड़े कम कीमत वाले शिक्षण/प्रशिक्षण का डिजाइन एवं संचालन करना – उद्यमकर्ता विकास। • ग्रामीण/अविकसित क्षेत्रों के विकास के उद्देश्य से कम कीमत वाली इलेक्ट्रॉनिकी डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना। • भारतीय उद्योग को डिजाइन परामर्श–सेवा, अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के उत्पाद विकास एवं तकनीकी समर्थन सेवाएँ उपलब्ध कराना।	₹ 2610.00 लाख
मणिपुर तथा सिक्किम	**"प्रशासनिक अनुमोदन सं. 12(9)/2014–ESD दिनांक 14.11.2014 के जरिए मणिपुर तथा सिक्किम पूर्वोत्तर राज्यों में समुचित प्रशिक्षण तथा अभियान तंत्र के माध्यम से विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा सरकारी कर्मचारियों में साइबर सुरक्षा के बारे में जन जागरूकता का सृजन करना"** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट इम्फाल तथा गंगटोक द्वारा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की वित्तीय सहायता से में किया जा रहा है जिसका उद्देश्य देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र के 2 राज्यों में साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूकता संबंधी अन्तर को दूर करना है।	₹ 154.94 लाख
मेघालय	**"प्रशासनिक अनुमोदन सं. 1(4)/2014–ME&HI दिनांक 17.7.2014 के जरिए चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला की स्थापना"** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट शिलांग द्वारा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की वित्तीय सहायता से किया जा रहा है जिसका उद्देश्य मेघालय के विभिन्न अस्पतालों के चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी उपकरणों का परीक्षण, मापांकन, मरम्मत तथा अनुरक्षण करने के लिए नाइलिट शिलांग में चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला की स्थापना करना तथा 3 वर्षों में 75 विद्यार्थियों की भर्ती की क्षमता से चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी उपकरण अनुरक्षण पर पाठ्यक्रम चलाना है।	₹ 122.00 लाख

भौगोलिक वितरण	परियोजना का नाम व् इसका विवरण	कुल परिव्यय
नागालैण्ड	**"प्रशासनिक अनुमोदन सं. स–14016/10/2016/HRD दिनांक 22.09.2016 के जरिए नागालैण्ड के चार पिछड़े जिलों के वंचित (अ.ज.जा) युवाओं तथा महिलाओं का आईसीटी कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से सशक्तिकरण"** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट कोहिमा द्वारा एमईआईटीवाई की वित्तीय सहायता से निम्नलिखित उद्देश्य से किया जा रहा है : • नागालैण्ड में नागालैण्ड की पिछड़ी जनजाति (अनुसूचित जनजाति) के लक्षित महत्वपूर्ण समूहों के जीवन स्तर में समग्र उन्नति करना। • विद्यालय के युवाओं तथा महिलाओं को तकनीकी कुशलता से सुसज्जित करना, और इस प्रकार युवाओं को कम्प्यूटर उपलब्ध कराने तथा सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कौशल में अभिवृद्धि करने के माध्यम से रोजगार के अवसरों का विस्तार करना। • अन्तर को दूर करना, अर्थात तेजी से बदलते विश्व में प्रौद्योगिकी में बदलाव के कारण अत्यन्त आवश्यक विशेष कम्प्यूटर शिक्षण तथा प्रशिक्षण उपलब्ध कराना जिससे वे वर्तमान विश्व के परिवर्तनों का मुकाबला कर सकें। • लक्षित समूह को वर्तमान समय की प्रौद्योगिकी में बराबरी के स्तर पर तथा सक्रिय रूप में भागीदारी करने में सहायता करके एक प्रौद्योगिकी साक्षर समाज का विकास करना जिसमें उन्हें बेहतर जानकारी होगी तथा सहज रूप में संव्यवहार करने की शक्तियाँ प्राप्त होंगी।	₹ 111.56 लाख
नागालैण्ड	**"प्रशासनिक अनुमोदन सं. 1(9)/2014–ME&HI दिनांक 2.12.2014 के जरिए चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला की स्थापना"** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट कोहिमा द्वारा एमईआईटीवाई की वित्तीय सहायता से किया जा रहा है जिसका उद्देश्य नागालैण्ड के विभिन्न अस्पतालों के चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी उपकरणों की मरम्मत तथा अनुरक्षण करने के लिए चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला की स्थापना करना और साथ ही नागालैण्ड के विभिन्न सरकारी तथा निजी अस्पतालों के पराचिकित्सकीय एवं चिकित्सकीय कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान करना है।	₹ 107.00 लाख
नागालैण्ड	**"प्रशासनिक अनुमोदन सं. 12(13)/2014–ESD दिनांक 4.12.2014 के जरिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों के उन्नत प्रशिक्षण के लिए साइबर फोरेन्सिक प्रयोगशाला में अभिवृद्धि जिससे वे उदीयमान साइबर अपराधों का मुकाबला कर सकें तथा पूर्वोत्तर राज्यों में साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में युवाओं का क्षमता निर्माण"** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट इम्फाल द्वारा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की वित्तीय सहायता से किया जा रहा है जिसका उद्देश्य, कानून प्रवर्तन एजेंसियों को नए उभरते साइबर खतरों और उनकी समुचित पड़ताल में उन्नत फोरेन्सिक प्रशिक्षण प्रदान करना है जिससे पूर्वोत्तर राज्यों में बढ़ते साइबर अपराधों को कम किया जा सके तथा पूर्वोत्तर राज्यों के युवाओं को साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम पर प्रशिक्षण प्रदान करना तथा कम्प्यूटर फोरेन्सिक एवं साइबर सुरक्षा प्रयोगशाला में विजुअलाइजेशन प्रौद्योगिकी का कार्यान्वयन करना है।	₹ 152.00 लाख
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली	**"प्रशासनिक अनुमोदन सं. L–14016/9/2013 – HRD दिनांक 07.11.2013 के जरिए सूचना प्रौद्योगिकी में जागरूकता को बढ़ावा देने तथा व्यावसायिक कौशल में अभिवृद्धि करने के लिए टैली के परिचय के साथ दिल्ली की महिला उद्यमकर्ताओं/डेटा प्रविष्टि प्रचालकों का प्रशिक्षण तथा जनसामान्य के लिए सूचना प्रौद्योगिकी कार्यक्रम के लिए कार्यक्रम प्रबंध एकक (पीएमयू)"** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट दिल्ली द्वारा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की वित्तीय सहायता से किया जा रहा है जिसका उद्देश्य, दिल्ली की महिलाओं को आत्म–निर्भर बनाने तथा कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी में ई–साक्षर बनाने के लिए मूलभूत सूचना प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षत करना, स्वास्थ्य, सुरक्षा से संबंधित मुद्दों तथा महिलाओं के लाभार्थ विभिन्न योजनाओं के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना तथा गैर–स्नातक महिलाओं की व्यावसायिक कौशल में अभिवृद्धि करना है।	₹ 241.72 लाख

भौगोलिक वितरण	परियोजना का नाम व् इसका विवरण	कुल परिव्यय
पश्चिम बंगाल	**"प्रशासनिक अनुमोदन सं. L–14016/8/2014–HRD दिनांक 27.06.2014 के जरिए पश्चिम बंगाल के कूच बिहार जिले में अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों की अधिकारिता के लिए आईसीटी में क्षमता निर्माण"** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट कोलकाता द्वारा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की वित्तीय सहायता से किया जा रहा है जिसका उद्देश्य जिला कल्याण विभाग, कूच बिहार, पश्चिम बंगाल में स्मार्ट मोड आईटी आधारित स्रोत केन्द्र की स्थापना करना तथा नाइलिट इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली विनिर्माण ईएसएम 1 पाठ्यक्रम (एनवीईक्यूएफ प्रमाणित इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन तकनीशियन स्तर IV) में प्रशिक्षण प्रदान करके अनुसूचित जाति समुदाय से 300 आईटी कुशल संसाधन सदस्यों का विकास करना है।	₹ 55.44 लाख
नाइलिट् मुख्यालय	**प्रशासनिक अनुमोदन संख्या 11(15)/2012–ईएलजी दिनांक: 11.03.2013" के जरिये संयुक्त रूप से आईआईआईटी बंगलौर के साथ नाइलिट् के राष्ट्रीय स्तरीय प्रमाणन परीक्षा के लिए ऑनलाइन निर्धारण और मूल्यांकन प्रणाली (ओएईएस)।** इस परियोजना का अर्थ इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की वित्तीय सहायता से नाइलिट् एवं आईआईआईटी बैंगलोर द्वारा संयुक्त रूप से बैंकों के निर्माण, मूल्यांकन पद्धतियों के विकास और ऑनलाइन निर्धारण और मूल्यांकन प्रणाली के माध्यम से नाइलिट् 'ओ' स्तरीय ऑनलाइन परीक्षा का निर्धारण करना है।	₹ 220.11 लाख
असम, बिहार, गोवा, झारखंड, मध्यप्रदेश प्रदेश, मणिपुर, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी	**"डिजिटल इण्डिया के अंतर्गत ई–वेस्ट प्रबंधन पर सरकारी कर्मचारियों का क्षमता निर्माण"** इस परियोजना का कार्यान्वयन इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और नाइलिट् की वित्तीय सहायता से नाइलिट् मुख्यालय के द्धारा नाइलिट् केंद्रों के माध्यम से किया जा रहा है। प्रशिक्षण का उद्देश्य उचित रूप से संबंधित विभागों को उनके ई–वेस्ट पर आवश्यक कदम उठाए जाने की दिशा में प्रोत्साहित करना है जो उनमें निहित विषाक्त तत्वों से पर्यावरण के साथ–साथ मानव स्वास्थ्य की भी रक्षा करेगा ।	₹ 622.63 लाख

आय बनाम व्यय
एनपीआर परियोजना को छोड़कर

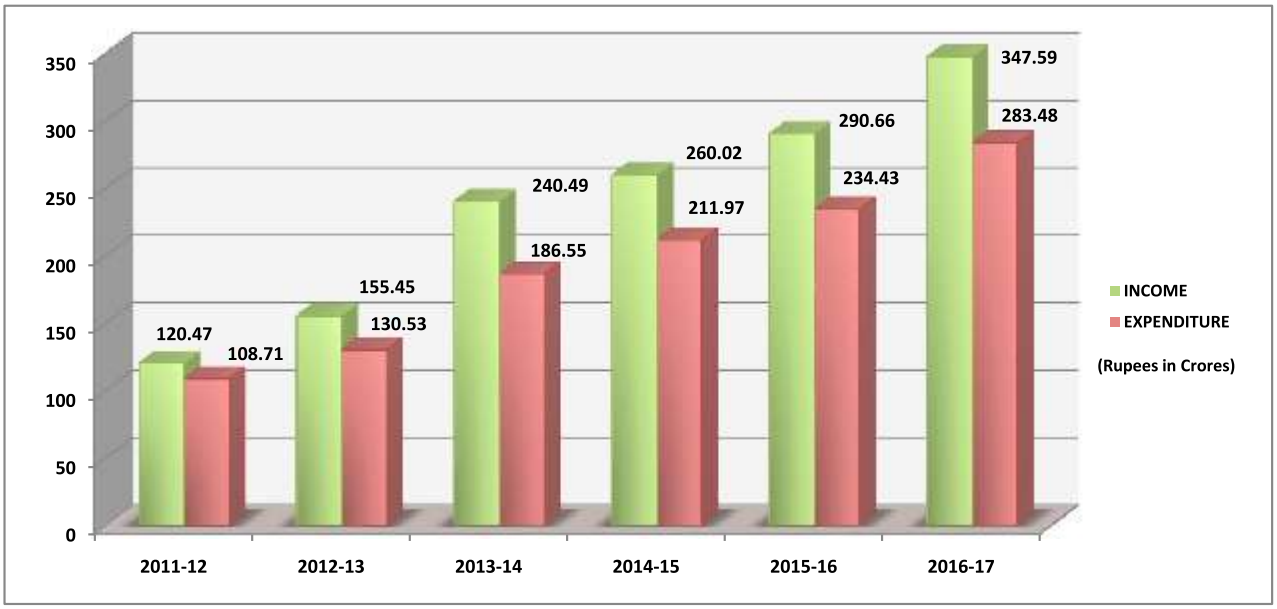

Excluding income of NPR Projects (amounting to Rs. 515.22 crore)

- 2012-13 : 199.06 crore
- 2013-14 : 152.33 crore
- 2014-15 : 139.61 crore
- 2015-16 : 24.00 crore
- 2016-17 : 0.22 crore

अतिशेष
एनपीआर परियोजना को छोड़कर

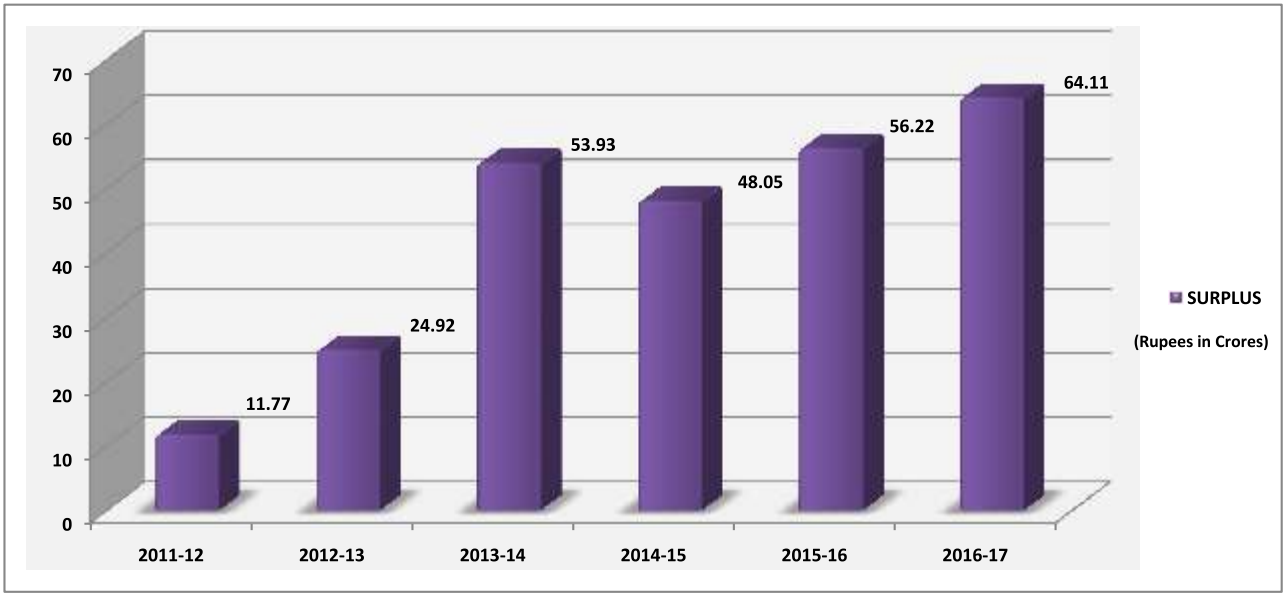

Excluding surplus of NPR Projects (amounting to Rs. 269.10 crore)

- 2012-13 : 68.53 crore
- 2013-14 : 62.52 crore
- 2014-15 : 131.64 crore
- 2015-16 : 6.39 crore
- 2016-17 : 0.02 crore

वर्ष 2016–17 के लिए नाइलिट का कार्यकलापबद्ध राजस्व सृजन
(एनपीआर को छोड़कर)

वर्ष 2016–17 के लिए नाइलिट के व्यय अंश का विवरण
(एनपीआर को छोड़कर)

नाइलिट के केन्द्र

अगरतला

कार्यकारी समिति की बैठक(कें)

शून्य

कार्मिक

नियमित : 18
परियोजना आधारित : 55

कारोबार

783.36 लाख रु.

प्रभारी निदेशक

श्री अनुराग माथुर

पता

नाइलिट अगरतला केन्द्र,
आर.के. नगर (नीपको के सामने),
खयेरपुर, थाना बोधजंगनगर,
अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा–799008 त्रिपुरा

सम्पर्क के ब्यौरे

फोनः 0381–2391010
फैक्सः 0381–2391220
वेबसाइट : www.nielit.gov.in/agartala

क्षेत्राधिकार राज्य

त्रिपुरा

अध्ययन केंद्र

- त्रिपुरा विश्वविद्यालय अध्ययन केंद्र
- खुमुलूंग अध्ययन केंद्रः
- खोवाई अध्ययन केंद्र

नाइलिट् केंद्र, अगरतला का उद्घाटन औपचारिक रूप से 10 फरवरी, 2009 को हुआ था। 15 एकड़ भूमि में केंद्र का स्थायी परिसर बनाया गया है। केंद्र ने स्थायी परिसर से 1 जनवरी, 2016 को अपनी गतिविधियों को शुरू किया। परिसर में शैक्षणिक ब्लॉक (जी+3), प्रशासनिक ब्लॉक (जी+2), कार्यशाला, छात्रावास, स्टाफ क्वार्टर और वाहन पार्किंग की सुविधा है। नाइलिट् केंद्र, अगरतला त्रिपुरा के युवाओं को सुविधा प्रदान कर रहा है।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- सूचना तथा साइबर सुरक्षा
- चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी
- क्लाउड कम्प्यूटिंग एवं ऐप विकास

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम

अल्पावधि पाठ्यक्रम

- नाइलिट एसीसी, बीसीसी, सीसीसी, सीसीसी+
- कार्यालय स्वचालन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम; डेस्कटॉप प्रकाशन; लिनक्स, अपाचे, माईएसक्यूएल और पीएचपी; पीएचपी का उपयोग कर उन्नत वेब विकास; पीसी हार्डवेयर और नेटवर्किंग; मोबाइल मरम्मत और रखरखाव; पीसी की असेंबली और रखरखाव; 8051 माइक्रोकंट्रोलर का उपयोग कर एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन, सॉफ्ट स्किल और संव्यवहार अंग्रेजी, टैली का उपयाग कर वित्तीय लेखांकन
- कंप्यूटर एप्लीकेशन और एनडब्ल्यू प्रशासन में डिप्लोमा
- मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण की मरम्मत और रखरखाव में डिप्लोमा
- सिस्को नेटवर्क अकादमी कार्यक्रम

दीर्घावधि पाठ्यक्रम

- बैचलर ऑफ कम्प्यूटर ऍप्लिकेशन (बीसीए)
- नाइलिट 'ओ' स्तर
- नाइलिट 'ए' स्तर
- सीएचएम 'ओ' स्तर
- सीएचएम 'ए' स्तर

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

त्रिपुरा सरकार द्वारा नाइलिट् सीसीसी को भर्ती/पदोन्नति के लिए अनिवार्य किया गया है।

नाइलिट् अगरतला ने प्राथमिक शिक्षा निदेशालय, त्रिपुरा सरकार के अधीन विद्यालय शिक्षकों का एसीसी और सॉफ्ट स्किल्स पर 6 दिनों के आवासीय प्रशिक्षण का आयोजन किया।

नाइलिट् अगरतला ने बीसीसी/सीसीसी/ऑफिस स्वचालन/सॉफ्ट स्किल्स और संव्यवहार अंग्रेजी पर पश्चिम त्रिपुरा जिले के बामूटिया, दुक्ली, हेज़मारा और मोहनपुर ब्लॉक के बेरोजगार युवाओं के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित किया।

नाइलिट् अगरतला ने एनइजीडी द्वारा प्रायोजित राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के सरकारी कार्मिकों के लिए सीसीसी/सीसीसी प्लस पर प्रशिक्षण का आयोजन किया।

केंद्र ने वन विभाग, त्रिपुरा सरकार के अंतर्गत जेआईसीए द्वारा प्रायोजित बेरोजगार युवाओं के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी और सॉफ्ट स्किल्स पर आवासीय प्रशिक्षण का आयोजन किया।

केंद्र ने त्रिपुरा माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (टीबीएसई) के सहयोग से, टीबीएसई के लिए एलडीसी–कम–डेटा एंट्री ऑपरेटर के पद के लिए भर्ती टायपिंग टेस्ट (अंग्रेजी और बंगाली) का आयोजन किया।

केंद्र, आईआईटी गुवाहाटी और टीसीएस के सहयोग से, नाइलिट् केंद्र, अगरतला में गेट–जाम ऑनलाइन परीक्षा 2017 का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

नाइलिट् केंद्र, अगरतला ने पश्चिम त्रिपुरा, त्रिपुरा पश्चिम जिला, गोमती जिला और खोई जिले को कवर करते हुए डिजिटल पेमेंट जागरूकता अभियान का आयोजन किया।

आइजॉल

कार्यकारी समिति की बैठक(कें)

शून्य

कार्मिक

नियमित : 20
परियोजना आधारित : 31

कारोबार

682.78 लाख रु.

प्रभारी निदेशक:

श्री एन. देबचन्द्र सिंह

पता

नाइलिट आइजॉल
औद्योगिक क्षेत्र, जुआंगतुई.
आइजॉल–796017
मिज़ोरम

सम्पर्क के ब्यौरे

फोन : 0389–2350581
ई–मेल: dir-aizawl@nielit.gov.in
वेबसाइट : www.nielit.gov.in/aizwal

क्षेत्राधिकार राज्य

मिज़ोरम

विस्तार केन्द्र

• लुंगलेई

अध्ययन केंद्र

• डार्लन

नाइलिट् आइजॉल को वर्ष 2001 में स्थापित किया गया था और यह सभी में 8वें स्थान पर है तथा केंद्र और उत्तर पूर्वी क्षेत्र में दूसरे स्थान पर है। इसका उद्धेश्य आईईसीटी के क्षेत्र में शिक्षा और प्रशिक्षण तक पहुंच सुनिश्चित करते हुए मिजोरम के युवाओं को सुविधा प्रदान करना है। नाइलिट् आइजॉल के प्रारंभ से, औपचारिक और अनौपचारिक पाठ्यक्रमों में 23000 से अधिक अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया है। विस्तार केंद्र पुप्पुई, लुंगलेई भी 2013 में स्थापित किया गया था और लगभग 785 छात्रों से भी अधिक प्रशिक्षित किए गए हैं।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- साइबर सुरक्षा
- चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी
- कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिकी मरम्मत तथा अनुरक्षण

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम

अल्पावधि पाठ्यक्रम

- कम्प्यूटर अवधारणा पाठ्यक्रम (सीसीसी)
- जावा C/C++I C# प्रोग्रामिंग
- डॉट नेट प्रौद्योगिकी में प्रोग्रामिंग
- टैली
- ई–शासन
- इंटरनेट एवं वेब डिजाइन
- साइबर सुरक्षा
- मल्टीमीडिया तथा एनिमेशन
- कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिकी मरम्मत तथा अनुरक्षण
- चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी की मरम्मत तथा अनुरक्षण

दीर्घावधि पाठ्यक्रम

- कम्प्यूटर अनुप्रयोग में निष्णात (एमसीए)
- कम्प्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक (बीसीए)
- कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी में डिप्लोमा (डीसीएसई)
- इलेक्ट्रॉनिकी एवं दूरसंचार इंजीनियरी में डिप्लोमा (डीईटीई)
- 'ए' स्तर
- 'ओ' स्तर
- मैट 'ओ' स्तर

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

केंद्र ने राज्य सरकार के लिए प्रशिक्षण का आयोजन किया तथा 239 अभ्यर्थियों को सीसीसी व् 148 को सीसीसी+ में प्रशिक्षित किया था।

केंद्र ने चार (4) औपचारिक पाठ्यक्रम जैसे एमसीए, बीसीए, इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार इंजीनियरिंग और कंप्यूटर विज्ञान इंजीनियरिंग में डिप्लोमा कार्यक्रम तथा वर्ष के दौरान 400 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया।

केंद्र ने गैर–औपचारिक प्रशिक्षण के तहत नाइलिट् 'ओ'/'ए'/मैट 'ओ' स्तर और अन्य अल्पावधि पाठ्यक्रमों में 85 छात्रों को प्रशिक्षित किया है।

221 छात्रों को विभिन्न अल्पावधि पाठ्यक्रमों जैसे मोबाइल मरम्मत, जावा, टैली आदि में प्रशिक्षित किया गया।

केंद्र ने अपने कंप्यूटर साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष के दौरान सीसीसी कार्यक्रम में 4398 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों को प्रशिक्षित किया।

नाइलिट् आईजॉल ने दिसंबर 2016 में डिजिटल भुगतान पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया, इसकी जनसाधारण तक पहुँच का सुनिश्चय करने की दिशा में प्रदर्शन भी किया गया।

नाइलिट् आईजॉल ने केंद्र के छात्रों के लिए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बावन्गाक्वान के सहयोग से डिजिटल वित्तीय साक्षरता अभियान भी आयोजन किया।

नाइलिट् आईजॉल ने डारलॉन, एजवाल सरकार नॉर्थ कॉलेज तथा ऐजावल सरकार वेस्ट कॉलेज की शुरुआत की है।

नाइलिट् आईजॉल ने 5 अगस्त, और 16 सितंबर, 2016 को स्वच्छ भारत अभियान का आयोजन किया गया। इस दिन स्वच्छता अभियान चलाया गया था। केंद्र के छात्रों और कर्मचारियों ने केंद्र के परिसर की सफाई में भाग लिया।

नाइलिट् आईजॉल ने नेशनल नेटवर्क सुरक्षा चैंपियनशिप पर 1 सप्ताह का प्रशिक्षण दिया और 100 से अधिक छात्रों ने प्रशिक्षण में हिस्सा लिया।

नाइलिट् आईजॉल ने टीसीएस और सिफी के सहयोग से यूपीएससी, आईबीपीएस, सीएमसी वेल्लोर, जेईई इत्यादि के लिए विभिन्न ऑनलाइन परीक्षाएं आयोजित की थी।

उद्योग और वाणिज्य विभाग के मंत्री श्री एच.रोहुला और विधायक आर.एल. पीनमावाया ने भी केंद्र का दौरा किया।

अजमेर

कार्यकारी समिति की बैठक(कें)

शून्य

कार्मिक

नियमित : 05
परियोजना आधारित : 10

कारोबार

531.30 लाख रु.

कार्यकारी निदेशक

श्री महेंद्र मोहन शर्मा

पता

नाइलिट अजमेर
गाँव कोहड़ा, कोटा रोड
केकड़ी (अजमेर)–305404
राजस्थान

सम्पर्क के ब्यौरे

मोबाइलः 9096106882
ई–मेल : dir-ajmer@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य

राजस्थान, गुजरात

विस्तार केन्द्र

शून्य

अजमेर केन्द्र ने अपने प्रशिक्षण कार्यकलाप सितम्बर, 2012 से केकड़ी में एक अस्थायी स्थान से आरम्भ किया। नाइलिट, अजमेर की स्थापना राजस्थान सरकार द्वारा उप सचिव (राजस्व) के दिनांक 12–07–2010 के पत्र सं. P6(156) राज.3 / 10 तथा दिनांक 13.2.09.10 के संशोधन के जरिए ग्राम कोहड़ा, तहसील केकड़ी, जिला अजमेर में निःशुल्क रूप में आबंटित 42.54 एकड़ भूमि पर की गई है। नाइलिट अजमेर के परिसर का भवन पूरा हो गया है और इसका कार्यालय दिसम्बर, 2015 से नए परिसर से कार्य करना शुरू कर दिया है।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- इलेक्ट्रॉनिकी तथा सूचना प्रौद्योगिकी में अनौपचारिक दीर्घावधि एवं अल्पावधि पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण।
- सीसीसी / बीसीसी / आईआरडीए परीक्षा का समन्वय।
- डीजीईएण्डटी योजना के अन्तर्गत अनुसूचित जाति / जनजाति के रोजगार अभ्यर्थियों का प्रशिक्षण।
- ईएसडीएम, एनडीएलएम योजनाओं के अन्तर्गत प्रशिक्षण।

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम

अल्पावधि पाठ्यक्रम

- मूलभूत कम्प्यूटर पाठ्यक्रम (बीसीसी)
- कम्प्यूटर अवधारणाओं पर सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम प्रमाणपत्र (सीसीसी)
- पीएचपी / जावा में औद्योगिक प्रशिक्षण
- आईटीईएस / बीपीओ
- वेब डिजाइन
- C/C++
- एंड्रॉयड
- पीसी असेंबली और रखरखाव
- पीसी हार्डवेयर और नेटवर्किंग

दीर्घावधि पाठ्यक्रम

- ओ लेवल सॉफ्टवेयर
- सीएचएम ओ लेवल हार्डवेयर
- ए स्तर सॉफ्टवेयर
- मैट 'ओ' स्तर

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

कार्य के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान करने के प्रयोजन से ईएसडीएम (इलेक्ट्रॉनिकी प्रणाली डिजाइन एवं विनिर्माण) के लिए 22 प्रशिक्षण भागीदारों को प्रत्यायित किया गया।

एनडीएलएम योजना के अन्तर्गत 33 प्रत्यायित केन्द्रों के केन्द्रोंमाध्यम से डिजिटल साक्षरता प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा 2000 से ज्यादा विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया।

राजस्थान तथा गुजरात के लिए एनसीएस पोर्टल के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मार्च 2017 तक डिजिटल भुगतान की पहल पर 140 से अधिक छोटे और मध्यम व्यापारियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया गया और भविष्य में, राजस्थान तथा गुजरात राज्य में 2200 से अधिक जनसाधारण को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

सीसीसी/बीसीसी/वीएलई/डब्ल्यूडीएलपी/आईआरडीए के 28507 विद्यार्थियों के लिए परीक्षाओं में समन्वय किया गया।

डीजीईएण्डटी द्वारा प्रायोजित परियोजनाओं के अन्तर्गत अनुसूचित जाति/जनजाति के रोजगार अभ्यर्थियों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया तथा नाइलिट 'ओ' स्तर में 200 विद्यार्थियों तथा नाइलिट सीएचएम 'ओ' स्तर में 100 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया।

औरंगाबाद

कार्यकारी समिति की बैठक(कें)

1

कार्मिक

नियमित : 42
परियोजना आधारित : 02

कारोबार

1199.94 लाख रु.

कार्यकारी निदेशक

डॉ. संजीव कुमार गुप्ता

पता

सीईडीटीआई परिसर
डॉ. बीएएम विश्वविद्यालय परिसर
औरंगाबाद – 431004
महाराष्ट्र

सम्पर्क के ब्यौरे

फोन: 0230–2982050
ई–मेल : dir-aurangabad@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य

महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़,
गोवा, दादर एवं नगर हवेली

विस्तार केन्द्र

शून्य

इलेक्ट्रॉनिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा मराठवाड़ा औद्योगिक निगम, महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर डॉ. बीएएम विश्वविद्यालय परिसर में सीईडीटी के नाम से यह केन्द्र 19 सितम्बर, 1986 को निम्नलिखित उद्देश्यों से स्थापित किया गया था।

- **उत्पाद डिजाइन, विकास, विनिर्माण और रखरखाव के लिए मानवशक्ति को प्रशिक्षित करना।**
- **उद्योगों, अनुसंधान एवं विकास केंद्रों और शैक्षिक संस्थानों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखना।**
- **उत्पाद विकास, अनुबंध अनुसंधान और परामर्श की शुरुआत करना।**

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- साइबर भौतिक प्रणाली
- एम्बेडेड प्रणाली व् आईओटी

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम :

अल्पावधि पाठ्यक्रम

- सीसीएनए पाठ्यक्रम
- आईटी 'ओ' स्तर
- एफपीजीए प्रोटो टाइपिंग
- आईटी डीबीएमएस
- लिनक्स शेल स्क्रिप्ट
- परीक्षा सॉफ्टवेयर
- स्वच्छ भारत मिशन पोर्टल प्रशिक्षण
- एनसीएस पोर्टल प्रशिक्षण

दीर्घावधि पाठ्यक्रम

- डीइपीएम्
- आईटी डीबीएमएस
- बी.टेक – इलेक्ट्रॉनिकी प्रणाली इंजीनियरी
- एम.टेक (ईडीटी) एफटी
- एम.टेक (ईडीटी) पीटी
- पीएचडी

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

81213 शिक्षार्थी विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों में सम्मिलित हुए, जिसमें से 91 पीएचडी, 57 एम.टेक विद्यार्थी (पूर्णकालिक+अंशकालिक), 228 बीटेक विद्यार्थी, 2503 डिप्लोमा विद्यार्थी (औपचारिक और अनौपचारिक) और 78334 प्रमाणपत्र कार्यक्रम के लिए सम्मिलित हैं।

विज्ञान दिवस और टेक उत्सव मनाया गया और इन कार्यक्रमों में औरंगाबाद के स्कूलों/कॉलेजों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त, प्रथम बार योग दिवस को मनाया गया।

डीजीईएंडटी, एमओएलई, भारत सरकार ने 1000 एससी/एसटी अभ्यर्थियों के लिए सीएचएम 'ओ' लेवल पाठ्यक्रम तथा 200 एससी/एसटी अभ्यर्थियों के लिए सॉफ्टवेयर 'ओ' स्तर पाठ्यक्रम के संचालन हेतु नाइलिट् को 6वें बार आदेश दिया था।

राष्ट्रीय स्तर पर 82 मान्यता प्राप्त हार्डवेयर संस्थान और 30 से अधिक क्षेत्रीय केंद्रों के माध्यम से, सीएचएम 'ओ' और सीएचएम 'ए' के लिए 2429 अभ्यर्थियों को पंजीकृत किया गया और हाल ही में परीक्षा में सीएचएम 'ए' स्तर का पाठ्यक्रम 3733 अभ्यर्थियों के लिए सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

कुल 5816 विद्यार्थी पंजीकृत किए गए हैं और 1337 को 'डिजिटल इंडिया के लिए ईएसडीएम् में कौशल विकास योजना' के अंतर्गत प्रमाणित किया गया है।

राष्ट्रीय स्तर की डब्ल्यूडीएलपी/आईआरडीए, वीएलई और बीसीसी परीक्षाएं पश्चिमी क्षेत्र में 71483 अभ्यर्थियों के लिए सफलतापूर्वक आयोजित की गईं।

सरकारी अधिकारियों के लिए ई–वेस्ट प्रबंधन पर 3 दिवसीय पाठ्यक्रम का संचालन किया गया है, कुल 54 अभ्यर्थियों को गोवा राज्य में प्रशिक्षित किया गया है।

आईओटी और एंबेडेड सिस्टम के लिए कालीकट में संसथान के शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया।

केंद्र सर्वर की सुविधा को सिस्को यूसीएस 5108 सर्वर सहित दो ब्लेड सर्वर के साथ 10 जीबीपीएस में 40 टीबी स्टोरेज तथा सर्वर और स्टोरेज के बीच अंतर संपर्क के साथ अपग्रेड कर दिया गया है।

मॉडल कैरियर केंद्र (एमसीसी) की स्थापना और इसी माध्यम से, औरंगाबाद के विभिन्न स्थानों पर 4 रोजगार मेलों का आयोजन किया गया। कुल 6500 अभ्यर्थियों ने भाग लिया और 1400 अभ्यर्थियों का रोजगार हेतु चयन किया गया।

मार्च, 2016 से अप्रैल, 2017 तक, कुल 2285 पेंशनभोगियों को जीवन प्रमाणपत्र जारी किए गए।

छात्रों के लिए 32 कमरों के साथ एक बहु मंजिला छात्रावास का निर्माण कार्य पूर्ण।

कालीकट

कार्यकारी समिति की बैठक

23वीं बैठक, 08 अगस्त, 2016

कार्मिक

नियमित : 37
परियोजना आधारित : 18

कारोबार

918.40 लाख रु.

कार्यकारी निदेशक

डॉ. एम.पी. पिल्लै

पता

नाइलिट कालीकट
एनआईटी परिसर डाकघर
कालीकट–673601
केरल

सम्पर्क के ब्यौरे

फोनः 0495–2287123 फैक्स : 0495 2287168
मोबाइलः 9446026809
ई–मेल : dir-calicut@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य

केरल, कर्णाटक तथा लक्षद्वीप

विस्तार केन्द्र

शून्य

केंद्र की स्थापना 1989 में हुई थी। तब से केंद्र उद्योग उन्मुखी गुणात्मक शिक्षा के संचालन और विभिन्न औपचारिक रूप से अत्याधुनिक क्षेत्रों में प्रशिक्षण, सूचना, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) के क्षेत्र में क्षमता निर्माण से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन से जुड़ा हुआ है। केंद्र आवेदन उन्मुखी आर एंड डी के साथ–साथ उत्पाद विकास और औद्योगिक परामर्श सेवाओं से भी जुड़ा हुआ है। 25 एकड़ में समृद्ध हरे परिसर में इन्फ्रास्ट्रक्चर को विकसित किया गया है जिसमें लाइन पर कई परिष्कृत प्रयोगशालाएं, स्मार्ट क्लास रूम, आईईईई पहुंच, एनकेएन कनेक्टिविटी, 24x7 वाईफाई सुविधा, छात्र हॉस्टल, कैंटीन और स्टाफ क्वार्टर सम्मिलित हैं। केंद्र **आईएसओ 9001:2008 प्रमाणित** है औपचारिक पाठ्यक्रम एआईसीटीई द्वारा मान्यता प्राप्त हैं और एपीजेक तकनीकी विश्वविद्यालय केरल से संबद्ध हैं। कालीकट विश्वविद्यालय के अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक्स में पीएचडी के लिए अनुसंधान केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त है।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- अन्तर्निर्मित प्रणालियाँ, वीएलएसआई डिजाइन
- प्रक्रिया नियंत्रण एवं औद्योगिक स्वचालन
- आईओटी विकास एवं स्मार्ट अनुप्रयोग
- क्लाउड कम्प्यूटिंग एवं सूचना सुरक्षा
- बृहद डेटा विश्लेषण

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम

अल्पावधि पाठ्यक्रम

इन क्षेत्रों में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमाः

- एंबेडेड सिस्टम डिज़ाइन
- वीएलएसआई और एंबेडेड हार्डवेयर
- इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिज़ाइन और विनिर्माण (ईएसडीएम)
- थिंग्स ऑफ इंटरनेट (आईओटी)
- औद्योगिक स्वचालन प्रणाली डिजाइन
- सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी
- सूचना सुरक्षा और क्लाउड कंप्यूटिंग

इन क्षेत्रों में उन्नत डिप्लोमाः

- पीएलसी / स्काडा / डीसीएस इंजीनियर
- एंड्रॉइड अनुप्रयोग विकास
- सूचना सुरक्षा और लेखापरीक्षा

दीर्घावधि पाठ्यक्रम

- इलेक्ट्रॉनिकी में पीएचडी

मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी (एम.टेक)

- एम्बेडेड प्रणाली
- इलेक्ट्रॉनिकी डिजाइन प्रौद्योगिकी

नाइलिट् सीएचएम' ओ' स्तर और नाइलिट् 'ओ' स्तर

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

विभिन्न औपचारिक, अनौपचारिक तथा प्रमाणन योजना के माध्यम से कुल मिलाकर 7020 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया व् परीक्षा ली गई।

विशेष एम.टेक. और एम.सी.ए. कार्यक्रमों के माध्यम से 81 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण दिया गया।

कुल 519 अभ्यर्थियों को पीजी डिप्लोमा, एडवांस्ड डिप्लोमा, आईसीटीटी के उन्नत क्षेत्रों में सर्टिफिकेट प्रोग्राम के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया।

पूर्व, डीओईएसीएसी योजना के माध्यम से इस क्षेत्र में कुल 603 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण दिया गया था।

आईटी साक्षरता, ग्रामीण कौशल विकास पर विभिन्न वित्तपोषित क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से 1506 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया जिसमें, जिसमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक लाभार्थी शामिल हैं।

बीसीसी, सीसीसी और एनडीएलएम के माध्यम आईटी साक्षरता कार्यक्रम पर 4311 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित/परीक्षण किया गया।

आईइइइ के सहयोग से आईइसीटी के उन्नत क्षेत्रों में 05 कार्यशालों का आयोजन किया गया।

डिजिटल इंडिया की पहल के रूप में राज्य भर में 16 डिजिटल भुगतान जागरूकता सत्रों का आयोजन किया गया, जिसमें 2200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

मेक इन इंडिया पहल और एम्इआईटीवाई द्वारा समर्थित "स्वदेशी आईसी विकास" के अंतर्गत भारत में अपनी तरह की पहली पीएनडीटी अनुपालन के साथ मेडिकल अल्ट्रा साउंड सिस्टम के विकास के लिए दो प्रतिष्ठित आरएंडडी परियोजनाओं को कार्यान्वित करना।

आईईईईई स्कोप 2016 सहित प्रतिष्ठित पत्रिकाओं और सम्मेलनों में 08 शोध पत्र प्रकाशित हुएं।

डिजाइन/स्वचालन पर 04 सूक्ष्म उद्योगों को तकनीकी परामर्श प्रदान किया गया, 30 से अधिक पार्टियों ने विभिन्न सेवाओं का लाभ उठाया जिसमें एएमसी, ऑनलाइन परीक्षा और एलईडी परीक्षण आदि शामिल हैं।

केंद्र ने एसएसआई के लिए 60 से अधिक उत्पाद प्रौद्योगिकियों और स्वचालन के साथ–साथ सरकारी एजेंसियों के लिए इसकी शुरुआत की है।

एम्इआईटीवाई द्वारा समर्थित सूचना सुरक्षा शिक्षा और जागरूकता (आईएसईए–द्वितीय के तहत संस्थानों ने भाग भाग लिया।

भारत में डीजीई, भारत सरकार के समर्थन से वर्ष 2015 के दौरान, पहले "मॉडल कैरियर केंद्र" के परिसर की स्थापना की गई थी कुल 3789 अभ्यर्थियों में से 18964 नौकरी पाने वालों को प्लेसमेंट के लिए सूचीबद्ध किया गया था।

चण्डीगढ़

कार्यकारी समिति की बैठक

ईसी बैठक, 29 मार्च, 2017

कार्मिक

नियमित : 126

परियोजना आधारित : 537

कारोबार

8008.57 लाख रु.

कार्यकारी निदेशक

डॉ. महेंद्र मोहन शर्मा

पता

नाइलिट चण्डीगढ़

सी–134, फेज़–VIII

औद्योगिक क्षेत्र, सेक्टर–72

एसएएस नगर, मोहाली–160071

पंजाब

सम्पर्क के ब्यौरे

फोन: 0172–2236453

क्षेत्राधिकार राज्य

पंजाब, हरियाणा (गुड़वाँव को छोड़कर)

हिमाचल प्रदेश

विस्तार केन्द्र

- यूएचबीवीएन, रोहतक
- यूएचबीवीएन, कुरुक्षेत्र
- यूएचबीवीएन, झज्जर
- यूएचबीवीएन, यमुनानगर

नाइलिट, चण्डीगढ़ की स्थापना वर्ष 1978 में सूचना, इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) के क्षेत्रों में प्रोफेशनल सेवाएँ प्रदान करने के लिए की गई थी। यह इस क्षेत्र में एक अग्रणी संस्थान है। यह केन्द्र आईएसओ 9001:2008 प्रमाणित है। केंद्र का उद्देश्य अत्यधिक उपयोगकर्ता की संतुष्टि के लिए सभी सूचना, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार तकनीकी (आईईसीटी) के पहलुओं पर ज्ञान का प्रसार करना है तथा इसके लिए मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड भी बनाया गया है। यह केंद्र समय–समय पर मूल्यांकन की आवश्यकताओं के आधार पर ग्राहकों के विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट सेवाएं प्रदान करता है। नाइलिट् शिमला की स्थापना 1995 में हुई थी। केंद्र का मुख्य उद्देश्य हिमाचल प्रदेश राज्य में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में पेशेवर सेवाएं प्रदान करना है।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- आईईसीटी में क्षमता निर्माण
- विद्यालयों में कम्प्यूटर शिक्षण
- सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आद्योपान्त परियोजनाएँ
- सॉफ्टवेयर विकास
- हार्डवेयर तथा सॉफ्टवेयर के चयन में परामर्श–सेवा
- कम्प्यूटर साधित डिजाइनिंग (कैड)

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम

अल्पावधि पाठ्यक्रम

• एंबेडेड सिस्टम डिज़ाइन में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम Arduino • इन्टरनेट ऑफ़ थिंग्स (आईओटी) • कोर जावा, जे2इइ • एएसपी.नेट सी # के साथ • MySQL के साथ पीएचपी • सी/सी ++ • वेब डिज़ाइनिंग • क्रिएटिव ग्राफिक डिजाइन • ऑटोकैड • पईथान के साथ रेस्बेरी पी • MATLAB सिस्टम एडमिनिस्ट्रेशन में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम • क्लाउड कंप्यूटिंग और वर्चुवललाइजेशन में क्लौड कम्प्यूटिंग • एस क्यूएल सर्वर/ओरेकल • हडोप यूजिंग बिग डेटा के साथ विश्लेषण • एंड्रॉइड यूजिंग मोबाइल एप्लिकेशन विकास में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • सीसीएनए वी 6.0 रूटिंग और स्विचिंग (मॉड्यूल 1 और 2) • सीसीएनए वी 6.0 रूटिंग और स्विचिंग (मॉड्यूल 3 और 4) • प्रमाणित इथिकल हैकर (सीईएच) वी 9.0

दीर्घावधि पाठ्यक्रम

• नाइलिट ओ/ए/बी स्तर • पीजीडीसीए • डीसीए • सूचना सुरक्षा और सिस्टम प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा • सॉफ्टवेयर तकनीकी में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा • कंप्यूटर हार्डवेयर व नेटवर्किंग में डिप्लोमा • सूचना प्रणाली सुरक्षा में उन्नत डिप्लोमा • एमसीआरपी विश्वविद्यालय भोपाल का पीजीडीसीए

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

केन्द्र ने विभिन्न दीर्घावधि प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के अन्तर्गत 213 तथा अल्पावधि एवं औद्योगिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में 739 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया है।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के रोजगार लेने वाले अभ्यर्थियों की डीजीईऔरटी प्रायोजित योजना तथा एम्ईआईटीवाई प्रायोजित ईएसडीएम् योजना के अंतर्गत कुल 3108 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित/मूल्यांकन किया गया।

पंजाब में, सीएससी–वीएलई की योजना के अंतर्गत 404 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया। पंजाब और चंडीगढ़ से डीजीई और टी के राष्ट्रीय कैरियर सेवा पोर्टल पर 40 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया।

वायु सेना के पूर्व सैनिक, पुनर्वास निदेशालय– रक्षा और नौसेना के 44 अभ्यार्हित्यों को सीएचएम–ओ स्तर में प्रशिक्षित किया गया।

एआईजी / आईटी पंजाब पुलिस विभाग के 15 आईटी पेशेवरों के लिए 'आईटी प्रोजेक्ट्स और नेटवर्किंग प्रबंध' पर दो पूर्ण दिवसीय पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।

विभिन्न विभागों के 78 अभ्यर्थियों को अन्य कॉर्पोरेट प्रशिक्षण प्रदान किए गए।

नाइलिट् प्रशिक्षण डिवीजन और विद्यार्थियों ने 30 नवंबर, 2016 को विभिन्न पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों के लिए अपने परिसर में नाइलिट् आईटी उत्सव– 2016– झंकार का आयोजन किया।

पॉलिटेक्निक के 50 महिला अभ्यर्थियों के लिए दो सप्ताह की कौशल विकास कार्यशाला का आयोजन किया गया था। नाइलिट् पैन इंडिया के तकनीकी कर्मचारियों के लिए आईओटी और बिग डेटा पर व्याख्यान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दिया गया।

आईटीआई के विद्यार्थियों के लिए डिजिटल पेमेंट्स और कैशलेस टेक्नोलॉजी पर विभिन्न बैचों के औद्योगिक प्रशिक्षण के व्याख्यान/ प्रस्तुति दिसंबर और जनवरी, 2017 में दिए गए थे।

एनईजीडी डिजिटल इंडिया कार्यशालाएं पंजाब और हरियाणा के विभिन्न शहरों में आयोजित की गईं।

केंद्र घरेलू, वाणिज्यिक, कृषि, औद्योगिक, पंजाब और हरियाणा चंडीगढ़ के सार्वजनिक प्रकाश उपभोक्ताओं से संबंधित 6 लाख से भी अधिक उपभोक्ताओं के बिजली बिलों को बनाने में संलग्न है।

केंद्र ने पंजाब पुलिस के आईटी और टी विंग में इंटेलिजेंस विंग में कॉन्स्टेबल, उप निरीक्षक, खुफिया सहायक और खुफिया अधिकारी के पद के लिए 75,000 अभ्यर्थियों के लिए भर्ती परीक्षा का संचालन किया।

केंद्र ने नाइलिट् की परीक्षाओं, पाठ्यक्रमों, प्रत्यायन और अन्य विभिन्न योजनाओं आदि से संबंधित प्रश्नों का उत्तर दिए जाने की सफलतापूर्वक शुरूआत की। राष्ट्रीय स्तर के कॉल सेंटर को दिसंबर–2016 में अपने स्वयं के परिसर में स्थापित किया था। यह सेवा एक टोल–फ्री टेलीफोन नंबर 1800–11–6511 के माध्यम से अभिगम है।

चेन्नै

कार्यकारी समिति की बैठक

शून्य

कार्मिक

नियमित : 05
परियोजना आधारित : 14

कारोबार

437.97 लाख रु.

निदेशक

श्री जी जॉन

पता

25, आईएसटीई कॉम्प्लेक्स
गांधी मण्डपम रोड
(अन्नासेंटिनरी पुस्तकालय के सामने)
कोट्टूर्पुरम, चेन्नै – 600 025

सम्पर्क के ब्यौरे

फोन: 044–24421446 / 7
मोबाइल: +91 9489540125
ई–मेल : dir-chennai@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य

तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पुडुचेरी तथा अण्डमान एवं निकोबार द्वीपसमूह

विस्तार केन्द्र

शून्य

नाइलिट् चेन्नै ने चेन्नै में "नाइलिट् सेंटर की स्थापना" परियोजना के अंतर्गत 6 जनवरी, 2009 को एमइआईटीवाई, भारत सरकार के प्रशासनिक अनुमोदन से की गई थी। नाइलिट चेन्नै एक उन्नत प्रशिक्षण एवं विकास केन्द्र के रूप में उभरा है जिसमें आईईसीटी प्रौद्योगिकियों अर्थात वीएलएसआई डिजाइन, अन्तर्निर्मित प्रणाली डिजाइन, इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की औद्योगिक डिजाइन, परीक्षण एवं परिमापन, ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिकी, सूचना सुरक्षा तथा सूचना प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों (ई–अधिगम / मल्टीमीडिया एनिमेशन) पर जोर देते हुए अद्यतन तकनीकी जानकारी की सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इससे योग्य विद्यार्थियों को इंजीनियरी एवं विज्ञान संस्थानों से उत्तीर्ण होने, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद डिजाइन मे अपनी कौशल में अभिवृद्धि करने में सहायता मिलेगी ताकि, रोजगार पाने वाले तैयार हो सकें, जब उनके रोजगार के लिए कंपनियों के पास उनके प्रशिक्षण पर निवेश करने की आवश्यकता न हो। इसके अतिरिक्त, कार्मिक तथा शिक्षक वर्ग भी आईईसीटी के उभरते क्षेत्रों में अपने ज्ञान को अद्यतन कर सकेंगे।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद डिजाइन
- अन्तर्निर्मित प्रणाली डिजाइन तथा वीएलएसआई

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम

अल्पावधि पाठ्यक्रम

• प्रोफेशनल नेटवर्किंग में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • ड्रीमइवेर का उपयोग करके वेब डिज़ाइन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • इलेक्ट्रॉनिक्स पैकेजिंग में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • एंबेडेड सिस्टम सॉफ़्टवेयर व् डिज़ाइन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • एम् एसपी 430 का उपयोग करके एंबेडेड सिस्टम डिजाइन जेड वाईएनक्यू 7000 का उपयोग करके एंबेडेड सिस्टम डिज़ाइन • पीसीबी डिजाइन टेक्नोलॉजी • Arduino का उपयोग करके एंबेडेड सिस्टम डिज़ाइन • सिग्नल विश्लेषक व् मॉड्यूलर • डिजीटाईजर तकनीकी व् अनुप्रयोग • सी भाषा के माध्यम से प्रोग्रामिंग • डीएसओ के मापन और कार्य • एनसीएस पोर्टल प्रशिक्षण • आईटी प्रवीणता प्रशिक्षण • बिजली आपूर्ति मरम्मत और रखरखाव • इन्वर्टर और यूपीएस • फोटोकॉपियर और प्रिंटर की मरम्मत • इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद परिक्षण में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • बिजली आपूर्ति में मरम्मत और रखरखाव • इन्वर्टर और यूपीएस की स्थापना और पीसी का रखरखाव • दूरसंचार तकनीशियन– पीसी हार्डवेयर और नेटवर्किंग • एंबेडेड सिस्टम डिज़ाइन का उपयोग कर– बिट माइक्रोकंट्रोलर • इंस्टॉलेशन • गृह उपकरण की मरम्मत और रखरखाव • कम्प्यूटर सहायता प्राप्त उत्पाद डिजाइन • मोबाइल फोन हार्डवेयर मरम्मत तकनीशियन • आपातकालीन प्रकाश और सौर लालटेन का परीक्षण • सौर एलईडी प्रकाश उत्पाद (डिजाइन और विनिर्माण) • फील्ड तकनीशियन – कंप्यूटिंग और पेरिफेरियल • डीटीएच सेट टॉप बॉक्स इंस्टॉलर और सेवा तकनीशियन • हैंडसेट मरम्मत इंजीनियर

दीर्घावधि पाठ्यक्रम

• एम.टेक (ईडीटी) • डीओइएसीसी 'ओ' स्तर, • सीएचएम–'ओ' स्तर • इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद डिजाइन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

एम्इआईटीवाई, भारत सरकार द्वारा प्रदत्त **"चेन्नै में नाइलिट केन्द्र की स्थापना"** शीर्षक से परियोजना के अन्तर्गत केन्द्र ने 20,105 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया है।

एम्इआईटीवाई, भारत सरकार द्वारा प्रदत्त 3362 अभ्यर्थियों को **"इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद डिजाइन और उत्पादन प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में क्षमता निर्माण"** शीर्षक के अंतर्गत प्रशिक्षित किया गया है।

एम्इआईटीवाई, भारत सरकार के **"डिजिटल इंडिया के लिए एसएसडीएम में कौशल विकास"** की योजना के अंतर्गत 50 से अधिक प्रत्यायित प्राप्त प्रशिक्षण भागीदारों के माध्यम से 1700 से अधिक अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया।

"सूचना सुरक्षा शिक्षा और जागरूकता (आईएसईए)" शीर्षक परियोजना के अंतर्गत एम्इआईटीवाई, भारत सरकार द्वारा प्रदत्त 48.23 लाख रूपये की जीआईए की पहली किश्त प्राप्त हुई है तथा इसे प्रशिक्षण सुविधाओं को बढ़ाने के लिए खर्च किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, 268 सार्वजनिक क्षेत्र और सरकारी अधिकारियों और 159 पेशेवरों ने इस परियोजना के अंतर्गत सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण किया।

एम्इआईटीवाई, भारत सरकार द्वारा प्रदत्त **"ई–वेस्ट मैनेजमेंट पर सरकारी अधिकारियों की क्षमता निर्माण"** शीर्षक परियोजना के अंतर्गत 84 सरकारी अधिकारी और पुडुचेरी के 35 पेशेवारों ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण किया।

टीएनएसडीसी तमिलनाडु सरकार द्वारा प्रदत्त **"रोजगार हेतु कौशल प्रशिक्षण"** शीर्षक परियोजना के अंतर्गत 400 युवाओं ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण किया।

एमओपीआर, भारत सरकार द्वारा प्रदत्त **"पंचायती राज कार्यकर्ताओं/निर्वाचित प्रतिनिधि"** के लिए आईटी कौशल विकास के अंतर्गत 3735 पंचायती राज कार्यकर्ता/निर्वाचित प्रतिनिधियों को नाइलिट् चेन्नै के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत सभी राज्यों में प्रशिक्षित किए गए।

नाइलिट् चेन्नै के प्रत्यक्ष लाभार्थियों की कुल संख्या, आम आदमी से प्रौद्योगिकीविद तक प्रारंम्भ से अब तक संख्या 22,79,701 है।

संस्थान में विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों के अंतर्गत 2353 शिक्षार्थी सम्मिलित हैं, जिनमें 04 एम.टेक विद्यार्थी, 594 डिप्लोमा विद्यार्थी और 1759 प्रमाणपत्र कार्यक्रम के लिए हैं और 63.67 लाख रुपये का राजस्व वित्तीय वर्ष 2016–17 में शुल्क के रूप में प्राप्त हुआ है।

दिल्ली

कार्यकारी समिति की बैठक

शून्य

कार्मिक

नियमित : 32
परियोजना आधारित : 23

कारोबार

3246.23 लाख रु.

प्रभारी निदेशक

श्री शमीम खान

पता

नाइलिट दिल्ली केन्द्र
दूसरी मंजिल, पार्श्वनाथ मेट्रो मॉल
इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन
इंद्रलोक, दिल्ली–110052
नई दिल्ली

सम्पर्क के ब्यौरे

फोन: 011–23644850
ई–मेल : dir-delhi@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य

दिल्ली एनसीआर

अध्ययन केन्द्र

शून्य

एक स्वतंत्र केन्द्र के रूप में नाइलिट दिल्ली केन्द्र की स्थापना 1 नवम्बर, 2012 को की गई। इससे पहले यह केन्द्र वर्ष 2000 से नाइलिट चण्डीगढ़ के एक शाखा कार्यालय के रूप में कार्य कर रहा था। इस समय यह केन्द्र अपने कार्यकलाप पार्श्वनाथ मेट्रो मॉल, इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन, इंद्रलोक, दिल्ली में 11,000 वर्गफुट क्षेत्र से संचालित है। केंद्र इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी के उभरते क्षेत्रों जैसे एंड्रॉइड अनुप्रयोग विकास, एंबेडेड सिस्टम डिज़ाइन, जे 2 ईई, एलएएमपी, एनएटी जैसे क्षेत्रों में क्षमता निर्माण टेक्नोलॉजीज, कंप्यूटर नेटवर्किंग, लिनक्स एडमिनिस्ट्रेशन, और मल्टीमीडिया एंड एनीमेशन में कौशल उन्नयन और क्षमता निर्माण के उद्देश्य से प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है। इन पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त, केंद्र नाइलिट् के दीर्घकालिक कार्यक्रमों की पेशकश कर रहा है जैसेकि आईटी में 'ओ' और 'ए' स्तर के कार्यक्रम, कंप्यूटर हार्डवेयर और मल्टीमीडिया। केंद्र भारत सरकार के डिजिटल इण्डिया, डिजिटल भुगतान, राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम, महिलाओं और एससी/एसटी रोजगार पाने वालों के लिए आईटी, जीवन प्रमाण, ईएसडीएम और ई–गवर्नेंस जैसे विभिन्न पहलों के कार्यान्वयन में भी सम्मिलित है।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- इलेक्ट्रॉनिकी तथा सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में जनशक्ति को कुशलता प्रदान करना
- सॉफ्टवेयर विकास तथा तकनीकी समर्थन सेवाएँ
- ऑनलाइन तथा ऑफलाइन दोनों ही मोडों में भर्ती परीक्षाओं का आयोजन

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम

अल्पावधि पाठ्यक्रम

• सी++ के माध्यम से ऑब्जेक्ट उन्मुखी प्रोग्रामिंग • पाइथन के माध्यम से प्रोग्रामिंग • प्रमाणन के लिए सीसीएनए रूटिंग और स्विचन सीसीएनए प्रमाणीकरण • वेब अनुप्रयोग टेक्नोलॉजीज (लीनक्स, अपाचे माइस्कील पीएचपी) एएसपी.नेट के साथ सी # • एंड्रॉइड का उपयोग करके मोबाइल एप्लीकेशन का विकास • टैली का उपयोग करके फाइनेंशियल अकाउंटिंग • 8051 और एआरएम का उपयोग करके एंबेडेड सिस्टम • परियोजना के साथ AVR Ardiuno • थिंग्स ऑफ़ इंटरनेट (आईओटी) • फ्लैश में शुरुआती पाठ्यक्रम • फ़ोटोशॉप • 3डी स्टूडियो मेक्स

दीर्घावधि पाठ्यक्रम

• नाइलिट् 'ओ' • 'ए' स्तर • 'सीएचएम–ओ' स्तर • नाइलिट मैट 'ओ' स्तर

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

नाइलिट् केंद्र, दिल्ली ने एम्इआईटीवाई एवं देश भर में, 15 स्थानों (19 केंद्र) पर एसटीक्यूसी के लिए दिनांक 04 दिसंबर, 2016 को वैज्ञानिक 'बी' पद पर भर्ती परीक्षा का संचालन किया है। इस भर्ती परीक्षा में लगभग 11000 अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन कर चुके हैं।

सूक्षम और मध्यम व्यापार/व्यापारियों और नागरिकों के लिए डिजिटल भुगतान पर क्षेत्रीय कार्यशाला, राज्य कार्यशालाएं और कैम्प आयोजन किया तथा डिजिटल भुगतान पर लगभग 4000 व्यापारियों और नागरिकों को प्रशिक्षित किया। यह प्रशिक्षण डिजिटल भुगतान के विभिन्न प्रकारों जैसेः यूएसएसडी, यूपीआई, बीएचआईएम और एईपीएस पर आधारित था। हैंड्स ऑन प्रशिक्षण का आयोजन भी किया गया था।

सीआरपीएफ कर्मचारियों, एनएसजी कर्मियों गैल के कर्मचारियों के लिए डिजिटल भुगतान पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए तथा नाइलिट् केंद्र, दिल्ली के केंद्र के साथ ही फिल्ड में भी ऑटो चालक, दुकानदारों, व् दैनिक मजदूरी करने वाले के साथ–साथ व्यापारियों को भी प्रशिक्षित किया।

चार बैचों में, श्रम और रोजगार मंत्रालय के एनसीएस पोर्टल पर रोजगार विनिमय के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण का आयोजन किया।

राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के अधिकारियों के लिए दिनक 05 दिसंबर, 2016 से 09 दिसंबर, 2016 तक स्वचालन कौशल पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

नेटवर्क और सर्वर प्रशासन पर दो सप्ताह का प्रशिक्षण दिनांक 07 नवंबर, 2016 से 18 नवंबर, 2016 तक नेशनल एकेडमी ऑफ ब्रॉडकास्टिंग और मल्टीमीडिया (एनएबीएम) के अधिकारियों के लिए आयोजित किया गया।

सी # के साथ एएसपी.नेट पर सीआरपीएफ के अधिकारियों के लिए दिनांक 14 अक्टूबर, 2016 से गहन छह सप्ताह तक पूर्ण दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

पीडीएनएनएसएस, ईपीएफओ के नए भर्ती हुए अधिकारियों के लिए प्रथम बैच 'प्रत्यक्ष भर्ती सहायक भविष्य निधि आयुक्त 2016' के लिए सफलतापूर्वक कंप्यूटर प्रवीणता परीक्षा आयोजित की गई।

गंगटोक

कार्यकारी समिति की बैठक

शून्य

कार्मिक

नियमित : 02
परियोजना आधारित : 7

कारोबार

225.93 लाख रु.

प्रभारी निदेशक

श्री अरूप चट्टोपाध्याय

पता

नाइलिट गंगटोक
इंदिरा बाई पास रोड
केबीटी पेट्रोल पम्प के पास
सिचे, गंगटोक – 737101
सिक्किम

सम्पर्क के ब्यौरे

फोनः 03592 – 205609 / 205610
ई–मेलः dir-gangtok@nielit.gov.in
वेबसाईटः www.nielit.gov.in/gangtok

क्षेत्राधिकार राज्य

सिक्किम

विस्तार केन्द्र

शून्य

नाइलिट् केंद्र, गंगटोक की स्थापना का उद्धेश्य मुख्यतः सूचना इलेक्ट्रॉनिकी और संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) के क्षेत्रों में जनशक्ति का सृजन करना है। केंद्र का उद्घाटन अक्टूबर, 2010 में, तत्कालीन माननीय आईटी मंत्री श्री एन.के. प्रधान जी की उपस्थिति में हुआ था तथा इसमें रोजगार के अवसरों में सुधार के लिए प्रशिक्षण और शैक्षणिक सेवाएं दी जा रहीं हैं और कम लागत आधारित गुणवत्तापूर्ण जनशक्ति की उपलब्धता की सुविधा प्रदान करते हैं। केंद्र की शुरुआत से ही, विभिन्न आईईसीटी संबंधित पाठ्यक्रमों में राज्य के सरकारी कर्मचारियों के साथ–साथ राज्य के छात्रों और युवाओं के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। केंद्र सतत शैक्षिक कार्यक्रमों का विकास, वर्तमान तकनीकी विकास पर लघु गहन पाठ्यक्रमों, सेमिनार और कार्यशालों का आयोजन कर रहा है, जिसने समुदाय को लाभ पहुंचाया है।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- आईटी साक्षरता
- एन्ड्रॉएड विकास
- साइबर सुरक्षा जागरूकता

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम :

अल्पावधि पाठ्यक्रम

- कंप्यूटर अवधारणाओं में जागरूकता (एसीसी)
- बेसिक कंप्यूटर पाठ्यक्रम (बीसीसी)
- कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (सीसीसी)
- कोर्स कंप्यूटर कॉन्सर्ट प्लस (सीसीसी प्लस)
- विशेषज्ञ कंप्यूटर पाठ्यक्रम (ईसीसी)
- ऑफिस ऑटोमेशन (सीसीओए) में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- एडवांस्ड डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन अकाउंटिंग और प्रकाशन
- पीसी असेंबली और रखरखाव में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- पीसी हार्डवेयर और नेटवर्किंग में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- वेब डिजाइनिंग में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- प्रमाणित एंड्रॉइड ऐप डेवलपर
- सी भाषा के माध्यम से प्रोग्रामिंग में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- सी++ में प्रोग्रामिंग में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- कोर जावा में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

दीर्घावधि पाठ्यक्रम

- सीएचएम 'ओ' स्तर
- ओ / ए स्तर– आईटी
- मैट–ओ स्तर

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

एनइजीडी प्रायोजित परियोजना शीर्षक "पूर्व उत्तर क्षेत्र में डिजिटल इण्डिया की तैयारी" के अंतर्गत सिक्किम के 101 सरकारी कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया था।

केंद्र में नए पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए प्रयास किए थे और इसी क्रम में "कोर जावा में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम" में स्नातक विद्यार्थियों के लिए एक प्रशिक्षण बैच का निर्धारण किया गया था।

नाइलिट् केंद्र, गंगटोक ने एम्इआईटीवाई प्रायोजित परियोजना "उत्तर–पूर्वी राज्य सिक्किम में उपयुक्त प्रशिक्षण और अभियान तंत्र के माध्यम से स्कूलों, कॉलेजों और सरकारी कर्मचारियों के बीच सामूहिक साइबर सुरक्षा जागरूकता का सृजन" का सफलतापूर्वक कार्यान्वयन किया।

केंद्र द्वारा साइबर सुरक्षा जागरूकता के बारे में जानकारी प्रसारित करने के लिए नेपाली, मणिपुरी और अंग्रेजी भाषा समर्थित एंड्रॉइड एप्लीकेशन का भी विकास किया था।

भारत को कैशलैस समाज में बदलने की दिशा में, केंद्र द्वारा डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए कार्यशालाएं आयोजित की गईं और जनसाधारण तक इसकी पहुँच को सुनिश्चित करने के लिए डिजीधन मेले में सक्रिय रूप से भाग लिया।

आईईसीटी क्षेत्र में प्रशिक्षण/क्षमता बढ़ाने के द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्र का विकास" कैबिनेट परियोजना के अंतर्गत केंद्र को सिक्किम सरकार द्वारा पचेखाली ब्लॉक में 8.54 एकड़ जमीन आवंटित की गई है।

सुदूर जनसाधारण तक पहुंचने को सुनिश्चित करने के लिए, उच्च शिक्षा निदेशालय, सिक्किम सरकार के अधीन सिक्किम राजकीय महाविद्यालय, रेह्नोक के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

गोरखपुर

कार्यकारी समिति की बैठक

- 19वीं बैठक, 10 अप्रैल, 2016
- 20वीं बैठक, 29 मार्च, 2017

कार्मिक

नियमित : 54
परियोजना आधारित : 46

कारोबार

5703.35 लाख रु.

कार्यकारी निदेशक

डॉ.ए.के.डी. द्विवेदी

पता

नाइलिट गोरखपुर
एम.एम.एम. तकनीकी विश्वविद्यालय
देवरिया रोड
गोरखपुर – 273010
उत्तर प्रदेश

सम्पर्क के ब्यौरे

फोन : 0551–2273371
ई–मेल : dir-gorakhpur@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य

उत्तर प्रदेश

विस्तार केन्द्र

लखनऊ

नाइलिट् केंद्र, गोरखपुर (पूर्व मेंडीओईएसीसी, गोरखपुर) को जून 1989 में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त वैज्ञानिक संस्था के रूप में स्थापित किया गया था। यह डिप्लोमा/ग्रेजुएट/मास्टर स्तर के छात्रों की प्रशिक्षण और शिक्षा की आवश्यकता को पूर्ण करता है तथा और यू.पी. के लघु उद्योगों और संबद्ध क्षेत्रों के लिए कॉर्पोरेट प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन करता है। यह विभिन्न सेवाओं के माध्यम से संभावित उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाता है। यह केंद्र "इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन और प्रौद्योगिकी" में एम.टेक के संचालन के लिए अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय और एम.टेक "वीएलएसआई डिडिजाइन" से संबद्ध है। यह नाइलिट् 'ओ' और 'ए' स्तर (साफ्टवेयर) पाठ्यक्रम, सीएचएम 'ओ' और 'ए' स्तर (हार्डवेयर) पाठ्यक्रम और मैट 'ओ' लेवल (मल्टीमीडिया) पाठ्यक्रमों का गैर–औपचारिक क्षेत्र में संचालन भी करता है।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद डिजाइन
- अन्तर्निर्मित प्रणाली डिजाइन
- सूचना सुरक्षा
- हार्डवेयर और नेटवर्किंग
- एकीकृत इलेक्ट्रॉनिकी, कम्प्यूटर तथा संचार सेवाएँ

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम :

अल्पावधि पाठ्यक्रम

- कंप्यूटर अवधारणाओं पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (सीसीसी)
- ओरेकल में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (एसक्यूएल/पीएलएसक्यूएल)
- वित्तीय लेखा में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- प्रोग्रामिंग सी और सी++ में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- कॉर्पोरेट प्रशिक्षण
- जावा और एडवांस जावा में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- एंबेडेड आईओटी सिस्टम डिजाइन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- डेटा संचार (रूटिंग और स्विचिंग) सुरक्षा प्रौद्योगिकी
- मल्टीमीडिया और वेब प्रौद्योगिकी में एडवांस पाठ्यक्रम (एसीएमडब्ल्यूटी)
- वीएचडीएल प्रोग्रामिंग
- एंबेडेड सिस्टम डिज़ाइन
- ट्रांसफार्मर के डिजाइन और विनिर्माण
- एलईडी आधारित उत्पाद डिजाइन में प्रमाणपत्र
- पाठ्यक्रम सौर ऊर्जा स्थापना का संचालन और रखरखाव
- एमएस ऑफिस और टैली में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- रोबोटिक्स में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

अल्पावधि पाठ्यक्रम

- एम.टेक (इलेक्ट्रॉनिक्स डिज़ाइन एंड टेक्नोलॉजी)
- एम.टेक (वीएलएसआई डिडिज़ाइन)
- नाइलिट् 'ओ' स्तर और 'ए' लेवल सॉफ्टवेयर
- नाइलिट् 'ओ' स्तर और 'ए' स्तर हार्डवेयर
- मैट 'ओ' स्तर
- बैचलर ऑफ कम्प्यूटर ऍप्लिकेशन (बीसीए)
- सॉफ्टवेयर विकास में एडवांस डिप्लोमा (एडीएसडी)
- हार्डवेयर नेटवर्किंग में एडवांस डिप्लोमा (एडीएचएनएस)
- इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद डिज़ाइन में पोस्ट डिप्लोमा

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

1560 विद्यार्थियों को दीर्घावधि पाठ्यक्रमों तथा 3396 विद्यार्थियों को अल्पावधि पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया गया।

सीसीसी तथा बीसीसी पाठ्यक्रमों के लिए कुल 684900 विद्यार्थियों की परीक्षाओं का आयोजन किया गया।

वर्तमान वित्तीय वर्ष में 1924.91 लाख रु. का अतिशेष तैयार किया।

गोरखपुर तथा इसके लखनऊ विस्तार केन्द्र में आईईसीटी के उभरते क्षेत्रों में कई कार्यक्रम आरम्भ किए गए।

नाइलिट् लखनऊ ने कारीगरों, क्राफ्ट ट्रेडर्स, वीअर्स आदि के लिए ई–कॉमर्स का उपयोग करके डिजिटल मार्केटिंग में सॉफ्ट कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का पहला बैच पूर्ण किया है।

नाइलिट् ने एम्इआईटीवाई तथा नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा आयोजित डिजीधन मेले में यूपीआई, ई–वॉलेट आधार समर्थित भुगतान प्रणाली के बारे में आगंतुकों को जानकारी प्रदान की है।

डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के लिए, नाइलिट् गोरखपुर और लखनऊ द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। नाइलिट् द्वारा आयोजित कार्यशाला में अधिकृत प्रशिक्षण केन्द्रों के कई प्रतिनिधि उपस्थित हुए।

गुवाहाटी

कार्यकारी समिति की बैठक

4थीं बैठक, 27 जुलाई, 2016
5वीं बैठक, 17 मार्च, 2017

कार्मिक

नियमित : 25
परियोजना आधारित : 17

कारोबार

1442.19 लाख रु.

निदेशक

श्री के. बरुआ

पता

नाइलिट् गुवाहाटी
एसीएफ बिल्डिंग, पहली एवं दूसरी मंजिल
पल्टन बाजार, गुवाहाटी – 781008
असम

सम्पर्क के ब्यौरे

फोनः 0361–2131568, 2730269, 2731942
ई–मेल : dir-guwhati@nielit.gov.in
वेबसाईट : www.nielit.gov.in/guwahati

क्षेत्राधिकार राज्य

असम

विस्तार केन्द्र

• तेजपुर
• कोकराझार
• जोरहाट
• सिलचर,
• डिब्रुगढ़,
•सिटी सेंटर–गुवाहाटी

नाइलिट् केंद्र, गुवाहाटी को 1998 में सीडीटीआई, तेजपुर के रूप में स्थापित किया गया था। वर्ष 2002 में, केंद्र का डीओईएसीएसी संस्था के साथ विलय हुआ था और इसकी गुवाहाटी में शुरुआत होने के साथ–साथ डीओईएसीसी केंद्र गुवाहाटी/तेजपुर नाम दिया गया था। वर्ष 2012 में, डीओईएसीएसी का नाम बदलकर नाइलिट् रखा गया था और अब से, डीओईएसीसी गुवाहाटी केंद्र को नाइलिट् केंद्र, गुवाहाटी के रूप में जाना जाता है। नाइलिट् केंद्र, गुवाहाटी को सूचना इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) के क्षेत्र में आधुनिक उद्योग प्रासंगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करना आवश्यक है। योग्य और प्रशिक्षित कर्मचारियों के समूह और अत्याधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ, नाइलिट् केंद्र, गुवाहाटी असम राज्य में प्रभावी ढंग से अधिदेश को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

केंद्रीय कैबिनेट द्वारा अनुमोदित "आईईसीटी क्षेत्र में प्रशिक्षण/ शिक्षा क्षमता को बढ़ाकर उत्तर–पूर्वी क्षेत्र का विकास" नामक एक परियोजना के अंतर्गत उपर्युक्त विस्तार केंद्र को शुरू किया गया है। नाइलिट् केंद्र, गुवाहाटी और इसके विस्तार केंद्र आईईसीटी क्षेत्रों में पाठ्यक्रमों की पेशकश कर रहे हैं।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित सेवाएँ (व्यवसाय प्रक्रिया आआउटसोर्सिंग)
- जैव–सूचना विज्ञान
- डिजिटल साक्षरता
- आईसीटी

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम

अल्पावधि पाठ्यक्रम

• नाइलिट् बीसीसी • नाइलिट् सीसीसी • ऑफिस ऑटोमेशन • आईटीईएस–बीपीओ • सॉफ्ट कौशल और व्यावहारिक अंग्रेजी • वेब डिजाइनिंग • टैली का उपयोग करके वित्तीय लेखा • सी# के साथ एएसपी डॉट एनईटी • सी भाषा के माध्यम से प्रोग्रामिंग • C++ में प्रोग्रामिंग • कोर जावा • ग्राफिक डिजाइनिंग • फ़्लैश का उपयोग कर 2डी एनीमेशन • प्रोजेक्ट (सीसी बायो) के साथ बायोइनफॉरमैटिक्स • लिनक्स • अपाचे • माय एसक्यूएल और पीएचपी • पीसी हार्डवेयर और नेटवर्किंग • नेटवर्क प्रशासन • कंप्यूटर अनुप्रयोग और नेटवर्क प्रशासन में डिप्लोमा • पीसी एसंब्ली और रखरखाव • मोबाइल मरम्मत और रखरखाव • डेस्कटॉप प्रकाशन

दीर्घावधि पाठ्यक्रम

• आईटी 'ओ' स्तर • आईटी 'ए' स्तर • सीएचएम 'ओ' स्तर • सीएचएम 'ए' स्तर • बायो 'ओ' स्तर • जैव 'ए' स्तर • मैट 'ओ' स्तर

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

डिजिटल इंडिया के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए, नाइलिट् केंद्र, गुवाहाटी और इसके विस्तार केंद्र अपने गुवाहाटी मुख्य केंद्र तथा अन्य 06 डिब्रूगढ़, जोरहट, तेजपुर, कोकराझार, सिलचर स्थित प्रसार केन्द्रों के माध्यम से विभिन्न मूल को उच्च तक एनएसक्यूएफ सम्बद्ध आईटी पाठ्यक्रमों को असम राज्य के प्रत्येक क्षेत्र को प्रदान कर रहा है।

प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की व्यवस्था करके कॉलेज शिक्षक और प्रशिक्षकों के बीच जागरूकता का सृजन करते हुए कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर क्षेत्रों के अतिरिक्त बायोइनफॉरमैटिक्स, आईटीईएस के क्षेत्र में क्षमता निर्माण करना।

"डिजिटल भारत के लिए उत्तर पूर्व की तैयारी" के बैनर के अंतर्गत एनइजीडी, एम्इआईटीवाई, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित प्रहिक्षण कार्यक्रम के कार्यान्वयन के द्वारा असम सरकार के कर्मचारियों का क्षमता निर्माण करना। इस परियोजना में, वर्ष 2016–17 में, नाइलिट् केंद्र, गुवाहाटी ने नाइलिट् सीसीसी में 1183 सरकारी कर्मचारियों एवं नाइलिट् सीसीसी+ में पाठ्यक्रमों में 313 को सरकारी कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया है।

एनडीएलएम के अंतर्गत 48,823 प्रशिक्षुओं का सफलतापूर्वक ऑनलाइन मूल्यांकन किया गया।

विकलांगों के लिए राष्ट्रीय कैरियर केंद्र और डीजीईटीटी, सरकार के सहयोग से आयोजित रोजगार मेले में 17 विभिन्न कंपनियों द्वारा कुल 495 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 178 नाइलिट् क्वालीफायर को सूचीबद्ध किया था।

एनसीएस (राष्ट्रीय करियर सेवा) पोर्टल प्रशिक्षणः वर्ष 2016–2017 में, विभिन्न पूर्वोत्तर राज्यों से 75 रोजगार अधिकारी।

डीआईजीएंडटी, भारत सरकार के प्रायोजित प्रशिक्षण के अंतर्गत कुल 117 विद्यार्थियों को नाइलिट् आईटी 'ओ' और 'ए' स्तर और नाइलिट् हार्डवेयर 'ओ' स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया गया।

व्यापारियों के लिए डिजिटल भुगतान जागरूकता शिविर, व्यापारियों के लिए एनएसक्यूफ़ क्षेत्रीय कार्यशाला, डिजिटल भुगतान जागरूकता राज्य स्तरीय कार्यशाला के साथ–साथ विभिन्न कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

असम सचिवालय प्रशासन, दिसपुर, असम से अधिकारियों को कॉर्पोरेट प्रशिक्षण में सम्मिलित किया एवं वर्ष 2016–17 में 121 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया।

इम्फाल

कार्यकारी समिति की बैठक

14वीं बैठक, 11 नवम्बर, 2016

कार्मिक

नियमित : 39
परियोजना आधारित : 62

कारोबार

1137.90 लाख रु.

कार्यकारी निदेशक

श्री टी. परमेश्वर सिंह

पता

नाइलिट इम्फाल
आकम्पट, डाकघर बॉक्स–104
इम्फाल – 795001
मणिपुर

सम्पर्क के ब्यौरे

फोनः 09436142955
ई–मेलः dir-imphal@nielit.gov.in
वेबसाईटः www.nielit.gov.in/IMPHAL

क्षेत्राधिकार राज्य

मणिपुर

विस्तार केन्द्र

• सेनापति
• चुड़ाचाँदपुर

वर्ष 1988 में स्थापित नाइलिट इम्फाल आकम्पट में स्थित है और 24 एकड़ से ज्यादा क्षेत्र में फैला हुआ है। इसमें संस्थान का मुख्य भवन भी शामिल है जिसमें प्रशासनिक खण्ड, व्याख्यान हॉल, शिक्षक–वर्ग कक्ष, कम्प्यूटर प्रयोगशालाएँ, मेकेनिकल कर्मशाला, इलेक्ट्रो–चिकित्सकीय प्रयोगशाला, पीसीबी प्रयोगशाला, सर्विसिंग प्रकोष्ठ तथा अन्य प्रयोगशालाएँ हैं। "पूर्वोत्तर में नाइलिट केन्द्र का ग्रेड उन्नयन" परियोजना के अन्तर्गत वर्ष 2013 में चुड़चाँदपुर जिला तथा सेनापति जिले में दो विस्तार केन्द्र भी स्थापित किए गए हैं।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- सूचना प्रौद्योगिकी सुरक्षा एवं साइबर फोरेन्सिक
- इलेक्ट्रॉनिकी मरम्मत तथा अनुरक्षण
- चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी
- मल्टीमीडिया एवं एनिमेशन
- सौर एलईडी प्रकाश डिजाइन एवं विनिर्माण / सूर्यामित्रा

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम

अल्पावधि पाठ्यक्रम

• नाइलिट् डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम • कार्यालय ऑटोमेशन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • वेब डिजाइनिंग में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • डेस्कटॉप प्रकाशन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • टैली ईआरपी 9.0 में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • विंडोज़ सर्वर का उपयोग कर सिस्टम प्रशासन में सर्टिफिकेट कोर्स • ई–गवर्नेंस एप्लीकेशन में सर्टिफिकेट कोर्स • सॉफ्ट स्किल एंड कम्युनिकेटिव इंग्लिश में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • सूचना सुरक्षा और साइबर कानून में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • आईटी सुरक्षा और नेटवर्क में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • कंप्यूटर अनुप्रयोग में डिप्लोमा • नेटवर्क प्रशासन और सॉफ्ट स्किटल • मल्टीमीडिया कंटेंट डेवलपर में डिप्लोमा • एम्बेडेड सिस्टम में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • पीसी एसेम्बली और रखरखाव • इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण और सर्किट में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • गृह उपकरण की मरम्मत और रखरखाव में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • सौर हाइब्रिड चार्जर और एलइडी लाइट सिस्टम में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • मल्टीइज्म का उपयोग करके इलेक्ट्रॉनिक्स सर्किट स्वचालन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • इलेक्ट्रोनिक्स प्रोडक्ट्स की मरम्मत और रखरखाव में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • सूर्यमित्र • सौर रूफटॉप टेक्नीशियन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • सेट टॉप बॉक्स में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

दीर्घावधि पाठ्यक्रम

• मास्टर ऑफ कम्प्यूटर ऍप्लिकेशन (एमसीए) • पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कम्प्यूटर ऍप्लिकेशन (पीजीडीसीए) • बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए) • कम्प्यूटर विज्ञान इंजीनियरी में डिप्लोमा • इलेक्ट्रॉनिकी इंजीनियरी में डिप्लोमा • 'ओ' स्तर • 'ए' स्तर • सीएचएम–'ओ' स्तर • सीएचएम–'ए' स्तर • मैट'ओ' स्तर

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

शैक्षणिक वर्ष 2016–17 के दौरान, नाइलिट् इंफाल और इसके दो विस्तार केंद्रों ने 11,886 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया।

महिलाओं को सहज रूप से प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान करते हुए तथा मोबाइल प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम पिछड़े क्षेत्रों/आदिवासी क्षेत्रों में विशेषाधिकार प्राप्त विद्यार्थियों को इसके अंतर्गत शिक्षा के लिए प्रोत्साहन देना है।

एनईजीडी, एमइआईटीवाई, भारत सरकार के प्रायोजन के अंतर्गत डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रमों में राज्य सरकार के कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान करता है।

डिजिटल इण्डिया, भारत सरकार की पहल के अंतर्गत सरकार कर्मचारियों को ई–वेस्ट प्रबंधन पर जागरूकता प्रदान करता है।

एनआईएसई और नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार के प्रयोजन से 180 ग्रामीणों, बेरोजगार युवाओं, महिलाओं और उद्यमियों को आरई तकनीक का उप्योह करके ग्राम विद्युतीकरण के बारे में जागरूकता प्रदान करता है।

सौर पीवी स्थापना (सूर्यमित्र) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत, केंद्र ने 60 बेरोजगार युवकों को प्रशिक्षित किया है।

नाइलिट् केंद्र, इम्फाल ने एमइआईटीवाई, भारत सरकार के प्रायोजन के अंतर्गत सर्ट–इन को प्रस्तुत करने के लिए स्पैम ई–मेल के आंकड़ों को इकट्ठा करने के लिए एक स्पैम विरोधी समन्वय केंद्र स्थापित किया है।

डिजिटल पेमेंट मोड्स पर कई कार्यशालाएं और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता है।

"पुस्तक सूचना सुरक्षा जागरूकता" शीर्षक से मणिपुरी अनुवादित संस्करण प्रकाशित।

वर्ष के दौरान, राज्य सरकार, केन्द्रीय सरकार और निजी संगठनों में कुल 39 छात्रों को नियुक्ति प्राप्त हुई थी।

नाइलिट् केंद्र, इम्फाल के मॉडल कैरियर सेंटर (एमसीसी) ने वर्ष के दौरान 16 कैरियर परामर्श, 05 कैम्पस भर्ती का आयोजन किया, अभी तक, नाइलिट् केंद्र, इम्फाल के एमसीसी के माध्यम से एनसीएस पोर्टल में 911 लोग रोजगार हेतु पंजीकृत थे।

ऑनलाइन भर्ती जैसे एसएससी परीक्षा, बैंकों पीओ परीक्षा का संचालन हेतु इंफ्रास्ट्रक्चर लीजिंग सेवाएं प्रदान की गई हैं।

ईटानगर

कार्यकारी समिति की बैठक
शून्य

कार्मिक
नियमित : 06
परियोजना आधारित : शून्य

कारोबार
345.66 लाख रु.

प्रभारी निदेशक
श्री एन देबाचंद्र सिंह

पता
नाइलिट ईटानगर
ई–सेक्टर, नाहरलगुन–791110
अरुणाचल प्रदेश

सम्पर्क के ब्यौरे
फोनः 0360–2351854 / 2351855
ई–मेलः dir-itanagar@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य
अरुणाचल प्रदेश

विस्तार केन्द्र
- पासीघाट

वर्ष 2011 में स्थापित नाइलिट ईटानगर केन्द्र कम्प्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी तथा संबद्ध विषयों पर कुशल जनशक्ति तैयार करने पर ध्यान दे रहा है। यह संस्थान रोजगार के अवसरों में सुधार करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाता है तथा डिजिटल साक्षरता की सुविधा प्रदान करता है, केन्द्र का पासीघाट में एक विस्तार केन्द्र है। एक और विस्तार केन्द्र तेजू में है जो वित्त वर्ष 2017–18 की दूसरी तिमाही तक शुरू हो जायेगा।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- ☛ डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम
- ☛ मैटलैब
- ☛ एंड्रॉइड का उपयोग कर मोबाइल अनुप्रयोग विकास
- ☛ टैली ईआरपी 9.0

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम

अल्पावधि पाठ्यक्रम

- कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (सीसीसी)
- मैटलैब
- ईएसडीएम योजना के अंतर्गत पीसी एसेम्बली और रखरखाव
- टैली सहित वित्तीय लेखा में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- प्रमाणित एंड्रॉइड ऐप डेवलपर

दीर्घावधि पाठ्यक्रम

- कम्प्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक (बसीए)
- नाइलिट् 'ओ' स्तर
- नाइलिट् सीएचएम 'ओ' स्तर

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

अरुणाचल प्रदेश सरकार ने विभिन्न पदों के लिए सीसीसी पाठ्यक्रम प्रमाणन अनिवार्य कर दिया है।

राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर से संबद्ध बैचलर ऑफ कम्प्यूटर ऍप्लिकेशन (बीसीए) अकादमी वर्ष 2016 से प्रारंभ हुआ था।

एम्इआईटीवाई, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित "डिजिटल इण्डिया के लिए उत्तर पूर्व की तैयारी" परियोजना के अंतर्गत कंप्यूटर पर अवधारणा पाठ्यक्रम पर अरुणाचल प्रदेश के कुल 739 सरकारी कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया।

विभिन्न दीर्घकालिक और लघु अवधि के पाठ्यक्रमों के अंतर्गत कुल 2713 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया।

डीजीईटी प्रायोजित योजना के अंतर्गत नाइलिट् 'ओ' स्तर पाठ्यक्रम में 43 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया।

डीजीईटी प्रायोजित योजना के अंतर्गत नाइलिट् सीएचएम 'ओ' स्तर पाठ्यक्रम में 14 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया।

जीवन प्रमाणन पर संवेदीकरण कार्यक्रम डीआईटी, अरुणांचल सरकार के सहयोग से आयोजित किया गया।

कोहिमा

कार्यकारी समिति की बैठक
शून्य

कार्मिक
नियमित : 19
परियोजना आधारित : 51

कारोबार
830.68 लाख रु.

प्रभारी निदेशक
श्री एल. लानुवाबांग

पता
नाइलिट कोहिमा
मेरिएमा
न्यू हाई कोर्ट रोड
कोहिमा – 797001
नागालैण्ड

सम्पर्क के ब्यौरे
फोनः 09436215243
ई–मेलः dir-kohima@nielit.gov.in
वेबसाईटः www.nielit.gov.in/Kohima

क्षेत्राधिकार राज्य
नागालैण्ड

विस्तार केन्द्र
• चुचुयिमलांग

वर्ष 2004 में स्थापित नाइलिट कोहिमा तत्कालीन माननीय प्रधान मंत्री, श्री अटल बिहारी बाजपेयी की वर्ष 2003 में प्रथम यात्रा के दौरान नागालैण्ड की जनता के लिए सांकेतिक भाव–प्रदर्शन के रूप में की गई घोषणा का परिणाम है। उस समय से ही यह केन्द्र हरे–भरे तथा प्रकृति मनोहर पर्वतमय पहाड़ियों से घिरे राजकीय वास्तुकला से कार्य कर रहा है और क्षेत्र के युवाओं के लिए क्षमता निर्माण तथा कौशल विकास के लिए विश्व स्तरीय मूलसंरचना तथा सुविधाओं का विकास किया है। नाइलिट कोहिमा को नागालैण्ड सरकार द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी में उत्कृष्टता केन्द्र तथा संस्थान भागीदार भी घोषित किया गया है।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- साइबर सुरक्षा
- चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी
- साइबर फोरेन्सिक

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम

अल्पावधि पाठ्यक्रम

• कंप्यूटर अनुप्रयोग और नेटवर्किंग में डिप्लोमा (डीसरएएन) • कंप्यूटर अवधारणा पर पाठ्यक्रम (सीसीसी) • बेसिक कंप्यूटर पाठ्यक्रम (बीसीसी) • पीसी एसेम्बली और रखरखाव • ग्राफिक डिजाइनिंग • ऑडियो और वीडियो संपादन • इंटरनेट और वेबपेज डिजाइनिंग • सी,सी++ जावा • वीबी • सी रु • ओरेकल जैसी प्रोग्रामिंग भाषा पर पाठ्यक्रम • आईटीई और सॉफ्ट स्किल्स • नेशनल इंस्ट्रूमेंट्स मल्टीइज्म पाठ्यक्रम • एंबेडेड सिस्टम • इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की मरम्मत और रखरखाव • टैली ईआरपी9 • आईसीसीयू उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव • मोबाइल की मरम्मत • सूचना सुरक्षा और साइबर लॉ • ई–गवर्नेंस एप्लीकेशन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

दीर्घावधि पाठ्यक्रम

• बैचलर ऑफ कम्प्यूटर ऍप्लिकेशन (बीसीए) • कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग/सूचना प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा • 'ओ' लेवल (कंप्यूटर) एप्लीकेशन में फाउंडेशन पाठ्यक्रम)'ए' स्तर (कंप्यूटर) अनुप्रयोग में एडवांस्ड डिप्लोमा पाठ्यक्रम) • सीएचएम 'ओ' लेवल (कंप्यूटर हार्डवेयर रखरखाव में डिप्लोमा • सीएचएम 'ए' स्तर (कंप्यूटर हार्डवेयर रखरखाव और नेटवर्किंग में उन्नत डिप्लोमा) • मैट–'ओ' स्तर (मल्टीमीछिसर और एनीमेशन प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा)

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- दीर्घ और अल्पावधि पाठ्यक्रमों में नामांकित / प्रशिक्षित विद्यार्थियों की कुल संख्या 4449 है।
- एडवांस साइबर फोरेंसिक में कुल 76 पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया तथा नाइलिट् केंद्र, कोहिमा ने 10 साइबर अपराध के मामलों को सुलझाने में सहायता प्रदान की।
- एनईजीडी "डिजिटल भारत के लिए उत्तर पूर्व की तैयारी" के अंतर्गत कुल 173 राज्य सरकार कर्मचारियों को आईसीटी कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया गया था।
- एजी डिपार्टमेंट, भारत सरकार के स्टाफ को वेब डिज़ाइन और रखरखाव में प्रशिक्षण प्रदान किया।
- सेवारत पैरामीडिकल स्टाफ, नागालेंड के लिए बायोमेडिकल उपकरणों के रखरखाव पर प्रशिक्षण।
- औद्योगिक प्रशिक्षण के एक भाग के रूप में, कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग में डिप्लोमा, राजकीय पोलिटेक्निक, कोहिमा के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को ग्राफिक डिजाइनिंग में प्रशिक्षण।
- कैम्पस प्लेसमेंट के दौरान, फैबर सिंदुरी मैनेजमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा बायो मेडिकल इंस्ट्रूमेंटेशन और रखरखाव पाठ्यक्रम के 20 विद्यार्थियों की नियुक्ति हुई।
- कुल 1509 नागरिकों, व्यापारियों और कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए डिजिटल भुगतान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।
- कुल 133 सेना अधिकारियों के लिए 'डिजिटल भुगतान जागरूकता कार्यक्रम' आयोजित किया गया।
- एनइजीपीए अनुप्रयोग और सेवाएं और डिजिटल भुगतान पर प्रशिक्षण–मय–कार्यशाला कृषि विभाग, बागवानी विभाग तथा मत्स्य पालन विभाग के कर्मचारियों के लिए आयोजित की गई थी।

कोलकाता

कार्यकारी समिति की बैठक

17वीं बैठक, 27 मार्च, 2017

कार्मिक

नियमित : 36
परियोजना आधारित : 53

कारोबार

794.51 लाख रु.

निदेशक

श्री युमनाम जयंता सिंह

पता

नाइलिट कोलकाता
जादवपुर विश्वविद्यालय परिसर
कोलकाता–700032
पश्चिम बंगाल

सम्पर्क के ब्यौरे

फोनः 033–24146081 / 6054,
033–24146261 (सीधा),
फैक्सः 033–24146549
ई–मेल : dir-kolkata@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य

पश्चिम बंगाल
ओढिशा

विस्तार केन्द्र

• साल्ट लेक सिटी

क्षेत्रीय कम्प्यूटर केन्द्र (आरसीसी), कोलकाता के रूप में 1976 में स्थापित, नाइलिट् कोलकाता लगभग 40 वर्षों से आईटी शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करने वाले पूर्वी क्षेत्र में सबसे पुराने आईटी हॉउस में से एक है तथा पूर्वी भारत में आईटी / आईटीईएस में आईटी प्रशिक्षण एवं परामर्श सेवाएं प्रदान करने में अग्रणी है। यह जादवपुर यूनिवर्सिटी कैंपस के भीतर हरित वातावरण से युक्त स्थान पर स्थित है, जो शहर के हर क्षेत्र से बस और ट्रेन सेवाओं से जुड़ा हुआ है।

केन्द्र में 11 व्याख्यान–कक्ष, एक स्मार्ट वर्चुअल क्लासरूम, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, मॉडल कैरियर केंद्र, सम्मलेन कक्ष जिसमें केंद्रीय यूपीएस और 24X7 100 एमबीपीएस एनकेएन कनेक्टिविटी के साथ 8 प्रयोगशालाएं सम्मिलित हैं।

केंद्र की नई बी+जी+3 मंजिला भवन साल्ट लेक पर लगभग 20,000 वर्गफुट परिचालन क्षेत्र तथा आधुनिक कम्प्यूटेशनल सुविधाओं से सुसज्जित है, इसका परिचालन मई, 2017 में होना संभावित है।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- ☞ सॉफ्टवेयर (एस / डब्ल्यू) विकास और एस / डब्ल्यू परीक्षण
- ☞ नियमित आईटी पाठ्यक्रमों पर प्रशिक्षण – ऑफिस ऑटोमेशन, प्रोग्रामिंग लैंग्वेजेस, डाटाबेस, मल्टीमीडिया एनिमेशन टेक्नोलॉजी
- ☞ नवीनतम आईटी पाठ्यक्रमों पर प्रशिक्षण–एंड्रॉइड, डेटा एनालिटिक्स, डाटा वेयरहाउसिंग और डाटा माइनिंग और क्लाउड कंप्यूटिंग
- ☞ ई–शासन और कॉर्पोरेट प्रशिक्षण–ईआरपी, ई–वेस्ट मैनेजमेंट, ऑटोकैड

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम

अल्पावधि पाठ्यक्रम

• टैली का उपयोग वित्तीय लेखा • ऑफिस का ऑटोमेशन • कोर जावा • सी प्रोग्रामिंग • ओरेकल और पीएल / एसक्यूएल • वेब डिजाइनिंग • लैंप (लीनक्स • अपाचे, MySQL, पीएचपी) • पीसी एसेम्बली और रखरखाव • उन्नत जावा • डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग • ऑटोकैड • उन्नत वित्तीय लेखा • सी ++ प्रोग्रामिंग • इमेज एडिटिंग और 2डी एनिमेशन • मेटलैब • ओरेकल डीबीए • नेटवर्क एडमिनिस्ट्रेशन • लिनक्स का उपयोग कर प्रणाली प्रशासन • विद्युत और सुरक्षा प्रेक्टिस पर कौशल विकास प्रशिक्षण • 3D डिजाइन का परिचय • प्रमाणित एंड्रॉइड एप्लिकेशन डेवलपर • इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम की स्थापना और रखरखाव

डिप्लोमा पाठ्यक्रम

• इंटरैक्टिव मल्टीमीडिया डेवलपर में डिप्लोमा
• कंप्यूटर अनुप्रयोग और एन / डब्ल्यू प्रशासन में डिप्लोमा

दीर्घावधि पाठ्यक्रम

• आईटी–'ओ' स्तर • आईटी–'ए' लेवल • आईटी–'बी' स्तर • सीएचएम–'ओ' स्तर • मैट 'ओ' स्तर

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

डीजीईएवंटी से प्रायोजित क्रमशः आईटी–'ओ' स्तर और सीएचएम–'ओ' स्तर में 200 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और 100 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के रोजगार पाने वाले कोलकाता और ओडिशा में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहें हैं।

30 कोलकाता नगर निगम के अधिकारी डिजाइनिंग, ड्राइंग और ड्राफ्टिंग के क्षेत्र में क्षमता निर्माण की दिशा में ऑटोकैड के दो बैचों के माध्यम से प्रशिक्षित हुए।

एनबीसीएफडीसी के 218 कर्मचारियों को मणिपुर और झारखंड में क्षमता निर्माण प्रशिक्षण दिया गया था।

डब्ल्यूइबीइएल इंडिया लिमिटेड के माध्यम से पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों में एससीएसपी/टीएसपी योजना के अंतर्गत 897 एससी/एसटी अभ्यर्थियों को कौशल विकास प्रशिक्षण के विभिन्न पाठ्यक्रम प्रदान किए गए।

पश्चिम बंगाल के 2 जिलों में पश्चिम बंगाल सरकार के कन्याश्री परियोजना के लाभार्थियों के 112 एससी/एसटी महिला अभ्यर्थियों को कौशल विकास प्रशिक्षण के विभिन्न पाठ्यक्रम प्रदान किए गए।

'टैली,'वेब डिज़ाइनिंग' और' ओरेकल एसक्यूएल तथा पीएल/एसक्यूएल' का उपयोग करके वित्तीय लेखांकन पर 'कंप्यूटर प्रशिक्षण' वाणिज्यिक कर विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार के 47 कर्मचारियों को प्रदान किया गया था।

विभिन्न बैचों में, पश्चिम बंगाल सरकार और ओडिशा सरकार के 182 अधिकारियों/कर्मचारियों को ई–वेस्ट प्रबंधन पर प्रशिक्षण दिया गया था।

'सीसीसी' परीक्षा के लिए 8540 परीक्षार्थी उपस्थित हुए और वर्ष 2016–17 में, 'बीसीसी' परीक्षा के संचालन के लिए 887 अभ्यर्थी उउपस्थित हुए थे।

पटना

कार्यकारी समिति की बैठक

शून्य

कार्मिक

नियमित : 08
परियोजना आधारित : 22

कारोबार

567.17 लाख रु.

प्रभारी निदेशक

श्री आलोक त्रिपाठी

पता

नाइलिट पटना
11वीं मंजिल, बिस्कोमन टावर
गांधी मैदान, पटना–800001
बिहार

सम्पर्क के ब्यौरे

फोन : 9431011532
ई–मेलः dir-patna@nielit.gov.in
वेबसाईटः www.nielit.gov.in/patna

क्षेत्राधिकार राज्य

बिहार

विस्तार केन्द्र

अलावलपुर

नाइलिट केन्द्र, पटना की स्थापना वर्ष 2012 में हुई थी तथा यह 11 वीं मंजिल, बिस्कोमुन टॉवर, गांधी मैदान, पटना से शुरू हुआ है, इसका उद्देश्य पूर्वी क्षेत्र में विभिन्न नाइलिट केन्द्रों के कार्यकलापों का समन्वय करने तथा क्षेत्र में नाइलिट के विभिन्न कार्यकलापों को बढ़ावा देने की दिशा में सक्रिय प्रयास करने और उसके परिणामस्वरूप विभिन्न स्तरों पर सूचना, इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) में ज्ञान एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए नाइलिट के अभिगम का विस्तार करना था, जो उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करेगा और इस प्रकार क्षेत्र और विशेष रूप से बिहार के समग्र विकास में मदद मिलेगी।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

☞ सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिकी में क्षमता निर्माण

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम

अल्पावधि पाठ्यक्रम

- कम्प्यूटर अवधारणा पाठ्यक्रम
- C++ में प्रोग्रामिंग में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम
- उन्नत जावा में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम
- पीएचपी तथा माइ–एसक्यूएल में सर्टिफिकेट पाठयक्रम
- ब्रू के साथ डॉट नेट में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम
- टैली में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम
- लिनक्स के अन्तर्गत प्रणाली प्रशासन में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम।

दीर्घावधि पाठ्यक्रम

- नाइलिट 'ए' स्तर सॉफ्टवेयर पाठ्यक्रम
- हार्डवेयर नेटवर्किंग एवं सुरक्षा में उन्नत डिप्लोमा (एडीएपएनएस)
- नाइलिट 'ओ' स्तर सॉफ्टवेयर पाठ्यक्रम

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

केंद्र बिहार राज्य सरकार के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जुड़ा हुआ है।

नाइलिट् केंद्र, पटना द्वारा निष्पादित बिहार सरकार/भारत सरकार की विभिन्न परियोजनाओं के अंतर्गत 16797 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया।

वर्ष 2016–17 में, नाइलिट् केंद्र, पटना ने ईएसडीएम परियोजना के अंतर्गत 5440 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया है।

उन्नत आईसीटी संकल्पना (बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित) स्किल उन्नयन परियोजना के अंतर्गत नाइलिट् केंद्र पटना ने 322 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण दिया है।

जिला स्तर पर बिहार में क्षमता निर्माण के लिए 40 वीएलई कार्यशाला का आयोजन किया गया।

बिहार के विभिन्न कॉलेजों में डिजिटल भुगतान पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 2000 विद्यार्थियों ने कार्यशाला में भाग लिया।

आदर्श कंप्यूटर सेवक केंद्र, अलावलपुर, बिहार के अलावलपुर ग्राम में डिजिटल भुगतान पर कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 400 ग्रामीण उपस्थित हुए।

राँची

कार्यकारी समिति की बैठक
शून्य

कार्मिक
नियमित : 07
परियोजना आधारित : 05

कारोबार
187.89 लाख रु.

प्रभारी निदेशक
डॉ. डी.के. मिश्र

पता

नाइलिट राँची
दूसरी मंजिल, रियदा भवन
मेन रोड, जीईएल चर्च के सामने
राँची – 834001
झारखण्ड

सम्पर्क के ब्यौरे

फोन : 0651–233–2554
ई–मेल : dir-ranchi@nielit.gov.in
वेबसाईट : www.nielit.gov.in/ranchi

क्षेत्राधिकार राज्य
झारखण्ड

विस्तार केन्द्र
शून्य

माननीय प्रधान मंत्री जी द्वारा 21 अगस्त 2014 को उद्घाटन किए जाने के बाद से ही नाइलिट राँची केन्द्र ने कार्य करना शुरू कर दिया है। झारखण्ड सरकार द्वारा रियदा भवन परिसर, मेन रोड राँची में एक अस्थायी कार्यालय स्थल उपलब्ध कराया गया है। नाइलिट, राँची का स्थायी परिसर स्थापित करने के लिए हालही में झारखण्ड सरकार ने कनके अंचल, सांगा मौजा, राँची में 5.0 एकड़ की भूमि आबंटित किया है, जिसमें छात्रों तथा छात्राओं के छात्रावास शामिल होंगे। भूमि के कब्जे का पत्र झारखण्ड सरकार के माननीय मुख्य मंत्री, श्री रघुबर दास ने आयोजित इन्फोकॉम–2015 – सुविधा झारखण्ड के अवसर पर नाइलिट के महानिदेशक डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा को औपचारिक रूप में सौंपा।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- ईएसडीएम पाठ्यक्रम
- एनडीएलएम पाठ्यक्रम
- नाइलिट सीसीसी, बीसीसी तथा एसीसी डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम

अल्पावधि पाठ्यक्रम

- नाइलिट 'सीसीसी' पाठ्यक्रम
- नाइलिट 'बीसीसी' पाठ्यक्रम
- नाइलिट 'एसीसी' पाठ्यक्रम

दीर्घावधि पाठ्यक्रम

- नाइलिट 'ओ' स्तर पाठ्यक्रम
- नाइलिट् सीएचएम–'ओ' स्तर पाठ्यक्रम

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

मोमेंटम झारखंड 2016 के दौरान मुख्य सचिव, झारखंड सरकार द्वारा नाइलिट् केंद्र, रांची को झारखंड एक्सलन्स अवार्ड से सम्मानित किया गया।

नाइलिट् केंद्र, रांची ने "विकास पर्व" के दौरान जमशेदपुर में डाक विभाग, भारत सरकार के 25 ग्रामीण डाक सेवकों के लिए एसीसी पाठ्यक्रम का संचालन किया है।

नाइलिट् केंद्र, रांची ने स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) पोर्टल और एमआईएस एप्लीकेशन पर शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया है। कुल 40 कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया था।

नाइलिट् केंद्र, रांची ने डीजीई और टी प्रायोजित नाइलिट्– आईटी 'ओ' स्तर (रोजगार हेतु 100 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थी) और सीएचएम 'ओ' स्तर (रोजगार हेतु 50 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थी) का संचालन किया।

राजस्व बोर्ड, झारखंड सरकार द्वारा निर्धारित झारखंड सरकार के विभागीय कर्मचारियों के लिए हिंदी और अंग्रेजी दोनों में कंप्यूटर आधारित टाइपिंग टेस्ट का आयोजन किया, नाइलिट् केंद्र, रांची द्वारा सॉफ्टवेयर का विकास किया गया है। कुल 674 अभ्यर्थी परीक्षा में उपस्थित हुए।

नाइलिट् केंद्र, रांची ने सहायक–ग्रेड–III और कनिष्ठ आशुलिपिक के पद पर सीएसआईआर–सीएमईआरआई, दुर्गापुर की भर्ती परीक्षा का आयोजन किया। कुल 1433 अभ्यर्थी परीक्षा में उपस्थित हुए।

झारखंड के 600 एससी/एसटी युवाओं के लिए सुचना प्रौद्योगिकी आधारित कौशल विकास प्रशिक्षण (डीओआईटी और ई–शासन, जीओजे द्वारा प्रायोजित) झारखंड के 10 जिलों में संचालित है।

नाइलिट् केंद्र, रांची ने झारखंड के छह जिलों (हजारीबाग, गिरिडीह, बोकारो, धनबाद, रांची, साराइकेला–खारसवाना) में डाक विभाग के 180 ग्रामीण डाक सेवकों के लिए डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम का संचालन किया है।

नाइलिट् केंद्र, रांची ने 35 सरकारी कर्मचारियों के लिए तीन दिवसीय ई–वेस्ट प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

नाइलिट् केंद्र, रांची ने 33 सरकारी कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय ई–वेस्ट प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

नाइलिट् केंद्र, रांची ने रांची में विभिन्न स्थानों पर डिजिटल भुगतान पर जागरूकता कार्यक्रम का का आयोजन किया है, जिसमें, जनसाधारण तक इसकी पहुँच का सुनिश्चय व् सहज प्रदर्शन सम्मिलित है।

रोपड़

कार्यकारी समिति की बैठक

शून्य

कार्मिक

नियमित : 03
परियोजना आधारित : 01

कारोबार

77.91 लाख रु.

प्रभारी निदेशक

श्री दीपक वासन

पता

नाइलिट रोपड़
बिरला फर्म्स, बड़ाफूल,
रोपड़

सम्पर्क के ब्यौरे

फोन : 0172–2236453

क्षेत्राधिकार राज्य

पंजाब राज्य के लिए नाइलिट् रोपड़ के प्रादेशिक क्षेत्राधिकार

विस्तार केन्द्र

शून्य

पंजाब सरकार ने नाइलिट् चंडीगढ़ के स्थायी परिसर के निर्माण के लिए रोपड़ (आईआईटी पपरिसर) में लगभग 12 एकड़ भूमि आवंटित की थी। यह रोपड़, पंजाब में "अगस्त 2012 में शुरू हुआ। नाइलिट् ने अपनी प्रशिक्षण गतिविधियों को अप्रैल, 2016 से अस्थायी कार्यालय स्थल से शुरू किया। भवन का निर्माण पूरा हो गया है अब नाइलिट् नए परिसर से अपनी प्रशिक्षण गतिविधियों को शुरू करेगा। इसके अतिरिक्त, नाइलिट् ने आईआईटी रोपड़ के सहयोग से समझौता–ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं ताकि, वैश्विक अनुभव के लिए अवसर प्रदान किए जा सके साथ ही पारस्परिकता, सर्वोत्तम प्रयास, पारस्परिक लाभ और निरंतर संवाद के आधार पर उन्नत ज्ञान की सुविधा मिल सके।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में कौशल संवर्धन।
- आईआईटी रोपड़ के साथ सहयोग और संयुक्त प्रमाणीकरण से विशिष्ट, अत्याधुनिक, लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम

अल्पावधि पाठ्यक्रम

• नाइलिट् आईटी ओ/ए स्तर • आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में अल्प अवधि के प्रशिक्षण कार्यक्रम • आईआईटी रोपड़ के सहयोग से विशेष अल्प अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम • तकनीकी शिक्षा और औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग, पंजाब सरकार के तहत आईटीआई और पॉलिटेक्निक स्टाफ व् विद्यार्थियों के लिए "ट्रेन द ट्रेनर" और "ट्रेन द स्टूडेंट" के अंतर्गत विशिष्ट कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

बी.आर. अंबेडकर भवन, ज्ञानी जैल सिंह नगर, रोपड़ में नाइलिट् केंद्र, रोपड़ का अस्थायी परिसर दिनांक 7 अप्रैल, 2016 को शुरू हुआ।

केंद्र आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स में विभिन्न अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है।

विभिन्न इंजीनियरिंग कॉलेजों के विद्यार्थियों को समर प्रशिक्षण दिया गया था।

नाइलिट् ने आईआईटी रोपड़ के सहयोग से समझौता–ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं ताकि, वैश्विक अनुभव के लिए अवसर प्रदान किए जा सके साथ ही पारस्परिकता, सर्वोत्तम प्रयास, पारस्परिक लाभ और निरंतर संवाद के आधार पर उन्नत ज्ञान की सुविधा मिल सके।

आईआईटी रोपड़ और नाइलिट् ने नवाचार और उद्यमशीलता के अवसरों और संसाधनों में सहयोग और साझेदारी के विभिन्न क्षेत्रों में सम्मिलित होने की संभावना का पता लगाने पर सहमति व्यक्त की है। ताकि, भारत सरकार के लक्ष्यों जैसे स्किल इंडिया, डिजिटल इंडिया और मेक इन इंडिया को पूरा करने की दिशा में कौशल उन्मुखी, टेलर पाठ्यक्रमों की शुरुआत की जा सके।

नाइलिट् केंद्र, रोपड़ ने तकनीकी शिक्षा और औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग, पंजाब सरकार के साथ सक्रिय रूप से चर्चा में भी है। ताकि, "कौशल उन्नयन प्रशिक्षण कार्यक्रम (एसईटीपी)" शीर्षक योजना के अंतर्गत कौशल उन्मुखी प्रशिक्षण का प्रसार कर सके।

शिलांग

कार्यकारी समिति की बैठक

शून्य

कार्मिक

नियमित : 02
परियोजना आधारित : 23

कारोबार

387.88 लाख रु.

प्रभारी निदेशक

श्री सांतनु बोर्गोहैन

पता

नाइलिट शिलांग
दूसरी मंजिल, मेघालय राज्य आवास
वित्त सहकारी संस्था (एमएसएचएफसीएस)
लिमिटेड बिल्डिंग
बेथाने अस्पताल के पीछे
नॉनग्रिम हिल्स, शिलांग–793003
मेघालय

सम्पर्क के ब्यौरे

फोन : 0364– 2520166 / 2520177
ई–मेल : dir-shillong@nielit.gov.in
वेबसाईट : www.nielit.gov.in/shillong

क्षेत्राधिकार राज्य

मेघालय

विस्तार केन्द्र

तूरा

नाइलिट् केंद्र, शिलाँग (पूर्व में डीओईएसीसी संस्था, शिलांग केंद्र) देश में नाइलिट् के 12वें केंद्र और जनवरी, 2010 में उत्तरपूर्व में 6वें स्थान प्राप्त था। नाइलिट् केंद्र, शिलाँग को इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (डीइआईटीवाई), भारत सरकार द्धारा 7.99 करोड़ रूपये प्रायोजित किए गए थे। नाइलिट् केंद्र, शिलाँग की प्रारंभिक प्रशिक्षण सुविधा दूसरी मंजिल, मेघालय राज्य आवास वित्त सहकारी संस्था (एमएसएचएफसीएस), लिमिटेड बिल्डिग, बेथाने अस्पताल के पीछे, नॉनग्रिम हिल्स, शिलांग–793003 स्थित किराए के स्थान से शुरू की गई थी। प्रारंभिक रूप से प्रसार केंद्र तुरा, जिले में स्थापित किया गया था। जनवरी, 2016 में, तुरा राजकीय कोलेज द्धारा पश्चिम गारो हिल्स के मुख्यालय में स्थान दिया गया, इसके बाद, तुरा में दाकोपग्रे में राज्य सरकार द्वारा निशुल्क निर्मित स्थान उपलब्ध कराया गया है, विस्तार केंद्र को इस भवन में स्थानांतरित कर दिया गया है।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- ☞ सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित सेवाएँ (आईटीइएस)
- ☞ चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी उपकरणों की मरम्मत तथा अनुरक्षण।

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम :

अल्पावधि पाठ्यक्रम

- आधारभूत कंप्यूटर पाठ्यक्रम (बीसीसी)
- कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (सीसीसी)
- सॉफ्ट कौशल और व्यवहारिक अंग्रेजी
- पीसी हार्डवेयर, नेटवर्किंग और रखरखाव
- वेब डिजाइनिंग, डेस्कटॉप प्रकाशन
- सी प्रोग्रामिंग, टैली
- मोबाइल मरम्मत और रखरखाव
- ऑफिस का ऑटोमेशन
- चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

अल्पावधि पाठ्यक्रम

- आईटी (सॉफ्टवेयर)–'ओ' स्तर (1 वर्ष की अवधि)
- आईटी (सॉफ्टवेयर)–'ए'– स्तर (1 वर्ष की अवधि)
- सीएचएम (हार्डवेयर) 'ओ'–स्तर (1 वर्ष की अवधि)
- सीएचएम (हार्डवेयर) 'ए'–स्तर (1 वर्ष की अवधि)
- मैट (मल्टीमीडिया एनिमेशन टेक्नोलॉजी) ओ–स्तर (1 वर्ष की अवधि)

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

41 ग्राम रोजगार परिषद (वीईसी) के पदधारियों का प्रशिक्षण।

एनईजीडी प्रायोजन के अंतर्गत 338 राज्य सरकार के कर्मचारियों का प्रशिक्षण।

मेघालय सरकार से स्थायी कैंपस के लिए तुरा (0.53 एकड़) में निशुल्क भूमि प्राप्त हुई है।

हमारे तुरा प्रसार केंद्र की स्थापना के लिए डाकोप्रे, तुरा में निः शुल्क निर्मित स्थान (2500 वर्ग फीट) भी प्राप्त हुआ है।

चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण के परीक्षण, मापांकन, मरम्मत और रखरखाव के क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में नाइलिट् शिलांग में मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला की स्थापना की गई है।

विभिन्न जिलों और रोड–शो में डिजिटल भुगतान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए जिससे डिजिटल भुगतान की पहल की दिशा में जनसाधारण में संवेदनशील आए।

मार्च 2017 के दौरान, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) के कर्मचारियों की पदोन्नति के लिए एसएएस/आरए/आई/सीपीडी–1 के लिए परीक्षा केन्द्र।

श्रीनगर

कार्यकारी समिति की बैठक(कें)

26वीं बैठक, 11 अगस्त, 2015

कार्मिक

नियमित : 57
परियोजना आधारित : 38

कारोबार

3286.25 लाख रु.

कार्यकारी निदेशक

डॉ. ए.एच. मून

पता

नाइलिट श्रीनगर
सिडको इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लेक्स
पुराना एअरपोर्ट रोड, रंगरेथ
श्रीनगर–191132
जम्मू तथा कश्मीर

सम्पर्क के ब्यौरे

फोन : 0194–2300501, 2300502
फैक्स : 0194–2300949
ई–मेल : dir-srinagar@nielit.gov.in
वेबसाईट : www.nielit.gov.in/srinagar

क्षेत्राधिकार राज्य

जम्मू तथा कश्मीर
उत्तराखण्ड

विस्तार केन्द्र

- जम्मू
- लेह

नाइलिट श्रीनगर/जम्मू इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जम्मू तथा कश्मीर सरकार के सहयोग से वर्ष 1983 में स्थापित एक अग्रणी सूचना प्रौद्योगिकी–मानव संसाधन विकास संगठन है। नाइलिट जम्मू तथा श्रीनगर द्वारा किए जा रहे विविध कार्यकलापों में औपचारिक तथा अनौपचारिक पाठ्यक्रम उपलब्ध कराना, अनुसंधान एवं विकास के कार्यकलाप, परामर्श–सेवा तथा अस्पताल उपकरणों की मरम्मत एवं अनुरक्षण इंजीनियरी शामिल है। यह एक आईएसओ 9001:2008 प्रमाणित संगठन है और इसका शैक्षिक सम्पर्क कश्मीर विश्वविद्याल, जम्मू विश्वविद्यालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई, सिसको, ओरेकल, सर्ट–इन, एनपीटीईए, ईसी के साथ है। इसका मुख्य परिसर सिडको इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लेक्स, रंगरेथ में 7.5 एकड़ के मनोरम परिसर में स्थित है तथा इसका निर्मित स्थान 50,000 वर्ग फुट है। इसका विस्तार केन्द्र जम्मू विश्वविद्यालय के नए परिसर में 25.000 वर्ग फुट के निर्मित स्थान पर स्थित है।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- वायरलेस सेंसर नेटवर्क
- सूचना सुरक्षा
- अस्पताल उपकरणों की मरम्मत तथा अनुरक्षण

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम

अल्पावधि पाठ्यक्रम

• सीसीएनए • सीसीएनपी • एथिकल हैकिंग (सीईएच) • वायरलेस सेंसर नेटवर्क • एम्सीएसए • क्लाउड कंप्यूटिंग • साइबर फॉरेंसिक • सूचना सुरक्षा • सूचना सुरक्षा में डिप्लोमा • नेटवर्किंग और क्लाउड कंप्यूटिंग • दूरसंचार तकनीशियन–पीसी हार्डवेयर और नेटवर्किंग • पीएचपी और एम्वाईएसक्युएल • पाईथन • एंड्रॉइड प्रोग्रामिंग • एंबेडेड सिस्टम डिज़ाइन • प्रोग्रामिंग में सी और सी++ • ASP.Net/VB.Net • जावा प्रोग्रामिंग • ओरेकल • वीएलएसआई • वीएचडीएल • ऑटोकैड • मेटलैब • जीआईएस • डिजिटल विश्लेषण और सिमुलेशन • मल्टीमीडिया और वेब डिज़ाइन • वित्तीय लेखा (टैली) सीसीसी • बीसीए • इमेजिंग उपकरण की मरम्मत और रखरखाव (एक्स–रे और अल्ट्रासाउंड) • ईसीजी और आईसीसीयू मरम्मत की मरम्मत और रखरखाव • चिकित्सीय उपकरणों की मरम्मत • आईटीईएस–बीपीओ (ग्राहक सेवा और बैंकिंग)

दीर्घावधि पाठ्यक्रम

• कश्मीर विश्वविद्यालय से संबद्ध 'एमसीए' • कश्मीर विश्वविद्यालय से संबद्ध 'एमएससी–आईटी' • जम्मू विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त 'पीजीडीसीए' • 'ओ'–स्तर सॉफ्टवेयर • 'ए'–स्तर सॉफ्टवेयर • 'बी'–स्तर सॉफ्टवेयर • सीएचएम– 'ओ' स्तर • सीएचएम–'ए' स्तर • मैट–'ओ' स्तर • 'ओ'–स्तर बायोइनफॉरमैटिक्स

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

विद्यार्थियों के पंजीकरण/प्रमाणन में 100% से अधिक वृद्धिः नाइलिट जम्मू तथा कश्मीर ने आईसीटी में विभिन्न क्षमता निर्माण तथा कुशलता विकास कार्यक्रमों के अन्तर्गत 53,000 से अधिक विद्यार्थियों का पंजीकरण/प्रमाणन किया।

नाइलिट् केंद्र, जम्मू और कश्मीर ने निदेशालय, राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आरएमएसए) तथा निदेशालय, सर्व शिक्षा अभियान, जम्मू एवं कश्मीर राज्य के साथ आईसीटी विद्यालय परियोजना के द्वितीय चरण के अंतर्गत कम्प्यूटर लैब्स के साथ 647 स्मार्ट कक्षाओं की स्थापना के लिए 3 समझौता–ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

जम्मू–कश्मीर विद्यालयी शिक्षा विभाग के लगभग 350 से अधिक विद्यालयी अध्यापकों को स्मार्ट कक्षा–कक्ष प्रौद्योगिकी और ई–लर्निंग सामग्री के वितरण पर प्रशिक्षण दिया गया है।

एमएचआरडी परियोजना के अंतर्गत, जम्मू–कश्मीर सरकार के 29,094 से अधिक स्कूलों की जीआईएस मैपिंग चरण–1 और चरण–2 को पूर्ण कर लिया है।

नाइलिट् ने स्कूलों के समन्वय कैप्चरिंग व् वेब आधारित एमआईएस के समन्वय कैप्चरिंग को अद्यतन करने के लिए एंड्रॉइड एप्लिकेशन विकसित किया है।

छावनी रोग अस्पताल श्रीनगर के लिए लैन की स्थापना।

भेड़ और पशुपालन विभाग, कश्मीर के लिए वायरलेस नेटवर्क की स्थापना।

नाइलिट् ने आईसीटी क्षेत्र में स्थानीय युवाओं को उद्यमशील बनाने व् उनके रोजगार के अवसरों से बढ़ोत्तरी करने की दिशा में कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु चिनार सेना 9–जवानी क्लब बारमुल्ला में एक अध्ययन केंद्र स्थापित किया है।

एलएएचडीसी लेह/जिला प्रशासन के लिए ऑनलाइन शिकायत पोर्टल को विकसित व् होस्ट किया गया, जिसका माननीय सीईसी एलएएचडीसी लेह (www.lahdclehportal.in) द्वारा उद्घाटन किया गया।

जिला पुस्तकालय, लेह (लगभग 30,000 पुस्तकें) के लिए पुस्तकालय प्रबंधन सिस्टम सॉफ्टवेयर को डिजाइन व् विकसित किया गया।

केंद्र में मॉडल कैरियर केंद्र पूर्ण हो गया है तथा प्रथम रोजगार मेला का आयोजन जुलाई, 2017 में किया जाने का प्रस्ताव है।

संस्था के लेखा परीक्षक

क्र.सं.	फर्म का नाम	नाइलिट केन्द्र
1.	ए.एस. बेदमुथा एण्ड कं. O–1, एज आर्केड ओस्मानपुरा औरंगाबाद – 431 005	औरंगाबाद
2.	एस.ए. मजुमदार एण्ड एसोसिएट्स ठाकुर पल्ली रोड कृष्ण नगर, पोस्ट बॉक्स नं. 34, अगरतला–799001	अगरतला
3.	अनिल हितेश एण्ड एसोसिएट्स बारेक मार्केट, पहली मंजिल एन.एस. एवेन्यूस, रंगिरखरी सिलचर–788005	आइज़ॉल
4.	अम्बानी एण्ड कं. 21, देव अम्बा कॉम्प्लेक्स प्रथम बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने स्टेशन रोड, अजमेर–305001	अजमेर
5.	एसीआर एण्ड कं. 17/1492–E2, कैथे बिल्डिंग आलुक्कस ज्वेलरी के पास राम मोहन रोड कालीकट – 673004	कालीकट
6.	मेसर्स ए.वी.नारायणस्वामी एण्ड एन.चूड़ामणि नया नं. 14 पुराना नं. 37सी, दूसरी मंजिल नाथमुनि स्ट्रीट, टी. नगर चेन्नै – 600 017	चेन्नै
7.	मेसर्स नवीन सोनी एण्ड एसोसिएट्स 1286, पहली मंजिल, सेक्टर 21–बी, चण्डीगढ़–160022	चण्डीगढ़
8.	मेसर्स एन. मार्डा एण्ड एसोसिएट्स, जल आपूर्ति नियंत्रण कार्यालय के सामने,164/1, तिब्बत रोड, गंगटोक–737 101	गंगटोक
9.	मेसर्स एस.पी. भाटी एण्ड कं. दूसरी मंजिल, रोशन मार्केट एसआरसीबी रोड गुवाहाटी – 781 001	गुवाहाटी
10.	मेसर्स दिलीप खैतान एण्ड कं. 362–बी, बेतिया हाटा हनुमान मंदिर के पास गोरखपुर – 273 001	गोरखपुर

क्र.सं.	फर्म का नाम	नाइलिट केन्द्र
11.	बी.डी. गुप्ता एण्ड एसोसिएट्स 217, ध्रुव अपार्टमेंट्स 4, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपड़गंज नई दिल्ली–110 092	मुख्यालय
12.	मेसर्स नाग एण्ड एसोसिएट्स ठ–6, देवी शॉपंग कॉम्प्लेक्स डाकघर एवं थाना डानकुनी जिला हुगली – 712311	ईटानगर
13.	सेसर्स एस.एल.गंगवाल एण्ड कं. अरीहन्त, एस–23, मंगल मार्ग बापू नगर, जयपुर–302015	इम्फाल
14.	मेसर्स संजय कुमार जैन एण्ड एसोसिएट्स गुरुमुख बिल्डिंग इलाहाबाद बैंक के पास कालीबाड़ी रोड, दीमापुर नागालैण्ड	कोहिमा
15.	मेसर्स सर्राफ एण्ड चन्द्रा 501, अशोक हाउस बी–ए, हेयर स्ट्रीय, 5वीं मंजिल कोलकाता – 700 001	कोलकाता एवं राँची
16.	बी.डी. गुप्ता एण्ड एसोसिएट्स 217, ध्रुव अपार्टमेंट्स 4, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपड़गंज नई दिल्ली – 110 092	नई दिल्ली
17.	मेसर्स सच्चिदानन्द चौधरी एण्ड कं. 401, राजेन्द्र एन्क्लेव शशि कॉम्प्लेक्स के पीछे एक्जीबिशन रोड, पटना	पटना
18.	मेसर्स मंज़र एण्ड कं. द्वितीय ताल, मीर एंड को. शॉपपिंग कॉम्प्लेक्स, एलआईसी बिल्डिंग के पीछे करननगर, श्रीनगर–190 010	श्रीनगर
19.	मेसर्स आर.पाल एण्ड कं. सी.पी.आई. कार्यालय परिसर क्विंटन रोड शिलांग – 793 001	शिलांग
20.	मेसर्स अनिल पुनीत एंड एसोसिएशन एससीएफ–57, लेवल–I, सेक्टर–8, पंचकुला, हरियाणा – 134109	रोपड़

बी.डी.गुप्ता एण्ड एसोसिएट्स
शासपत्रित लेखाकार

स्वतंत्र लेखा–परीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में
अध्यक्ष
शासी परिषद्
राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सीचना प्रौद्योगिकी संस्थान

वित्तीय विवरण पर रिपोर्ट

हमने राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन, 6, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली–110003 (जिसे आगे 'सोसायटी' कहा जाएगा), संस्था पंजीकरण अधिनियम 1860 के अन्तर्गत पंजीकृत संस्था, के संलग्न वित्तीय विवरणों की लेखा–परीक्षा की है जिसमें 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष का तुलन–पत्र तथा इसी वर्ष में समाप्त आय तथा व्यय लेखा, प्राप्ति एवं भुगतान लेखा तथा उसके साथ संलग्न महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ एवं अन्य स्पष्टीकरण सूचना शामिल हैं, जिसके साथ दिल्ली मुख्यालय, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर तथा अन्य लेखा–परीक्षकों द्वारा लेखा परीक्षित 20 केन्द्रों आइजोल, औरंगाबाद, कालीकट, गोरखपुर, इम्फाल, श्रीनगर, गुवाहाटी, कोलकाता, चण्डीगढ़, कोहिमा, चेन्नै, अगरतला, शिलांग, गंगटोक, अजमेर, रोपड़, पटना, राँची तथा ईटानगर के विवरण और हमारे द्वारा लेखा परीक्षित दिल्ली केन्द्र के विवरण शामिल किए गए हैं।

वित्तीय विवरणों पर प्रबंध वर्ग की जिम्मेदारी

इन वित्तीय विवरणों को तैयार तथा प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी सोसायटी के प्रबंध वर्ग की है, जो भारत में सामान्य रूप में स्वीकृत लेखांकन के सिद्धान्तों के अनुसार सोसायटी की वित्तीय स्थिति तथा वित्तीय निष्पादन का सही चित्र प्रस्तुत करते हैं। इस जिम्मेदारी में सोसायटी की परिसम्पतियों की सुरक्षा के लिए विभिन्न अधिनियमों के प्रावधानों के अनुसार लेखाओं के पर्याप्त रिकार्डों का रखरखाव करना तथा धोखाधड़ियों एवं अन्य अनियमितताओं की रोकथाम एवं संसूचनय समुचित लेखांकन नीतियों का चयन एवं प्रयोगय ऐसे निर्णय लेना तथा अनुमान लगाना जो यथोचित एवं विवेकपूर्ण हों तथा पर्याप्त आन्तरिक वित्तीय नियंत्रण कार्यान्वयन एवं अनुरक्षण करना, जो लेखांकन रिकार्डों की शुद्धता एवं पूर्णता का सुनिश्चय करने के लिए प्रभावी रूप से चल रहे हैं तथा जो वित्तीय विवरण तैयार करने और प्रस्तुत करने के लिए प्रासंगिक हो जो किसी प्रकार के तथ्यात्मक गलत विवरण, चाहे धोखाधड़ी के कारण या गलती से हो, से मुक्त हो शामिल हैं।

लेखा–परीक्षकों की जिम्मेदारी

हमारी जिम्मेदारी हमारी लेखा–परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय देनी है। हमने लेखांकन तथा लेखा–परीक्षा के मानकों तथा ऐसे मामलों पर ध्यान दिया है जो अधिनियम के प्रावधानों के अन्तर्गत लेखा–परीक्षा रिपोर्ट में शामिल करना अपेक्षित है।

हमने लेखांकन के मानकों के अनुसार अपनी लेखा–परीक्षा की है। मानकों में अपेक्षा की गई है कि हम नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन करें तथा लेखा–परीक्षा की योजना एवं निष्पादन इस प्रकार करें कि एक यथार्थ आश्वासन प्राप्त किया जाए कि वितीय विवरण तथ्यात्मक गलत विवरण से मुक्त है।

लेखा–परीक्षा में वित्तीय विवरणों में राशि तथा प्रकटनों के बारे में लेखा–परीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने की कार्यात्मक कार्यपद्धति शामिल होती है। चयन की जाने वाली कार्यपद्धति लेखा–परीक्षक के निर्णय पर निर्भर करेगी, जिसमें वित्तीय विवरणों के तथ्यात्मक गलत विवरण, चाहे धोखाधड़ी के कारण या गलती से, के जोखिम का मूल्यांकन शामिल होता है। इन जोखिम मूल्यांकनों को करने में लेखा–परीक्षक वित्तीय विवरण को तैयार करने से संबद्ध आन्तरिक वित्तीय नियंत्रणों पर विचार करता है जो लेखा की कार्यपद्धति तैयार करने के लिए एक सही एवं स्पष्ट चित्र प्रस्तुत करता है जो परिस्थितियों के लिए समुचित हों लेकिन यह राय व्यक्त करने के लिए नहीं है कि चाहे सोसायटी में वित्तीय रिपोर्टिंग के मामले में पर्याप्त आन्तरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली उपलब्ध है तथा ऐसे नियंत्रणों के प्रचालन की प्रभावशीलता कितनी है। प्रयोग में लाई गई लेखांकन नीतियों की यथार्थता और सोसायटी के प्रबंध वर्ग द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों के औचित्य का मूल्यांकन करना, और साथ ही वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन करना भी लेखा परीक्षा में शामिल है।

हमारा विश्वास है कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखा–परीक्षा साक्ष्य वित्तीय विवरणों पर हमारी लेखा–परीक्षा की राय व्यक्त करने के आधार के लिए पर्याप्त और समुचित है।

सापेक्ष राय

हमारी राय में तथा हमारी सर्वोत्तम सूचना और हमे दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार उपर्युक्त वित्तीय विवरण अधिनियम द्वारा वांछित सूचना इस प्रकार प्रस्तुत करते हैं कि ये भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धान्तों के अनुसरण में सही एवं स्पष्ट चित्र प्रस्तुत करते हैं:

क) तुलन पत्र के मामले में, सोसायटी के 31 मार्च 2017 के अनुसार कार्य की स्थिति तथा
ख) आय तथा व्यय लेखा के मामले में, उस तिथि को समाप्त वर्ष में अतिशेष तथा
ग) प्राप्ति एव भुगतान लेखा के मामले में, उस तिथि को समाप्त वर्ष की प्राप्तियाँ एवं भुगतान।

ध्यान देने योग्य बिन्दु

हम इन बिन्दुओं पर ध्यान आकर्षित करते हैं: अनुपयुक्त एवं संदेहास्पद ऋणों के लिए प्रावधानों के संबंध में अनुसूची 25 की बिंदु संख्या 3, अनुसूची 25 में राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर से संबधित बिन्दु सं. 5 (क), (ख), (ग), (घ), (ड), (च), (छ), (ज), अनुसूची 25 में देनदारों तथा लेनदारों के शेष की पुष्टि एवं मिलान के संबंध में बिन्दु सं. 9।

लेकिन उपर्युक्त के मामले में हमारी राय सापेक्ष नहीं है।

कृते बी.डी. गुप्ता एण्ड एसोसिएटस
शासपत्रित लेखाकार
(फर्म पंजीकरण नम्बर 016041एन)

सीए भगवान दास गुप्ता
(भागीदार)
(सदस्य संख्या 086260)

स्थान: दिल्ली
दिनांक: 20.07.2017

दिल्ली: 217, ध्रुव अपार्टमेंट, 4 आई.पी. एक्सटेंशन, पटपड़गंज, दिल्ली–110092 / नोएडा: ए–85, सेक्टर–50, नोएडा, उत्तर प्रदेश–201301
गुरूग्राम : 777, सेक्टर–39, नीयर साइबर पार्क, गुरूग्राम–122001 / मुम्बई: बी–402, इल्डोरा सीएचएस, हीरानंदनी गार्डेनस, हीरानंदनी हॉस्पीटल के पास, पवई, मुम्बई–400076 फोन : 011–22724123, 011–43306167
वेबसाईट : bdguptaandassociates.com, bdgupta.associates@gmail.com, bdguptaca@gmail.com

तुलन–पत्र

31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार

(राशि रुपए में)

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
देयताएँ			
समेकित / पूँजीगत निधि	1	5,34,91,94,040	4,77,71,93,968
सहायता अनुदान	2	2,76,36,16,810	2,35,85,06,206
सहायता अनुदान (ख) प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्त निधि	2-A	19,17,07,148	1,73,14,75,679
आरक्षित एवं अतिशेष	3	17	16
इयरमार्क्ड / एनडाउमेंट निधि	4	3,25,99,43,311	2,83,69,57,470
सुरक्षित ऋण एवं उधारी	5	-	-
असुरक्षित ऋण एवं उधारी	6	-	-
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	7	2,67,55,10,042	2,65,13,72,700
योग		**14,23,99,71,368**	**14,35,55,06,039**
परिसम्पत्तियाँ			
स्थिर परिसम्पत्तियाँ	8	1,13,24,40,497	61,58,70,820
स्थिर परिसम्पत्तियाँ–प्रायोजित परियोजनाए	8-A	15,25,14,071	11,57,43,074
स्थिर परिसम्पत्तियाँ– संस्था की अतिशेष पूँजी से	8-B	9,20,11,144	5,49,29,562
पूँजीगत निर्माणाधीन कार्य	9	1,49,55,27,440	1,16,03,67,053
इयरमार्क्ड / एनडाउमेंट निधि का निवेश	10	2,78,83,50,147	2,52,48,21,917
अन्य निवेश	11	0	96,23,51,211
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण, पेशगियाँ आदि	12	8,57,91,28,069	8,92,14,22,402
योग		**14,23,99,71,368**	**14,35,55,06,039**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	24	-	-
लेखाओं पर टिप्पणियाँ	25		

हमारी इसी तारीख की लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
कृते बी.डी. गुप्ता एण्ड एसोसिएटस
शासपत्रित लेखाकार
एफआरएन –016041एन

B.D. GUPTA & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS, DELHI FRN 016041N

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 20.07.2017

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

(सीए भगवान दास गुप्ता)
(भागीदार)
(एम. सं. 086260)

तुलन–पत्र

31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार

(राशि रुपए में)

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष नाइलिट	वर्तमान वर्ष एनपीआर परियोजना	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष नाइलिट	गत वर्ष एनपीआर	गत वर्ष
देयताएँ							
समेकित/पूँजीगत निधि	1	2,64,40,72,396	2,70,51,21,644	**5,34,91,94,040**	2,07,22,56,914	2,70,49,37,054	**4,77,71,93,968**
सहायता अनुदान	2	2,76,36,16,810	-	**2,76,36,16,810**	2,35,85,06,206	-	**2,35,85,06,206**
सहायता अनुदान (ख) प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्त निधि	2-A	19,17,07,148	-	**19,17,07,148**	1,73,14,75,679	-	**1,73,14,75,679**
आरक्षित एवं अतिशेष	3	17	-	**17**	16	-	**16**
इयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि	4	1,14,43,78,327	2,11,55,64,984	**3,25,99,43,311**	1,04,33,56,852	1,79,36,00,618	**2,83,69,57,470**
सुरक्षित ऋण एवं उधारी	5	-	-	-	-	-	-
असुरक्षित ऋण एवं उधारी	6	-	-	-	-	-	-
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	7	1,18,66,50,197	1,48,88,59,845	**2,67,55,10,042**	1,16,64,80,268	1,48,48,92,432	**2,65,13,72,700**
योग		**7,93,04,24,895**	**6,30,95,46,473**	**14,23,99,71,368**	**8,37,20,75,935**	**5,98,34,30,104**	**14,35,55,06,039**
परिसम्पत्तियाँ							
स्थिर परिसम्पत्तियाँ– सहायता अनुदान	8	1,13,24,40,497	-	**1,13,24,40,497**	61,58,70,820	-	**61,58,70,820**
स्थिर परिसम्पत्तियाँ– प्रायोजित परियोजनाएँ	8-A	15,21,28,914	3,85,157	**15,25,14,071**	11,52,56,634	4,86,440	**11,57,43,074**
स्थिर परिसम्पत्तियाँ– संस्था की अतिशेष पूँजी से	8-B	9,20,11,144	-	**9,20,11,144**	5,49,29,562	-	**5,49,29,562**
पूँजीगत निर्माणाधीन कार्य	9	1,49,55,27,440	-	**1,49,55,27,440**	1,16,03,67,053	-	**1,16,03,67,053**
इयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि का निवेश	10	67,27,85,163	2,11,55,64,984	**2,78,83,50,147**	73,12,21,299	1,79,36,00,618	**2,52,48,21,917**
अन्य निवेश	11	-	-	-	96,23,51,211	-	**96,23,51,211**
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण, पेशगियाँ इत्यादि	12	4,38,55,31,737	4,19,35,96,332	**8,57,91,28,069**	4,73,20,79,356	4,18,93,43,046	**8,92,14,22,402**
योग		**7,93,04,24,895**	**6,30,95,46,473**	**14,23,99,71,368**	**8,37,20,75,935**	**5,98,34,30,104**	**14,35,55,06,039**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	24	-	-	-	-	-	-
लेखाओं पर टिप्पणियाँ	25						

हमारी इसी तारीख की लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
कृते बी.डी. गुप्ता एण्ड एसोसिएटस
शासपत्रित लेखाकार
एफआरएन –016041एन

B. D. GUPTA & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS, DELHI FRN 016041N

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 20.07.2017

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

(सीए भगवान दास गुप्ता)
(भागीदार)
(एम. सं. 086260)

आय तथा व्यय लेखा

31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष

(राशि रुपए में)

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
आय			
सेवाओं से आय	13	88,99,54,184	84,75,47,449
अनुदान/इमदाद	14	18,03,02,221	14,64,54,497
शुल्क/अंशदान	15	1,05,60,67,542	86,32,66,192
परियोजनाओं से आय	16	96,82,06,553	92,52,49,354
प्रकाशनों की बिक्री से आय	17	46,66,920	1,82,75,312
अर्जित ब्याज	18	27,16,69,818	27,19,11,439
टाउनशिप से प्राप्तियाँ	19	10,96,958	23,73,100
विविध आय	20	19,37,01,488	15,67,08,324
योग (क)		**3,56,56,65,684**	**3,23,17,85,667**
व्यय			
स्थापना व्यय	21	68,03,35,095	62,29,11,307
अन्य प्रशासनिक व्यय	22	49,96,71,571	43,55,74,592
परियोजनाओं पर व्यय	23	76,09,16,491	62,44,81,152
सेवाओं पर व्यय	23	71,36,63,819	71,09,91,488
स्थिर परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास– जीआईए में से	22	15,38,59,752	11,54,51,969
स्थिर परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास –अधिशेष में से	22	2,83,60,470	1,09,45,435
योग (ख)		**2,83,68,07,198**	**2,52,03,55,943**
व्यय से अधिक आय के रूप में शेष (क – ख)		72,88,58,486	71,14,29,724
एण्डाउमेंट निधि को अन्तरित ब्याज		8,75,89,680	8,52,35,505
अधिशेष के रूप में शेष को समेकित निधि/पूँजीगत निधि में ले जाया गया		**64,12,68,806**	**62,61,94,219**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	24		
लेखाओं पर टिप्पणियाँ	25		

हमारी इसी तारीख की लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
कृते बी.डी. गुप्ता एण्ड एसोसिएटस
शासपत्रित लेखाकार
एफआरएन –016041एन

B. D. GUPTA & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS, DELHI FRN 016041N

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 20.07.2017

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

(सीए भगवान दास गुप्ता)
(भागीदार)
(एम. सं. 086260)

आय तथा व्यय लेखा

31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष

(राशि रुपए में)

विवरण	अनुसूची	नाइलिट	एनपीआर परियोजना	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष नाइलिट	गत वर्ष एनपीआर	गत वर्ष
आय							
सेवाओं से आय	13	88,99,54,184	-	88,99,54,184	84,75,47,449	-	84,75,47,449
अनुदान/इमदाद	14	18,03,02,221	-	18,03,02,221	14,64,54,497	-	14,64,54,497
शुल्क/अंशदान	15	1,05,60,67,542	-	1,05,60,67,542	86,32,66,192	-	86,32,66,192
परियोजनाओं से आय	16	96,66,93,494	15,13,059	96,82,06,553	68,74,15,076	23,78,34,278	92,52,49,354
प्रकाशनों की बिक्री से आय	17	46,66,920	-	46,66,920	1,82,75,312	-	1,82,75,312
अर्जित ब्याज	18	27,09,99,471	6,70,347	27,16,69,818	26,98,15,506	20,95,933	27,19,11,439
टाउनशिप से प्राप्तियाँ	19	10,96,958	-	10,96,958	23,73,100	-	23,73,100
विविध आय	20	19,37,01,488	-	19,37,01,488	15,66,86,292	22,032	15,67,08,324
योग (क)		**3,56,34,82,278**	**21,83,406**	**3,56,56,65,684**	**2,99,18,33,424**	**23,99,52,243**	**3,23,17,85,667**
व्यय							
स्थापना व्यय	21	67,87,81,949	15,53,146	68,03,35,095	62,14,83,186	14,28,121	62,29,11,307
अन्य प्रशासनिक व्यय	22	49,93,27,184	3,44,387	49,96,71,571	43,46,12,356	9,62,236	43,55,74,592
परियोजनाओं पर व्यय	23	76,09,16,491	-	76,09,16,491	45,10,39,341	17,34,41,811	62,44,81,152
सेवाओं पर व्यय	23	71,36,63,819	-	71,36,63,819	71,09,91,488	-	71,09,91,488
स्थिर परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास–सहायता अनुदान	22	15,37,58,469	1,01,283	15,38,59,752	11,52,78,862	1,73,107	11,54,51,969
स्थिर परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास–अधिशेष से	22	2,83,60,470	-	2,83,60,470	1,09,45,435	-	1,09,45,435
योग (ख)		**2,83,48,08,382**	**19,98,816**	**2,83,68,07,198**	**2,34,43,50,668**	**17,60,05,275**	**2,52,03,55,943**
व्यय से अधिक आय के रूप में शेष (क – ख)		72,86,73,896	1,84,590	72,88,58,486	64,74,82,756	6,39,46,968	71,14,29,724
घटाइएः एण्डाउमेंट निधि को अन्तरित ब्याज		8,75,89,680	-	8,75,89,680	8,52,35,505	-	8,52,35,505
अधिशेष के रूप में शेष को समेकित/पूँजीगत निधि में ले जाया गया		**64,10,84,216**	**1,84,590**	**64,12,68,806**	**56,22,47,251**	**6,39,46,968**	**62,61,94,219**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	24						
लेखाओं पर टिप्पणियाँ	25						

हमारी इसी तारीख की लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
कृते बी.डी. गुप्ता एण्ड एसोसिएटस
शासपत्रित लेखाकार
एफआरएन –016041एन

B. D. GUPTA & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS, DELHI FRN 016041N

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 20.07.2017

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

(सीए भगवान दास गुप्ता)
(भागीदार)
(एम. सं. 086260)

अनुसूची 1 :

समेकित/पूँजीगत निधि

31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची (राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
आय तथा व्यय समायोजन खाता		
वर्ष के आरम्भ में शेष	4,62,61,95,968	4,07,39,26,937
जोड़िए/घटाइए : मुख्यालय के अतिशेष से केन्द्रों को अन्तरित	(1,12,21,000)	-
घटाइए : दिल्ली केन्द्र के लिए भवन निधि को अन्तरित	(5,00,00,000)	(6,50,00,000)
घटाइए : चिहनित निधियों में स्थानांतरित (पुरस्कार, एससी/एसटी स्टाफ कल्याण निधियाँ इत्यादि)	(1,05,00,000)	(25,25,000)
जोड़िए/घटाइए : अन्य पूर्व अवधि समायोजन	1,06,32,993	18,54,070
घटाइए : उपदान एवं छुट्टी नकदीकरण निधि	(50,79,625)	(82,54,258)
जोड़िए/घटाइए : संचित बजट का उपयोग	-	-
जोड़िए/घटाइए : सहायता अनुदान केन्द्रों से निधि का स्थानानतरण	(31,01,102)	-
जोड़िएः व्यय/(आय) से अधिक आय/(व्यय)	**64,12,68,806**	**62,61,94,219**
योग क	5,19,81,96,040	4,62,61,95,968
नाइलिट योजना के अतिशेष जारी		
अथ शेष योग ख	**15,09,98,000**	**15,09,98,000**
वर्ष के अन्त में शेष योग क + ख	**5,34,91,94,040**	**4,77,71,93,968**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 2 :

सहायता अनुदान

31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची (राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
मुख्य कार्यकलापों के लिए सहायता अनुदान–क बजटीय स्रोत		
केन्द्र सरकार से सहायता अनुदान		
अथ शेष	1,95,49,44,142	1,49,27,53,485
जोडिए: ब्याज पूँजीकृत	39,57,101	41,34,164
जोडिए: इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग से प्राप्त योजनागत अनुदान/केन्द्रों द्वारा वापस	-	5,00,00,000
जोड़िए : नए केन्द्रों के लिए योजनागत अनुदान	41,26,73,312	53,72,93,628
घटाइए : मुख्यालय को लौटाई गई राशि	(6,16,91,999)	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त निधियाँ (योजना)	-	-
घटाइए : आवर्ती व्यय के लिए राजस्व को अन्तरित	(3,24,86,448)	-
जोड़िए/(घटाइए) : वर्ष के दौरान प्रयुक्त/पूँजीकृत/अन्य केन्द्रों को अन्तरित	(30,78,757)	(1,36,91,188)
जोड़िए/घटाइए : समायोजन	(1,63,12,520)	(2,67,085)
घटाइए : मूल्यह्रास वापस किया गया	(15,20,78,154)	(11,52,78,862)
31.03.17 को इति शेष	**2,10,59,26,677**	**1,95,49,44,142**
नाइलिट केन्द्रों के इंट्रानेट की स्थापना	-	8,03,67,699
जोड़िए : इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग से प्राप्त	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान ब्याज	-	4,02,149
घटाइए : इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को वापसी	-	(37,02,235)
घटाइए : केन्द्रों को वितरित निधि	-	(7,70,67,613)
31.03.17 को इति शेष	**-**	**-**
सहायता अनुदान (विस्तार केन्द्र)		**-**
अथ शेष	30,03,31,281	11,72,39,662
वर्ष के दौरान इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग से प्राप्त योजनागत अनुदान	34,70,23,635	23,65,33,000
गत वर्षों की स्थिर परिसम्पत्तियों के लिए योजनागत अनुदान	-	1,30,00,000
जोड़िए : अर्जित ब्याज/अन्य स्रोतो से आय	4,80,399	16,31,899
जोड़िए : पाठ्यक्रमों से आय	-	-
घटाइए : आस्थगित राजस्व व्यय वापस किया गया	(32,50,741)	(26,10,473)
घटाइए : मुख्यालय को लौटाई गई	(1,60,51,564)	(1,00,03,000)
घटाइए : पूर्व अवधि समायोजन	(45,00,044)	(11,75,644)
घटाइए : आवर्ती व्यय एवं सहायता अनुदान योजना भिन्न को अन्तरित	(6,84,56,077)	(3,91,01,119)
घटाइए : मूल्यह्रास वापस किया गया	(1,64,46,181)	(1,51,83,044)
31.03.17 को इति शेष	**53,91,30,708**	**30,03,31,281**
भवन के लिए सहायता अनुदान – अथ शेष	8,86,68,711	4,17,39,412
घटाइए : किराया	(15,299)	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त	1,56,84,000	4,69,29,299
31.03.17 को इति शेष	**10,43,37,412**	**8,86,68,711**
सूचना प्रौद्योगिकी विभाग से पट्टा किराया के लिए अनुदान	**3,15,625**	**47,45,000**
वर्ष के दौरान प्रयुक्त	(3,15,625)	(44,29,375)
31.03.17 को इति शेष	**-**	**3,15,625**

जारी है...

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 2 :

सहायता अनुदान

31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची (राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
राज्य सरकार से सहायता अनुदान	-	-
अथ शेष	1,41,56,446	1,42,01,195
जोड़िए : पूँजीकृत निधियाँ/ब्याज	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त	-	-
घटाइए : मूल्यह्रास वापस किया गया	(24,434)	(44,749)
31.03.17 को इति शेष	**1,41,32,012**	**1,41,56,446**
अन्यों से सहायता अनुदान		
अथ शेष	90,001	90,001
	-	
31.03.16 को इति शेष	**90,001**	**90,001**
वर्ष के अन्त में शेष	**2,76,36,16,810**	**2,35,85,06,206**

टिप्पणी:-i) सहायता अनुदान के अथशेष में गत वर्षों के वापस लाए गए मूल्यह्रास तथा गत वर्षों में पूँजीगत निधि से अन्य समायोजन शामिल हैं।

ii) केन्द्रों को जारी अतिशेष निधियों की राशि समेकित निधि में अन्तरित की गई है।

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 2क :

प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्त सहायता–अनुदान (ख) निधियां

31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
प्रायोजित परियोजनाओं के लिए प्राप्त सहायता अनुदान (ख)		
डोनर परियोजना		
अथ शेष	16,47,832	16,82,919
वर्ष के दौरान प्राप्त	-	-
घटाइए: प्रयोग में लाई गई/लौटाई गई निधि	-	-
घटाइए: मूल्यह्रास वापस लाया गया	-	(35,087)
वर्ष के अन्त में शेष (क)	**16,47,832**	**16,47,832**
डीआईटी एवं केन्द्र सरकार की परियोजनाएँ	-	-
अथ शेष	1,71,96,79,411	1,46,89,10,798
जोडिए: परियोजना के लिए प्राप्त निधि	1,12,89,82,788	1,34,19,18,515
गत वर्षों की स्थिर परिसम्पत्तियों के लिए योजनागत निधियाँ	2,80,07,959	12,58,000
जोड़िए : वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज	4,40,65,584	9,20,92,163
अन्य संवर्धन: फीस/पेशगियाँ आदि	6,94,56,906	66,53,358
घटाइए: प्रयुक्त/वितरित/वापस की गई निधियाँ	(2,77,59,59,588)	(1,17,35,36,203)
घटाइए : परियोजना आय को अन्तरित व्यय	(42,56,626)	(3,57,351)
जोड़िए/घटाइए: मूल्यह्रास वापस लाया गया	(2,46,21,683)	(1,72,59,869)
परियोजना पूरी होने तक निधियो का शेष (ख)	**18,53,54,751**	**1,71,96,79,411**
अन्य परियोजनाएँ	-	-
अथ शेष	42,28,610	12,16,031
जोडिए: वर्ष के दौरान प्राप्त/अन्तरित निधि	8,19,300	1,11,46,022
घटाइए: आवर्ती एवं पूँजीगत व्यय/वापसी	(10,90,935)	(79,64,812)
घटाइए: मूल्यह्रास वापस लाया गया	(2,54,310)	(1,68,631)
परियोजना पूरी होने तक निधियो का शेष (ग)	**37,02,665**	**42,28,610**
(राज्य सरकार की परियोजनाएँ)	-	-
अथ शेष	59,19,826	59,11,797
जोडिए: वर्ष के दौरान प्राप्त निधि	4,73,330	25,71,278
जोडिए: वर्ष के दौरान निवेश से ब्याज/आय	-	-
घटाइए: मूल्यह्रास वापस लाया गया	-	-
घटाइए: आवर्ती व्यय/प्रयुक्त निधि	(53,91,256)	(25,63,249)
परियोजना पूरी होने तक निधियो का शेष (घ)	**10,01,900**	**59,19,826**
राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर	-	-
अथ शेष	-	-
वर्ष के दौरान प्राप्त	-	-
केन्द्रों को अन्तरित	-	-
जोड़िए : परियोजनाओं से आय	-	-
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए : पूँजीगत/आवर्ती व्यय	-	-
घटाइए : एपीआर खाते को अन्तरित (अलग खाता रखे जाने के कारण)	-	-
31.03.17 को वर्ष के अन्त में शेष (ङ)	-	-
योग (क+ख+ग+घ+ङ)	**19,17,07,148**	**1,73,14,75,679**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 3 :

समेकित/पूँजीगत निधि

31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
पूँजीगत आरक्षित निधि*	17	16
सामान्य आरक्षण	-	-
आय तथा व्यय लेखा के अनुसार अतिशेष/(कमी)	-	-
योग	**17**	**16**

* निःशुल्क रूप में प्राप्त परिसम्पत्तियों के संबंध में

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 4 :

इयरमार्क्ड / एनडाउमेंट निधियां

31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
क. निधियों का अथ शेष		
भवन निधि	71,25,91,095	66,53,88,207
जोड़िए: वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	3,42,25,750	2,78,04,880
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	1,93,98,008
घटाइए : वर्ष के दौरान प्रयुक्त निधि	-	-
वर्ष के अन्त में कुल निधियाँ	**74,68,16,845**	**71,25,91,095**
पाठसामग्री विकास निधि	18,73,393	43,49,705
जोड़िए: वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
घटाइए : वर्ष के दौरान प्रयुक्त निधि	-	(29,68,490)
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	4,43,677	4,34,802
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	57,376
वर्ष के अन्त में कुल निधियाँ	**23,17,070**	**18,73,393**
अ.जा / अ.ज.जा, विकलांग एवं महिला छात्रवृत्ति निधि	21,75,138	49,09,845
जोड़िए: वर्ष के दौरान संवर्धन	50,00,000	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	39,842	6,405
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	5,34,888
घटाइए : प्रावधान / प्रयुक्त निधियाँ / वितरण	(39,22,000)	(32,76,000)
उपलब्ध शेष निधियाँ	**32,92,980**	**21,75,138**
पुरस्कार निधि	24,60,881	(64,119)
जोड़िए: वर्ष के दौरान संवर्धन	15,00,000	25,25,000
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	30,861	-
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए : प्रावधान / प्रयुक्त निधियाँ	-	-
उपलब्ध शेष निधियाँ	**39,91,742**	**24,60,881**
मानव संसाधन विकास के लिए अनुसंधान एवं विकास निधि	4,41,43,585	4,06,04,503
जोड़िए: वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	34,62,352	21,78,208
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	13,60,874
घटाइए : प्रावधान / प्रयुक्त निधियाँ	-	-
उपलब्ध शेष निधियाँ	**4,76,05,937**	**4,41,43,585**
आईईसीटी के उदीयमान क्षेत्रों में पाठ्यक्रमों के पाठ्यविषय का विकास	3,42,65,782	4,18,85,595
जोड़िए: वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	32,33,206	27,50,903
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	5,13,535
घटाइए : प्रावधान / प्रयुक्त निधियाँ	(71,98,828)	(1,08,84,251)
उपलब्ध शेष निधियाँ	**3,03,00,160**	**3,42,65,782**

जारी है...

अनुसूची 4 :

इयरमार्क्ड / एनडाउमेंट निधियां

31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
प्रशिक्षण एवं नाइलिट के कार्मिकों का पुनः प्रशिक्षण	3,59,65,860	3,29,15,131
जोड़िए : वर्ष के दौरान संबंर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	52,99,026	30,91,769
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए : प्रावधान / प्रयुक्त निधियाँ	(10,27,949)	(41,040)
उपलब्ध शेष निधियाँ	**4,02,36,937**	**3,59,65,860**
उपदान एवं छुट्टी नकदीकरण निधि	4,00,43,637	3,06,22,508
जोड़िए : वर्ष के दौरान संबंर्धन	50,79,625	89,54,258
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	9,84,080	6,41,423
जोड़िए : अर्जित ब्याज	2,08,355	5,25,447
उपलब्ध शेष निधियाँ	**4,63,15,697**	**4,07,43,636**
चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति निधि	41,37,482	38,01,378
जोड़िए : वर्ष के दौरान संबंर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	3,31,864	1,35,646
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	2,00,458
उपलब्ध शेष निधियाँ	**44,69,346**	**41,37,482**
दिल्ली केन्द्र के लिए भवन निधि	16,50,00,000	10,00,00,000
जोड़िए : वर्ष के दौरान संबंर्धन	5,56,82,496	2,00,00,000
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	-	11,50,00,000
जोड़िए : अर्जित ब्याज	(56,82,496)	(7,00,00,000)
उपलब्ध शेष निधियाँ	**21,50,00,000**	**16,50,00,000**
एनपीआर / आरजीआई निधि (ब्याज)	1,36,76,22,700	1,20,02,34,224
वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	2,14,42,24,903	1,86,14,15,021
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	9,95,74,073
घटाइए: एनपीआर परियोजना खाते में अन्तरित	(1,39,62,82,619)	(1,36,76,22,700)
उपलब्ध शेष निधियाँ	**2,11,55,64,984**	**1,79,36,00,618**
स्टाफ कल्याण निधि		
जोड़िए : अतिरिक्त शेष से ब्याज	40,00,000	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त व्याज	31,613	-
शेष उपलब्ध निधि	**40,31,613**	**-**
वर्ष के अंत में कुल शेष	**3,25,99,43,311**	**2,83,69,57,470**

हस्ता / –
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता / –
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 5 :

सुरक्षित ऋण तथा उधारियाँ

31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची (राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
बैंक से सावधि ऋण (वाहन को बंधक में रखने पर सुरक्षित)	-	-
अनुसूचित बैंक से नकद उधारी	-	-
अनुसूचित बैंकों में नकद जमा पर अर्जित ब्याज एवं प्राप्य	-	-
अन्य संस्थान एवं एजेंसियाँ	-	-
अन्य संस्थान एवं एजेंसियाँ	-	-
योग	**-**	**-**

अनुसूची 6 :

सुरक्षित ऋण तथा उधारियाँ

31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची (राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
भारत सरकार से ऋण	-	-
राज्य सरकार से ऋण	-	-
अन्यों से ऋण	-	-
डिमाण्ड नकद उधारी	-	-
ऋण पर अर्जित ब्याज एवं प्राप्य	-	-
योग	**-**	**-**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 7 :

वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान

31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
(क) वर्तमान देयताएँ		
1. फुटकर लेनदार		
कम्प्यूटर तथा उपस्कर	1,66,77,069	1,15,84,054
आपूर्तिकर्ता	7,92,25,491	3,69,89,291
सेवाएँ	32,49,46,891	28,57,67,878
2. प्राप्त सुरक्षा जमा राशि		
आपूर्तिकर्ता एवं अन्य	6,77,92,281	5,20,25,106
बयाना राशि/प्रतिधारण राशि	28,97,38,440	28,69,18,292
जमानती राशि/पुस्तकालय सुरक्षा	2,26,28,629	2,14,69,910
प्रतिधारण राशि दण्ड	32,07,13,824	32,09,64,021
3. प्राप्त पेशगियाँ		
विद्यार्थियों से	6,01,80,748	6,08,35,103
अन्यों से	7,37,17,336	10,78,73,979
आरजीआई से	52,72,76,622	52,72,76,622
जम्मू तथा कभमीर के स्कूली भिक्षा विभाग से	16,48,50,000	21,79,23,000
आरजीआई से	-	-
4. व्यय की देयताएँ		
संचित ब्याज–सरकारी ऋण	-	-
संचित ब्याज–वित्तीय संस्थान	-	-
संचित ब्याज–अन्य	-	-
देयताएँ–अन्य व्यय	22,54,62,004	19,50,56,817
5. कर्मचारियों को देय वेतन, मजदूरी तथा अन्य दावे		
देय वेतन तथा मजदूरी	3,22,12,384	2,95,57,351
कर्मचारियों को देय अन्य दावे	51,97,337	32,39,693
अनुबंध पर कर्मचारियों के वेतन तथा मजदूरी	2,82,87,413	1,28,32,647
6. निधियों में अंशदान		
कर्मचारियों का अनिवार्य अंशदान–(सीपीएफ/ईपीएफ)	60,85,249	59,11,990
कर्मचारियों का स्वैच्छिक अंशदान–सीपीएफ	68,398	88,113
अनुबंध पर कर्मचारियों का अंशदान–पीएफ	16,70,520	9,47,430
संस्था का अंशदान–सीपीएफ/ईपीएफ	95,54,941	67,82,783
ऋण की वसूली	25,983	32,079

जारी है...

अनुसूची 7 :

वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान

31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
7. जमा नहीं होने तक वेतन से वसूलियाँ		
वेतन पर आयकर	29,63,351	28,08,912
जीवन/सामूहिक बीमा प्रीमियम	85,259	65,442
रोजगार/व्यावसायिक कर	6,73,697	3,68,872
प्रतिनियुक्ति पर आए व्यक्तियों से वसूली	25,425	-
वेतन से अन्य वसूलियाँ	11,23,334	5,15,772
सामूहिक बीमा	7,569	55,192
8. अन्य देयताएँ	-	-
ठेकेदारो/पेशेवरों/किराए से काटा गया आयकर	53,47,304	14,06,323
देय परीक्षा व्यय–ओ/ए/बी/सी	45,85,262	23,76,370
प्रत्यायन व्यय देय	91,957	97,280
परीक्षा व्यय देय – सीसीसी	80,86,949	22,91,538
चेक जारी/फटे–पुराने चेक	56,53,806	80,47,492
वापसी योग्य परीक्षा शुल्क	3,56,429	3,64,429
अन्य देय व्यय	7,17,82,637	4,24,59,023
लेखा–परीक्षक को देय राशि	6,25,368	5,39,657
वेतन पर टीडीएस	1,42,048	1,60,359
सेवा कर देय	29,10,670	(2,18,742)
केन्द्रीय बिक्री कर एवं वैट	11,442	1,32,976
केन्द्रों/विस्तार केन्द्रों/क्षेत्रीय कार्यालयो/एनपीआर परियोजना/नाइलिट को देय राशि	1,16,74,689	3,33,37,917
अन्तर–केन्द्र पटना आरसी	-	1,24,95,705
चण्डीगढ़ केन्द्र दिल्ली जनशक्ति	-	-
विस्तार केन्द्र की देयताएँ एवं प्रावधान	-	-
सूचना–सामग्री विकास के लिए पेशगी	1,85,000	1,85,000
योग (क)	**2,37,26,43,756**	**2,29,15,65,676**
(ख) प्रावधान		
कराधान के लिए प्रावधान	-	-
बोनस के लिए प्रावधान	1,06,591	71,149
निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य के लिए प्रावधान	-	-
खर्च व अन्य के लिए प्रावधान	7,08,537	82,87,454
छुट्टी वेतन के लिए प्रावधान	19,58,12,435	17,79,94,419
उपदान के लिए प्रावधान	21,30,34,330	18,51,96,553
घटाइएः एलआईसी सामूहिक उपदान योजना द्वारा वित्तपोषित	(10,67,95,607)	(1,17,42,551)
योग (ख)	**30,28,66,286**	**35,98,07,024**
योग (क) + (ख)	**2,67,55,10,042**	**2,65,13,72,700**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 8 :

स्थिर परिसम्पत्तियों के विवरण

31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	अवमूल्यन दर	सकल मालियत				मूल्यह्रास				सकल मालियत	
		वर्ष के आरम्भ में लागत 01.04.16 को	वर्ष के दौरान बढोतरी	वर्ष के दौरान कटौती	वर्ष के अंत में लागत मूल्य	वर्ष के आरम्भ में	वर्ष के दौरान बढोतरी	वर्ष के दौरान समायोजन / कटौती	वर्ष के अन्त तक योग	वर्तमान वर्ष के अन्त में	गत वर्ष के अन्त में
1. भूमि											
क) फ्री होल्ड		5	-	-	5	-	-	-	-	5	6
ख) पट्टाकृत		33,000	-	-	33,000	-	-	-	-	33,000	33,000
2. भवन		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
क) फ्री होल्ड	10%	60,82,50,162	29,76,00,241	(81,50,106)	89,77,00,297	24,05,32,076	-	(40,24,615)	23,65,07,461	60,93,35,212	36,77,18,086
ख) पट्टाकृत		8,99,585	29,17,73,752	-	29,26,73,337	2,95,990	5,18,57,624	-	5,21,53,614	26,31,59,925	2,03,128
ग) स्वामित्व फ्लैट / परिसर		1	-	-	1	-	2,92,17,422	-	2,92,17,422	1	1
घ) बिना स्वत्व की भूमि पर सुपर स्ट्रक्चर	10%	8,57,23,715	3,76,39,974	-	12,33,63,689	5,84,10,606	-	-	5,84,10,606	5,87,36,565	2,73,13,109
3. संयंत्र तथा मशीनरी एवं उपस्कर	15%	8,54,02,294	-	-	8,54,02,294	6,63,38,660	62,16,518	-	7,25,55,178	1,62,04,089	1,90,63,634
4. वाहन	15%	1,13,05,724	-	-	1,13,05,724	72,95,852	28,59,545	-	1,01,55,397	34,08,391	40,09,872
5.फर्नीचर तथा फिक्सचर	10%	11,32,25,250	1,27,25,261	-	12,59,50,511	5,62,52,854	6,01,481	-	5,68,54,335	6,30,71,257	5,69,72,396
6. कार्यालय उपस्कर	15%	9,35,14,939	1,02,78,405	-	10,37,93,344	4,80,37,105	66,26,400	-	5,46,63,505	4,86,93,966	4,54,77,834
7.कम्प्यूटर तथा पेरिफरल (सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर)	60%	39,08,10,797	2,33,99,899	(7,97,690)	41,34,13,006	33,75,55,110	70,62,273	-	34,46,17,383	3,42,08,564	5,32,55,687
8. विद्युत प्रतिष्ठापन	15%	4,55,57,205	1,98,830	-	4,57,56,035	2,84,47,284	4,16,49,332	-	7,00,96,616	1,47,47,655	1,71,09,921
9. पुस्तकालय एवं पुस्तकें	60%	4,57,39,102	8,69,293	(2,809)	4,66,05,586	4,46,48,051	25,61,096	(2,809)	4,72,06,338	3,69,903	10,91,051
10. टयूबवेल जल आपूर्ति एवं भूमि विकास	15%	50,71,642	-	-	50,71,642	34,98,853	15,90,441	-	50,89,294	14,15,509	19,73,256
11. इंटरनेट सम्पर्क	15%	-	-	-	-	-	1,57,280	-	1,57,280	-	-
12. वातानुकूलन यत्र	10%	74,09,813	-	-	74,09,813	38,96,043	-	-	38,96,043	29,86,703	35,13,771
13. प्रयोगशाला उपस्कर	15%	5,32,79,582	5,90,873	-	5,38,70,455	3,69,58,116	5,27,067	-	3,74,85,183	1,43,78,194	1,63,21,466
14. अन्य स्थिर परिसम्पत्तियाँ	15%	30,42,611	1,74,800	-	32,17,411	12,28,010	25,34,145	-	37,62,155	16,91,556	18,14,601
15. यूएनडीपी उपस्कर	15%	1	-	-	1	-	2,97,845	-	2,97,845	1	1
16. सडक एवं पुलिया		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
17. गैस सिलिंडर	60%	72,534	-	-	72,534	72,533	-	-	72,533	1	-
योग		**1,54,93,37,962**	**67,52,51,328**	**(89,50,605)**	**2,21,56,38,685**	**93,34,67,143**	**15,37,58,469**	**(40,27,424)**	**1,08,31,98,188**	**1,13,24,40,497**	**61,58,70,820**

हस्ता / –

(राजीव तलवार)

मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता / –

(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)

महानिदेशक

अनुसूची 8 क :

स्थिर परिसम्पत्तियों के विवरण (प्रायोजित परियोजनाएँ)

31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	अवमूल्यन दर	सकल मालियत				मूल्यह्रास				सकल मालियत	
		वर्ष के आरम्भ में लागत 01.04.16 को	वर्ष के दौरान बढोतरी	वर्ष के दौरान कटौती	वर्ष के अंत में लागत मूल्य	वर्ष के आरम्भ में	वर्ष के दौरान बढोतरी	वर्ष के दौरान समायोजन/ कटौती	वर्ष के अन्त तक योग	वर्तमान वर्ष के अन्त में	गत वर्ष के अन्त में
1. भूमि											
क) फ्री होल्ड		5	1	-	6	-	-	-	-	6	5
ख) पट्टाकृत		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2. भवन		-	-	-		-	-	-		-	
क) फ्री होल्ड	10%	1,04,15,834	2,11,73,044	-	3,15,88,878	4,70,407	5,22,257	-	9,92,664	3,05,96,214	99,45,427
ख) पट्टाकृत		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ग) स्वामित्व फ्लैट/परिसर		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
घ) बिना स्वत्व की भूमि पर सुपर स्ट्रक्चर	10%	58,45,930	-	-	58,45,930	33,21,777	2,52,415	-	35,74,192	22,71,738	25,24,153
3. संयंत्र तथा मशीनरी एवं उपस्कर	15%	89,70,448	3,26,700	-	92,97,148	27,75,574	9,65,795	-	37,41,369	55,55,779	61,94,874
4. वाहन	15%	18,71,460	6,05,712	-	24,77,172	8,36,435	2,46,110	-	10,82,545	13,94,627	10,35,025
5. फर्नीचर तथा फिक्सचर	10%	2,57,99,428	38,84,875	(4,41,200)	2,92,43,103	71,10,028	20,84,920	-	91,94,948	2,00,48,155	1,86,89,399
6. कार्यालय उपस्कर	15%	3,95,56,628	1,56,50,955	(1,599)	5,52,05,984	1,58,01,040	52,50,202	-	2,10,51,242	3,41,54,742	2,37,55,588
7. कम्प्यूटर तथा पेरिफरल (सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर)	60%	11,86,48,458	1,55,06,540	-	13,41,54,998	9,11,88,715	2,41,60,307	-	11,53,49,022	1,88,05,976	2,74,59,744
8. विद्युत प्रतिष्ठापन	15%	40,20,610	79,080	-	40,99,690	24,21,675	2,51,703	-	26,73,378	14,26,312	15,98,935
9. पुस्तकालय एवं पुस्तकें	60%	59,31,123	5,70,036	-	65,01,159	54,06,665	7,51,128	-	61,57,793	3,43,366	5,24,458
10. टयूबवेल जल आपूर्ति एवं भूमि विकास	15%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
11. इंटरनेट सम्पर्क	15%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12. वातानुकूलन यत्र	10%	1,42,900	1,38,095	-	2,80,995	29,765	37,684	-	67,449	2,13,546	1,13,135
13. प्रयोगशाला उपस्कर	15%	3,02,06,676	1,80,98,590	-	4,83,05,266	70,94,704	58,07,351	-	1,29,02,055	3,54,03,211	2,31,11,972
14. अन्य स्थिर परिसम्पत्तियाँ	15%	8,72,676	34,35,401	-	43,08,077	82,317	19,25,361	-	20,07,678	23,00,399	7,90,359
15. यूएनडीपी उपस्कर	15%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
16. सडक एवं पुलिया		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग		**25,22,82,176**	**7,94,69,029**	**(4,42,799)**	**33,13,08,406**	**13,65,39,102**	**4,22,55,233**	**-**	**17,87,94,335**	**15,25,14,071**	**11,57,43,074**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 8 ख :

स्थिर परिसम्पत्तियों के विवरण (अतिशेष निधियों से सृजित)

31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	अवमूल्यन दर	सकल मालियत				मूल्यह्रास				सकल मालियत	
		वर्ष के आरम्भ में लागत 01.04.16 को	वर्ष के दौरान बढोतरी	वर्ष के दौरान कटौती	वर्ष के अंत में लागत मूल्य	वर्ष के आरम्भ में	वर्ष के दौरान बढोतरी	वर्ष के दौरान समायोजन/ कटौती	वर्ष के अन्त तक योग	वर्तमान वर्ष के अन्त में	गत वर्ष के अन्त में
1. भूमि											
क) फ्री होल्ड		21,62,860	-	-	21,62,860	-	-	-	-	21,62,860	21,62,859
ख) पट्टाकृत		1,24,02,545	-	-	1,24,02,545	-	-	-	-	1,24,02,545	1,24,02,545
2. भवन		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
क) फ्री होल्ड	10%	1,05,06,383	60,74,785	-	1,65,81,168	55,77,235	10,83,536	-	66,60,771	99,20,397	49,29,148
ख) पट्टाकृत		12,00,481	-	-	12,00,481	8,95,335	30,515	-	9,25,850	2,74,631	3,05,146
ग) स्वामित्व फ्लैट/परिसर		36,20,947	-	-	36,20,947	28,33,656	78,729	-	29,12,385	7,08,562	7,87,291
घ) बिना स्वत्व की भूमि पर सुपर स्ट्रक्चर	10%	39,93,323	-	-	39,93,323	19,31,495	2,06,183	-	21,37,678	18,55,645	20,61,828
3. संयंत्र तथा मशीनरी एवं उपस्कर	15%	83,56,802	14,94,429	-	98,51,231	26,67,256	10,37,256	-	37,04,512	61,46,719	56,89,546
4. वाहन	15%	30,98,864	-	-	30,98,864	15,72,425	2,28,966	-	18,01,391	12,97,473	15,26,439
5.फर्नीचर तथा फिक्सचर	10%	2,45,84,181	24,46,956	-	2,70,31,137	1,29,23,954	13,32,426	-	1,42,56,380	1,27,74,757	1,16,60,227
6. कार्यालय उपस्कर	15%	89,61,296	32,81,989	-	1,22,43,285	47,78,194	9,61,598	-	57,39,792	65,03,493	41,83,102
7. कम्प्यूटर तथा पेरिफरल (सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर)	60%	6,55,82,704	5,02,47,761	-	11,58,30,465	6,04,69,341	2,17,29,769	-	8,21,99,110	3,36,31,355	51,13,362
8. विद्युत प्रतिष्ठापन	15%	11,19,029	2,14,836	-	13,33,865	6,78,850	88,249	-	7,67,099	5,66,766	4,40,179
9. पुस्तकालय एवं पुस्तकें	60%	40,30,595	7,73,794	-	48,04,389	38,42,432	7,19,230	-	45,61,662	2,42,727	1,88,163
10. टयूबवेल जल आपूर्ति एवं भूमि विकास	15%	7,93,495	-	-	7,93,495	4,64,539	32,896	-	4,97,435	2,96,060	3,28,956
11. इंटरनेट सम्पर्क	15%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12. वातानुकूलन यत्र	10%	20,13,898	-	-	20,13,898	13,50,036	99,580	-	14,49,616	5,64,282	6,63,862
13. प्रयोगशाला उपस्कर	15%	76,57,156	18,000	-	76,75,156	52,89,705	3,57,818	-	56,47,523	20,27,633	23,67,451
14. अन्य स्थिर परिसम्पत्तियाँ	15%	4,38,397	8,89,500	-	13,27,897	3,18,939	3,73,719	-	6,92,658	6,35,239	1,19,458
15. यूएनडीपी उपस्कर	15%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
16. सडक एवं पुलिया		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
17. गैस सिलिंडर	60%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग		**16,05,22,956**	**6,54,42,050**	**-**	**22,59,65,006**	**10,55,93,392**	**2,83,60,470**	**-**	**13,39,53,862**	**9,20,11,144**	**5,49,29,562**

हस्ता/–

(राजीव तलवार)

मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–

(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)

महानिदेशक

अनुसूची 9 :

निर्माणाधीन पूँजी

31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची (राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य	-	-
i) कार्यालय एवं आवासीय भवनों का निर्माण	1,10,50,85,370	98,75,61,130
ii) सिविल परामर्श सेवा	13,00,74,346	82,19,342
iii) आनुषंगिक व्यय	20,17,788	1,82,077
iv) दिल्ली केन्द्र के लिए भवन का निर्माण	25,83,49,936	16,44,04,504
योग	**1,49,55,27,440**	**1,16,03,67,053**

अनुसूची 10 :

इयरमार्क्ड/एन्डाउमेंट निधियों से निवेश

31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची (राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	-	-
अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ	-	-
शेयर	-	-
डिबेंचर तथा बॉण्ड	-	-
अन्य (बैंक ऑफ इण्डिया में सावधि जमा)	-	-
एनपीआर/आरजीआई एफडीआर का सृजन	2,11,55,64,984	1,79,36,00,618
भवन निधि – मुख्यालय	37,93,17,469	51,60,20,609
भवन निधि दिल्ली केन्द्र	2,40,89,054	1,50,00,000
पाठ्यसामग्री विकास निधि	23,50,000	60,57,322
अ.जा/अ.ज.जा, शारीरिक रूप से विकलांग तथा महिला छात्रवृत्ति निधि	37,00,000	60,33,276
पुरस्कार निधि	40,00,000	-
स्टाफ कल्याण निधि	40,00,000	-
एचआडी निधि के लिए अ.व वि.	4,76,22,163	4,28,00,228
आईईसीटी के उदीयमान क्षेत्रों में पाठ्यक्रम के पाठ्यविषय के विकास के लिए निधि	3,04,85,301	3,44,17,905
नाइलिट निधि के कर्मचारियों का प्रशिक्षण तथा पुनः प्रशिक्षण निधि	4,00,59,402	3,66,09,758
चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति निधि–एफडीआर	42,72,016	39,37,024
उपदान तथा छुट्टी नकदीकरण निधि एफडीआर	13,28,89,758	7,03,45,177
TOTAL	**2,78,83,50,147**	**2,52,48,21,917**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 11 :

निवेश – अन्य

31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	-	-
अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ	-	-
शेयर	-	-
सामूहिक उपदान (भारतीय जीवन बीमा निगम की योजना)	-	9,23,51,211
डिबेंचर तथा बॉण्ड	-	-
सहायक कम्पनियाँ तथा संयुक्त उद्यम	-	-
अन्य	-	-
एनपीआर/आरजीआई एफडीआर का सृजन	-	-
पंचायती राज एफडीआर	-	-
ग्रामीण भारत में कम्प्यूटर पाठ्यक्रम एफडीआर	-	-
आरएण्डएम, आईटी कुशलता तथा आईटीईएस–बीपीओ एफडीआर	-	-
एनईआर में आईईसीटी का प्रशिक्षण एफडीआर	-	-
एसएफआईएओ–एफडीआर	-	-
ईएसडीएम क्षेत्र में कुशलता विकास चरण–2 एफडीआर	-	76,00,00,000
पटना केन्द्र की स्थापना एफडीआर	-	8,00,00,000
अगरतला केन्द्र की स्थापना एफडीआर	-	3,00,00,000
राइलिट अजमेर की स्थापना एफडीआर		
योग	**-**	**96,23,51,211**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 12 :

वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण, अग्रिम, आदि

31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
क. वर्तमान परिसम्पत्तियाँ		
1. वर्तमान परिसम्पत्तियाँ		
फुटकर देनदार – आपूर्तिकर्ताओं के लिए	26,67,634	15,70,454
फुटकर देनदार – सेवाओं के लिए	34,46,85,479	29,18,06,178
फुटकर देनदार – अन्य	2,76,75,542	1,66,45,604
फुटकर देनदार – केन्द्र	-	-
संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान	(1,48,12,509)	(1,75,73,877)
फुटकर देनदार – आरजीआई	98,79,49,478	98,62,09,459
2. पास में स्टॉक (लेखन–सामग्री एवं प्रकाशन)	16,73,184	18,83,363
3. पास में नकद शेष		
पास में नकदी (परियोजना सहित)	37,537	1,01,337
पास में अग्रदाय राशि	5,000	5,000
पास में स्टाम्प	10	102
मार्गस्थ चेक/डीडी भुगतान	1,91,51,025	-
पास में चेक/ड्राफ्ट	17,21,717	220
4. बैंक में शेष		
चालू खाता	10,07,03,203	35,28,72,998
बचत खाता	25,73,91,802	99,73,62,612
अल्पावधि जमा	3,62,97,27,187	3,36,53,87,698
दीर्घावधि जमा	1,62,03,63,444	1,53,57,78,988
सहायता अनुदान निधि के लिए दीर्घावधि जमा	-	5,42,12,400
जमा राशि पर अर्जित ब्याज	25,21,73,457	31,98,78,092
दीर्घावधि जमा (ईएमडी)	10,000	10,000
इयरमार्क्ड निवेश पर अर्जित ब्याज	1,52,72,709	2,19,32,882
सहायता अनुदान निधि पर अर्जित ब्याज	-	1,25,56,551
5. अन्य वर्तमान परिसम्पत्तियाँ	-	-
बिक्री कर/वैट इनपुट क्रेडिट	72,78,113	1,31,16,711
डीआईटी से प्राप्य अ.जा/अ.ज.जा फीस कंसेशन	29,69,73,909	13,36,37,189
वसूलीयोग्य फीस/आय	11,78,24,890	9,56,42,564
योग (क)	**7,66,84,72,811**	**8,18,30,36,525**
ख. ऋण, पेशगियाँ आदि		
1. ऋण	-	-
कर्मचारियों को भवन निर्माण ऋण	13,25,369	14,70,600
कर्मचारियों को मोटर कार/स्कूटर ऋण	14,025	19,125
कर्मचारियों को अन्य ऋण	-	5,747
बाहरी संस्थानों को ऋण	2,166	27,441
ऋण पर अर्जित ब्याज	1,65,295	1,54,772
सीपीएफ निधि को अग्रिम भुगतान	-	-

जारी है.....

अनुसूची 12 :

वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण, अग्रिम, आदि

31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
2. वसूली योग्य पेशगियाँ		
जमा कार्यों के लिए पेशगियाँ	19,13,38,666	7,89,57,453
अन्य स्थिर परिसम्पत्तियों के लिए पेशगियाँ	1,12,11,960	2,41,62,720
आपूर्तिकर्ताओं को पेशगियाँ	12,40,47,179	12,92,15,067
अन्य को पेशगियाँ–बाहरी	21,87,06,055	50,70,08,291
घटाइए : अन्यों के लिए प्रावधान	-	(29,69,98,275)
कर्मचारियों को त्यौहार पेशगी	2,01,965	2,47,415
यात्रा पेशगी	3,17,041	4,10,815
कर्मचारियों को अन्य पेशगियाँ	4,02,539	5,46,405
परीक्षा अधीक्षकों को पेशगियाँ–ओ/ए/बी/सी स्तर	6,24,203	1,84,306
परीक्षा अधीक्षकों को पेशगियाँ–बायो/सीसीसी	1,76,744	11,14,852
परीक्षा अधीक्षकों को पेशगियाँ–बीयूडीए	1,02,357	1,02,357
व्यय के लिए अस्थायी पेशगियाँ	4,62,733	4,44,649
कर्मचारियों से वसूली योग्य राशि	1,85,876	1,42,424
पार्टियों/केन्द्रों से वसूली योग्य राशि	5,06,07,551	6,53,71,058
स्रोत पर काटा गया आयकर	29,23,25,479	20,87,02,276
पूर्व प्रदत्त व्यय	27,44,456	13,97,853
सुरक्षा जमा	99,98,233	94,42,115
क्षेत्रीय कार्यालय/शाखा कार्यालय को पेशगियाँ	10,00,000	19,183
डिजिटल लाइब्रेरी के लिए केन्द्रों को पेशगी	1,44,297	1,44,297
एसटीपीआई को प्रदत्त लीज़होल्ड किराया	-	-
ईएसडीएम परियोजना से वसूली योग्य राशि	-	-
अन्य चालू परिसम्पत्तियाँ (पूर्वोत्तर परियोजना)	-	-
3 विविध व्यय तथा हानि	-	-
आस्थगित राजस्व व्यय	45,51,069	61,46,447
4. अन्तर केन्द्र लेखा	-	-
क) आइजॉल	-	-
ख) औरंगाबाद	-	45,94,726
ग) कालीकट केन्द्र	-	-
घ) चण्डीगढ़ केन्द्र	-	17,19,053
ङ) चेन्नै केन्द्र	-	-
च) गोरखपुर केन्द्र	-	11,13,98,380
छ) गंगटोक केन्द्र	-	(1,97,063)
ज) इम्फाल केन्द्र	-	-
झ) श्रीनगर/जम्मू केन्द्र	-	96,675
ञ) कोलकाता	-	18,97,171
ट) राइलिट कोहिमा	-	25,894
ठ) नाइलिट केन्द्र शिलांग	-	50,672
ड) राइलिट अगरतला	-	6,643
ढ) गुवाहाटी/ तेजपुर केन्द्र	-	1,10,20,222
ण) ईटानगर केन्द्र	-	10,94,266
त) नाइलिट मुख्यालय	-	1,56,64,016
थ) नाइलिट दिल्ली	-	69,864
द) नाइलिट पटना	-	-
ध) राँची	-	(8,45,917)
न) लखनऊ	-	-
प) नाइलिट अजमेर	-	-
फ) नाइलिट रोपड	-	-
ब) नाइलिट श्रीकाकुलम	-	5,84,650
भ) एनपीआर	-	(14,72,32,768)
योग (ख)	**91,06,55,258**	**73,83,85,877**
योग (क) + (ख)	**8,57,91,28,069**	**8,92,14,22,402**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 13 :

सेवाओं से आय

31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
परामर्श सेवाएँ / व्यावसायिक शुल्क		
परामर्श शुल्क	57,50,738	26,14,654
आईआरडीए परीक्षा	38,45,730	32,54,480
एवीएसईसी / बीसीएएस परीक्षा	13,76,605	13,50,250
वेबसाइट अनुरक्षण / प्रयोगशाला अनुरक्षण	24,80,640	42,01,065
एसएफआईओ प्रयोगशाला की स्थापना	-	1,87,160
डीईआईटीवाई की भर्ती परीक्षा का आयोजन	9,40,065	3,97,866
आयोजित ऑनलाइन परीक्षा फीस	3,27,624	4,29,574
कार्पोरेट प्रशिक्षण	10,18,813	5,13,609
कम्प्यूटर किराए पर लेना (इग्नू के लिए)	-	23,840
डेटा संसाधन सेवाएँ	-	-
कृषि जनगणना	7,90,000	71,71,702
पीएसईबी तथा अन्य	12,80,91,446	10,91,97,615
जनशक्ति सेवाएँ प्रदान किया जाना	74,53,32,523	71,82,05,634
योग	**88,99,54,184**	**84,75,47,449**

अनुसूची 14 :

अनुदान / इमदाद

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
अनुदान – एमईआईटीवाई		
योजना–भिन्न – सामान्य	5,76,00,000	5,26,00,000
अनुदान – एमईआईटीवाई से भिन्न	-	-
योजना से अन्तरण / आवर्ती व्यय के लिए इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग से प्राप्त (विस्तार केन्द्र तथा परियोजना मोड के अन्तर्गत)	12,18,82,921	9,11,46,997
राज्य सरकार–मॉडल केरियर काउंसिल सेंटर	8,19,300	5,81,400
पट्टा किराया खाते में सहायता अनुदान का अन्तरण	-	21,26,100
योग	**18,03,02,221**	**14,64,54,497**

हस्ता / –
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता / –
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 15 :

फीस/अंशदान

31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
1. दीर्घावधि पाठ्यक्रमों के आयोजन से आय		
औपचारिक पाठ्यक्रम (विश्वविद्यालय से संबद्ध)	-	-
पाठ्यक्रम शुल्क	-	-
बी.टेक	63,63,900	59,80,450
एम.टेक	1,29,18,925	1,51,82,051
बीसीए	1,75,76,803	2,34,53,660
एमसीए	1,04,15,686	1,70,24,812
अन्य (एमसीआरपी)/पीएचडी	2,28,76,642	2,95,73,497
स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम/मैट्रिकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम	72,17,238	28,04,263
पंजीकरण तथा अन्य शुल्क	-	-
बी.टेक	52,51,397	4,83,650
एम.टेक	14,17,982	1,74,100
बीसीए	1,70,680	74,430
एमसीए	1,08,160	48,750
अन्य (पीजीडीसीए)/पीएचडी/डीईपीएम	11,27,703	3,70,225
परीक्षा शुल्क	-	-
बी.टेक	2,56,637	1,73,250
एम.टेक	1,42,395	1,26,500
बीसीए	5,55,190	9,54,980
एमसीए	-	2,47,550
अन्य (डीईपीएम)	14,24,312	9,46,072
अनौपचारिक पाठ्यक्रम (विश्वविद्यालय से असंबद्ध)		
पाठ्यक्रम शुल्क		
ओ स्तर	6,67,25,023	8,43,92,674
ए स्तर	82,23,009	1,28,84,728
बी स्तर	27,000	1,84,665
सी स्तर	-	-
मैट ओ स्तर	23,40,914	29,58,551
जैव सूचना–विज्ञान	27,421	1,52,000
हार्डवेयर पाठ्यक्रम	41,93,813	1,02,61,929
अन्य (पीजीडीसीए, डीईटीई तथा डीसीएसई)	50,08,597	2,13,27,577
पंजीकरण तथा अन्य शुल्क		
ओ स्तर	3,13,18,250	2,22,99,815
ए स्तर	11,01,700	13,35,475
बी स्तर	94,500	1,22,500
सी स्तर	68,269	1,37,094
मैट ओ स्तर	9,515	36,760
जैव सूचना–विज्ञान	5,799	5,000
हार्डवेयर पाठ्यक्रम	16,10,708	18,09,780
पुनः पंजीकरण/आई–कार्ड तथा अन्य	3,64,269	2,42,230

जारी है.....

अनुसूची 15 :

फीस/अंशदान

31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
परीक्षा शुल्क/परीक्षा शुल्क का अंश		
ओ स्तर	6,94,38,800	6,37,99,658
ए स्तर	73,99,600	1,05,67,697
बी स्तर	9,26,500	13,96,500
सी स्तर	2,44,587	2,65,029
मैट ओ स्तर	45,100	4,93,973
जैव सूचना–विज्ञान	-	11,770
हार्डवेयर पाठ्यक्रम	39,50,900	49,06,886
ओ/ए/बी स्तर के लिए संसाधन/प्रैक्टिकल शुल्क	1,34,50,300	1,26,14,440
अन्य (पीजीडीसीए, डीईटीई तथा डीसीएसई)	75,900	75,525
परीक्षाओं से अन्य प्राप्तियाँ		
परियोजना शुल्क	3,95,737	4,99,018
छूट शुल्क	1,909	3,100
पुनःयोग शुल्क तथा अन्य	30,468	35,700
सेमेस्टर परीक्षी केन्द्र शुल्क	-	3,82,623
अल्पावधि पाठ्यक्रमों से आय (एक वर्ष से कम अवधि)		
पाठ्यक्रम शुल्क		
एसीसी (कम्प्यूटर अवधारणाओं में जागरूकता)	77,60,556	4,00,400
बीसीसी (मूलभूत कम्प्यूटर पाठ्यक्रम)	19,48,517	27,49,321
सीसीसी	7,81,06,496	3,24,94,472
ईसीसी (विशेषज्ञ कम्प्यूटर पाठ्यक्रम)	-	1,20,87,997
विशेष रूप से निर्मित अल्पावधि पाठ्यक्रम (प्रशिक्षण, आईटीईएस)	21,81,63,541	18,27,94,836
पंजीकरण तथा अन्य शुल्क		
एसीसी (कम्प्यूटर अवधारणाओं में जागरूकता)	3,93,841	6,000
बीसीसी (मूलभूत कम्प्यूटर पाठ्यक्रम)	-	900
सीसीसी	14,00,809	3,45,797
ईसीसी (विशेषज्ञ कम्प्यूटर पाठ्यक्रम)	41,48,865	-
आन्तरिक पंजीकरण शुल्क, ईएसडीएम प्रभार आदि	27,86,541	11,74,927
परीक्षा शुल्क/परीक्षा शुल्क का अंश	1,09,660	-
बीसीसी (मूलभूत कम्प्यूटर पाठ्यक्रम)	35,84,056	94,09,696
सीसीसी	39,45,85,480	24,46,85,544
ईसीसी (विशेषज्ञ कम्प्यूटर पाठ्यक्रम)	-	9,500
सीसीसी प्लस	-	4,050
बीसीएएस/ऑनलाइन परीक्षा संसाधन शुल्क, ईएसडीएम प्रभार, यूडीएके/जेयूडीए आदि	1,37,25,409	27,59,543
प्रत्यायन शुल्क	-	2,579
अनन्तिम प्रत्यायन शुल्क		
ओ स्तर	23,98,760	34,09,676
ए स्तर	1,38,603	1,00,000
बी स्तर	-	50,000
अनन्तिम प्रत्यायन का विस्तार सभी स्तर	29,96,692	11,00,000
सभी अनन्तिम एसीसीआर का संसाधन शुल्क	56,492	15,05,493
हार्डवेयर ओ स्तर	15,000	13,85,296

जारी है.....

अनुसूची 15 :

फीस/अंशदान

31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
पूर्ण प्रत्यायन शुल्क		
ओ स्तर	6,66,852	4,80,000
ए स्तर	2,50,633	66,000
पूर्ण प्रत्यायन का विस्तार सभी स्तर	17,07,009	11,22,000
ईएसडीएम	25,58,749	20,06,544
अन्य – एसीसीआर शुल्क	-	5,35,108
नाम/पता में परिवर्तन सभी स्तर	1,50,511	1,66,000
प्रत्यायन का नवीवीकरण सभी स्तर	3,37,895	4,41,000
प्रत्यायन का विलम्ब शुल्क	1,85,701	99,000
आस्थगित मामले	47,429	30,000
अतिरिक्त/कम शुल्क एसीसीआर	2,000	9,94,005
परिवर्तनशील एसीसीआर शुल्क/	46,38,533	23,97,820
एसीसीआर–सीसीसी (सुविधा प्रभार)	83,00,674	76,31,751
योग	**1,05,60,67,542**	**86,32,66,192**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 16 :

परियोजनाओं से आय

31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
सरकार द्वारा प्रायोजित परियोजनाएँ (एमईआईटीवाई से भिन्न)	-	-
पंचायती राज परियोजनाएँ	-	1,14,55,356
एनसीपीयूएल	19,88,33,890	20,43,69,111
एचपी स्कूल परियोजनाएँ	11,25,23,637	14,73,01,689
अन्य	54,58,277	1,01,09,745
एमईआईटीवाई परियोजनाएँ	-	-
ईएसडीएम परियोजनाएँ	61,99,571	49,32,558
ई–विद्या परियोजनाएँ	28,31,218	-
आईटी कुशलता/ग्रामीण जनता के लिए आईटी में प्रशिक्षण	51,25,849	-
एनईआर क्षेत्र में आईईसीटी में प्रशिक्षण	-	-
चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला	22,52,057	22,96,686
आईटी आईटीईएस–बीपीओ में प्रशिक्षण	-	-
महिलाओं का प्रशिक्षण/अल्पसंख्यक समुदाय का प्रशिक्षण	-	-
ग्रामीण भारत में महिला अधिकारिता	6,156	7,34,247
ई–शासन में क्षमता निर्माण/क्षमता निर्माण कूच बिहार/ईपीडीपीटी	3,46,03,062	2,60,52,059
साइबर फोरेन्सिक प्रयोगशाला/साइबर सुरक्षा जागरूकता परियोजना/आईएसईए	1,27,18,442	1,62,54,476
जीवन प्रमाण परियोजना	-	7,300
एसएमडीपी एवं आईसीडीयू (जयराज–यूके)	89,99,774	10,35,308
संयुक्त परियोजना नाइलिट, सीएलटीअमृता विश्व विद्यापीठ एवं सीएससी वीएलई (पीकेएस)	1,97,23,228	53,11,492
डीजीईएण्डटी–ओएमआर शीट स्कैनिंग	3,96,90,512	3,35,42,373
अनुसूचित जाति/जनजाति को प्रतिपूर्ति	1,24,63,430	1,37,14,116
एनबीसीएफडीसी कुशलता विकास पाठ्यक्रम	-	63,20,380
एंटी स्पॅम समन्वय परियोजना	9,40,453	-
डिजीटल जागरूकता कार्यक्रम	51,627	-
डीजीधन मेला	5,93,781	-
अन्य (एसएफआईओ,डीएलएम/आईआईटी मुम्बई/आईसीटी परियोजना/बीएसडीएम/माडल करियर साइबर ग्राम योजना	1,69,58,609	58,56,169
राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित	22,23,000	1,24,85,790
स्मार्ट कक्षा कक्ष	24,21,66,518	-
बीएडीपी के अर्न्तगत कौशल विकास	11,79,500	-
जेआईसीए परियोजना	3,92,574	-
कर्मचारी प्रशिक्षण परियोजना (ईटीपी)	1,82,67,850	1,13,96,949
कौशल विकास	-	1,51,20,000
अपनी परियोजनाएँ	5,12,57,174	8,77,29,321
लोक सेवा आयोग	7,70,000	12,90,118
राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मिशन (एनडीएलएम)	7,25,62,463	2,20,67,002
मास्टर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	13,16,453	2,59,627
मूल्यह्रास वापस लाया गया	4,16,21,687	3,26,91,380
विस्तार केन्द्र से आय–पूर्वोत्तर परियोजना	1,41,80,116	1,50,81,824
एनपीआर	4,22,95,645	23,78,34,278
योग	**96,82,06,553**	**92,52,49,354**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 17 :

प्रकाशनों की बिक्री से आय

31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
विवरण पुस्तिका की बिक्री	-	6,04,812
ओ स्तर	4,92,190	5,88,500
ए स्तर	3,300	5,600
ओ स्तर–हार्डवेयर	-	3,000
बीसीए	33,300	83,180
एमसीए	7,200	31,850
अन्य (एम.टेक)/पीएचडी	6,14,257	4,49,870
पाठ्यविवरण की बिक्री		
ओ स्तर	39,455	1,880
परीक्षा फार्म की बिक्री		
ओ/ए/बी/सी स्तर	-	26,070
बीसीसी/सीसीसी	33,39,050	1,64,54,320
अन्य वस्तुओं की बिक्री		
प्रकाशनों की बिक्री–मुख्यालय/अन्य केन्द्र/हार्डवेयर पाठ्यक्रम	1,38,168	26,230
रायल्टी से आय	-	-
योग	**46,66,920**	**1,82,75,312**

अनुसूची 18 :

अर्जित ब्याज

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
सावधि जमा पर	16,16,78,483	16,23,66,295
बचत खातों पर	1,32,88,752	1,46,92,672
कर्मचारी ऋण पर	66,263	368
अन्य – आयकर आदि से प्राप्तियाँ	91,47,258	94,53,120
ईयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि पर	8,74,89,062	8,53,98,984
योग	**27,16,69,818**	**27,19,11,439**

अनुसूची 19 :

टाउनशिप से प्राप्तियाँ

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
किराया प्राप्तियाँ	8,10,819	21,41,604
जल प्रभार की वसूली	1,28,388	33,900
विद्युत प्रभार की वसूली	1,57,751	1,32,630
टाउनशिप से अन्य प्राप्तियाँ	-	64,966
योग	**10,96,958**	**23,73,100**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 20 :

विविध प्राप्तियाँ

31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
विविध आय	1,00,06,484	87,16,174
कार्यशाला प्राप्ति	2,24,430	3,16,937
अतिथि गृह/छात्रावास प्राप्तियाँ	59,86,621	60,91,788
अन्य फुटकर प्राप्तियाँ	24,71,241	21,00,834
योग (क)	**1,86,88,776**	**1,72,25,733**
गैर प्रचालन आय		
गत वर्षों से संबंधित आय	22,44,817	1,49,63,224
स्थिर परिसम्पत्तियों की बिक्री से लाभ	-	56,516
असाधारण वस्तुओं से आय	32,50,741	26,10,473
गत वर्ष का मूल्यह्रास	-	-
अतिरिक्त प्रावधान वापस लाया गया	1,62,87,740	68,38,983
अनुदान की परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास	15,30,79,907	11,52,78,862
योग (ख)	**17,48,63,205**	**13,97,48,058**
अन्तिम स्टॉक		
तैयार वस्तुओं तथा निर्माणाधीन कार्य के स्टॉक में बढ़ोतरी/कमी	1,08,451	-
भण्डार, अतिरिक्त–पुर्जे, खपत योग्य वस्तुएँ तथा संघटक–पुर्जे	41,056	(2,65,467)
योग (ग)	**1,49,507**	**(2,65,467)**
कुल योग (क)+(ख)+(ग)	**19,37,01,488**	**15,67,08,324**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 21 :

स्थापना व्यय

31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	वर्तमान वर्ष
1. कर्मचारियों की परिलब्धियाँ		
वेतन तथा मजदूरी	50,32,45,790	44,95,13,194
समयोपरि भत्ता/अवकाश दिवस क्षतिपूर्ति	4,39,032	1,94,031
बोनस/अनुग्रह राशि	15,43,210	10,18,579
प्रतिनियुक्ति पर आए कर्मचारियों के लिए छुट्टी वेतन तथा पेंशन अंशदान	-	-
अतिथि शिक्षकों को मानदेय	4,52,917	6,93,731
प्रशिक्षार्थियों को छात्रवृत्ति	-	-
2. कर्मचारियों को लाभ		
चिकित्सा प्रभार – प्रतिपूर्ति	3,49,68,490	3,08,70,837
छुट्टी यात्रा रियायत	50,60,416	14,79,351
प्रोत्साहन योजनाओं के अन्तर्गत भुगतान	-	-
छुट्टी का नकदीकरण	5,29,631	2,88,88,403
कर्मचारियों को अन्य लाभ[]	68,18,223	32,62,439
सामूहिक/उपदान बीमा प्रीमियम	36,24,854	22,40,677
सीपीएफ पर ब्याज	84,916	-
संतान शिक्षा भत्ता/ट्यूशन फीस की प्रतिपूर्ति	60,15,265	47,72,195
मेसिंग तथा प्रति दिन भत्ता	11,50,857	11,11,050
3. निधियों में संस्था का अंशदान		
भविष्य निधि में अंशदान	4,88,12,572	4,40,79,466
उपदान निधि में अंशदान	3,82,53,657	5,30,10,847
छुट्टी के नकदीकरण के लिए प्रावधान तथा अन्य	2,93,35,265	17,76,507
परियोजना निधि को अन्तरित व्यय	-	-
योग	**68,03,35,095**	**62,29,11,307**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 22 :

अन्य प्रशासनिक व्यय

31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
1. कर्मचारी कल्याण व्यय		
कैन्टीन पर व्यय	73,66,434	89,04,070
अन्य कल्याणकारी व्यय	52,22,609	41,77,404
2. मुख्यालय द्वारा नाइलिट योजना के कार्यान्वयन से व्यय	6,79,79,748	4,53,74,312
मानदेय व्यय	8,40,173	4,30,100
नाइलिट पाठ्यक्रमों पर किया गया व्यय	2,64,509	-
3. किराया महसूल एवं कर		
परिसर का किराया	4,99,42,932	4,98,19,337
भवन के सेवा प्रभार	47,78,369	39,75,721
विद्युत एवं जल प्रभार	2,31,20,120	2,02,00,205
4. बीमा		
कार्यालय का बीमा	11,02,428	5,05,617
वाहन बीमा	3,23,145	3,64,650
अन्य बीमा	63,823	1,67,396
5. मरम्मत तथा अनुरक्षण		
उपस्कर	1,09,21,347	88,61,409
कार्यालय एवं आवास भवन	1,61,77,294	1,30,79,888
वाहन	13,81,605	17,28,531
अन्य/स्थिर परिसम्पत्तियाँ	37,02,014	19,35,738
6. यात्रा व्यय		
अन्तर्देशीय	1,43,37,454	1,33,41,737
विदेश	3,87,802	20,59,996
वाहन प्रभार प्रतिपूर्ति	6,82,742	6,57,137
यात्रा व्यय –अन्य	3,65,371	1,58,079
यात्रा व्यय	78,174	2,34,072
7. विज्ञापन एवं प्रचार–प्रसार		
टेंडर आमंत्रण	18,40,474	8,08,974
भर्ती	6,96,682	22,57,012
बिक्री संवर्धन एवं प्रचार–प्रसार	86,14,345	99,74,476
प्रदर्शनी एवं मण्डप	7,17,808	8,73,744
अन्य बिक्री संवर्धन व्यय	4,24,720	4,57,505
कार्यशाला व्यय	30,71,740	18,31,044
8. कार्यालय व्यय		
पुस्तकें एवं पत्र–पत्रिकाएँ	8,21,486	10,96,043
डाक एवं तार	36,80,031	56,52,183
कोरियर एवं माल भाडा	1,08,950	2,25,805

जारी है.....

अनुसूची 22 :

अन्य प्रशासनिक व्यय

31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
टेलीफोन/इंटरनेट प्रभार	97,67,344	1,00,11,667
खरीदी गई पाठ सामग्रियाँ एवं विकास	1,40,352	3,32,987
मुद्रण एवं लेखन–सामग्री	1,07,54,624	95,15,859
वाहन चालन व्यय	9,96,962	11,74,321
आतिथेयता व्यय	13,58,104	13,52,471
कर्मचारियों की वर्दी	10,824	20,969
विधायी/व्यावसायिक/परामर्श सेवा शुल्क व्यय	30,42,378	29,37,070
जनशक्ति व्यय	8,19,02,651	6,00,86,097
9. विविध व्यय		
लेखा–परीक्षा शुल्क	9,63,886	10,96,523
अन्य हैसियत में लेखा परीक्षकों को भुगतान	4,23,917	3,65,443
अनुसंधान संस्थानों/आईईईई पुस्तकालय को अंशदान	27,311	21,01,846
कार्मिकों एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण	29,33,756	79,31,470
सॉफ्टवेयर विकास पर व्यय	18,82,132	34,20,690
सेमीनार एवं पाठ्यक्रमों के विकास पर व्यय	8,10,656	11,72,683
कम्प्यूटरों का किराया	23,300	4,67,380
वाहन किराया	65,69,807	59,15,267
बैंक प्रभार	2,64,924	2,62,234
अतिथि गृह व्यय	4,13,330	4,89,193
अन्य फुटकर व्यय	1,46,86,832	1,67,40,870
बैठकों पर व्यय	29,37,536	27,05,175
परीक्षा व्यय/पंजीकरण शुल्क (सीएफएस, सीसीसी, डीईपीएम, एम.टेक, जैव सूचना–विज्ञान)	55,35,158	20,14,399
एफिलिएशन फीस	3,32,348	1,74,328
प्रशिक्षार्थियों को छात्रवृत्ति	1,89,861	2,54,842
प्रत्यायन व्यय	-	-
परियोजनाओं पर व्यय का आबंटन/ परियोजनाओं से वसूल	3,06,750	-
पट्टा किराया का भुगतान (सहायता अनुदान)	-	-
संदिग्ध ऋण बट्टा खाता	38,391	-
हानि–बट्टे खाते डाली गई	1,07,200	(3,371)
आस्थगित राजस्व व्यय/विविध व्यय बट्टे खाते डाली गई	48,25,805	43,93,407
संघटक–पुर्जे तथा उपभोज्य वस्तुएँ	15,25,657	21,13,766
10. ब्याज		
वित्तीय संस्थानों से ऋण पर ब्याज	-	740
नकद ऋण/ओवरड्राफ्ट पर ब्याज	13,774	72,871
अन्य वस्तुओं पर ब्याज (स्पष्ट करें)	2,55,791	23,422
11. आयकर/व्यावसायिक कर		
व्यावसायिक कर	2,500	2,500
सेवा कर	11,51,303	39,81,648
12. प्रावधान		
संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान	37,82,058	10,73,815

जारी है.....

अनुसूची 22 :

अन्य प्रशासनिक व्यय

31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची (राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
गत वर्ष से संबंधित व्यय (पूर्व अवधि व्यय)	72,47,013	2,25,80,245
स्थिर परिसम्पत्तियों की बिक्री/निपटान पर हानि	-	2,80,299
13. पाठ्यक्रमों के संचालन पर व्यय		
दीर्घावधि पाठ्यक्रम	1,05,06,123	1,55,45,454
एम.टेक/एमसीए	25,730	17,01,526
सीसीसी योजना	1,29,36,095	41,54,091
बीसीसी योजना	25,080	2,78,911
अल्पावधि पाठ्यक्रम	7,33,52,582	4,18,53,431
हार्डवेयर पाठ्यक्रम	85,03,522	26,11,585
आईईटीएस बीपीओ योजना	-	-
डीएसडब्ल्यूएस/डीडीसीएस योजना	-	33,714
जैव सूचना–प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम / ईएसडीएम	83,875	1,15,167
14. बाहरी पार्टियों को प्रशिक्षण व्यय	-	50,65,402
योग	**49,96,71,571**	**43,55,74,592**
स्थिर परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास – सहायता अनुदान	**15,38,59,752**	**11,54,51,969**
स्थिर परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास – अतिशेष का	**2,83,60,470**	**1,09,45,435**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 23 :

परियोजनाओं पर व्यय

31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
केन्द्र सरकार (सू.प्रौ.वि/वि.प्रौ.वि/एआईसीटीई/ डीजीएण्डईटी की परियोजनाएँ)	34,38,29,066	8,14,51,476
विस्तार केन्द्र पर व्यय	4,25,31,900	2,98,96,706
चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक परियोजना के लिए केन्द्र का अंशदान	-	-
राज्य सरकार	3,21,81,886	62,47,100
अन्य परियोजनाएँ	-	7,35,354
अपनी परियोजनाएँ	30,02,19,689	30,00,17,325
परियोजनाओं की स्थिर परिसम्पत्तियों का मूल्यह्रास	4,21,53,950	3,26,91,380
राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर	-	17,34,41,811
योग (क)	**76,09,16,491**	**62,44,81,152**
सेवाओं पर व्यय (ख)	**71,36,63,819**	**71,09,91,488**
योग (क+ख)	**1,47,45,80,310**	**1,33,54,72,640**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

नाइलिट

वित्तीय वर्ष 2016–2017 के लिए केन्द्र–वार अतिशेष/(कमी) के ब्यौरे

31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची (राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
केन्द्र की आय	3,56,56,65,684	3,23,17,85,667
केन्द्र का व्यय	2,83,68,07,198	2,52,03,55,943
अतिशेष/(कमी)	**72,88,58,486**	**71,14,29,724**
एण्डाउमेंट निधि को अन्तरित ब्याज	8,75,89,680	8,52,35,505
संस्था का शुद्ध अतिशेष	**64,12,68,806**	**62,61,94,219**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 24 :

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमओईआईटी), भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण के अन्तर्गत नाइलिट नामक स्वायत्त वैज्ञानिक संस्था (डीओईएसीसी सोसायटी से अन्य नाम जो 10.10.2011 से प्रभावी है) की स्थापना नवम्बर, 1994 में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के क्षेत्र में मानव संसाधन विकास तथा संबद्ध कार्यकलापों निष्पादन हेतु की गई थी। यह संस्था धारा 12/क के अन्तर्गत आयकर विभाग में पंजीकृत है और इसका गठन अनन्यतः सूचना, इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) तथा संबद्ध क्षेत्रों में विश्वस्तरीय शिक्षण एवं प्रशिक्षण तथा प्रत्यायन सेवाएँ प्रदान करके गुणात्मक जनशक्ति तैयार करने तथा कुशल प्रोफेशनलों का विकास करने के प्रयोजन से किया गया है। यह संस्था सूचना, इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) के क्षेत्र में औपचारिक तथा अनौपचारिक दोनों ही क्षेत्रों में शिक्षण का कार्य कर रही है और साथ ही अद्यतन तकनीकी जानकारी के क्षेत्रों में उद्योग गुणात्मक अच्छी क्वालिटी के शिक्षण तथा प्रशिक्षण का विकास भी कर रही है और आईसीटी के क्षेत्र में देश का अग्रणी परीक्षा एवं प्रमाणन संस्थान बनने का मानक स्थापित करती है। यह एक राष्ट्रीय परीक्षा निकाय भी है जो विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी में अनौपचारिक पाठ्यक्रम चलाने के लिए संस्थानों/संगठनों को प्रत्यायित करती है। नाइलिट आइजोल, औरंगाबाद, अगरतला, अजमेर, कालीकट, चण्डीगढ़, चेन्नै, दिल्ली, गंगटोक, गोरखपुर, गुवाहाटी, ईटानगर, इम्फाल, कोलकाता, कोहिमा, पटना, राँची, शिलांग, श्रीनगर तथा जम्मू स्थित अपने 20 केन्द्रों के माध्यम से कार्य कर रहा है।

1. लेखांकन की परम्परा :

क) लेखांकन पद्धति

अन्तिम विवरण लेखांकन की अर्जन पद्धति के अन्यथा बताए जाने तक ऐतिहासिक लागत परम्परा के आधार पर तैयार किए जाते हैं।

ख) अनुमानों का प्रयोग

अन्तिम विवरण तैयार करने के लिए अनुमान तथा मान्यताएँ करनी पड़ती हैं जो वित्तीय विवरण की तिथि में बताई जाने वाली परिसम्पतियों तथा देयताओं की राशि तथा रिपोर्ट की अवधि के दौरान राजस्व तथा व्यय की राशि को प्रभावित करती हैं। वास्तविक परिणामों तथा अनुमानों के बीच अन्तर को जिस अवधि में परिणाम प्राप्त होते हैं/ मूर्त रूप देते हैं, उस समय स्वीकार किया जाता है।

2. आय की पहचान

निम्नलिखित को छोड़कर, सभी नाइलिट केन्द्र लेखांकन की अर्जन पद्धति अपनाते हैं:

क) चेन्नै केन्द्र ने प्रत्यायन शुल्क, परिवर्तनशील प्रत्यायन शुल्क तथा जागरूकता सृजन निधि के लिए लेखांकन की अर्जन पद्धति को स्वीकार किया हैं।

ख) अगरताला केंद्र ने अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति अभ्यर्थियों के अतिरिक्त अभ्यर्थियों से प्राप्ति जीआईए/ एनइजीडी परियोजना और आईएसईए प्रोजेक्ट–2 से आय के संबंध में नकद आधार स्वीकार किया है।

ग) गोरखपुर केंद्र द्वारा अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के शुल्क की प्रतिपूर्ति के लिए अनुदान का आकलन किया गया है। लखनऊ प्रसार केंद्र ने पाठ्यक्रम शुल्क प्राप्ति का नकद आधार स्वीकार किया है।

घ) पंजीकरण शुल्क, प्रत्यायन शुल्क, परिवर्तनशील प्रत्यायन शुल्क (वीएएफ) और जागरूकता सृजन निधि (एसीएफ) के प्राप्ति आधार को स्वीकार किया है।

3. नए केन्द्रों की स्थापना के लिए आवर्ती व्यय के प्रयोजन से एम्इआईटीवाई द्वारा जारी अनुदान का लेखांकन का विवरण इस प्रकार दिया गया है:–

i.	शिलांग केंद्र की स्थापना	रु.2,13,89,546/–
ii.	पटना केंद्र की स्थापना	रु. 45,38,119/–
iii.	इटानगर केंद्र की स्थापना	रु.1,68,47,882/–
iv.	रांची केंद्र की स्थापना	रु. 72,51,657/–
v.	एक्सटेंशन केंद्र का विस्तार कोकराजगर, जोरहाट और सिलचर (गुवाहाटी)	रु.3,47,92,580/–
vi.	आइजवाल केंद्र की स्थापना	रु.1,21,09,839/–
vii.	गंगटोक केंद्र की स्थापना	रु.2,06,96,672/–
viii.	श्रीनगर केंद्र की स्थापना	रु. 42,56,626/–
		कुल रुपये 12,18,82,921/–

4. निवेश

संस्था की निधियों को राष्ट्रीयकृत बैंकों में अल्पकालीन सावधि जमा मे निवेशित किया गया है जिसे संस्था के दिशा–निर्देशों के अनुसार 'कोषागार प्रबंध अतिशेष' के रूप में दर्शाया गया है। वर्ष के दौरान प्राप्त इयरमार्क्ड/एन्डाउमेंट निधि सावधि जमा राशियों पर ब्याज को संबंधित इयरमार्क्ड/एन्डाउमेंट निधि पर जमा किया जा रहा है।

5. स्थिर परिसम्पत्तियाँ

स्थिर परिसम्पतियों को संचित मूल्यह्रास को घटाकर लागत पर बताया जाता है। अर्जन की लागत को आवक मालभाड़ा शुल्क एवं कर तथा अर्जन के प्रासंगिक एवं प्रत्यक्ष व्यय को मिलाकर बताया जाता है। निर्माण से संबंधित परियोजनाओं के मामले में, संबंधित प्रचालन–पूर्व व्यय पूँजीकृत परिसम्पतियों के मूल्य के भाग के रूप में होता है।

- कालीकट केन्द्र के मामले में, यूएनडीपी द्वारा केन्द्र को अनुदान के रूप में दिए गए 137 उपस्करों के मूल्य को 1/–रु. के सांकेतिक मूल्य पर देयता एवं परिसम्पतियाँ दोनों ही पक्षों में दर्शाया गया है।

अनुसूची 24 :

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

- कोलकाता केन्द्र के मामले में, बिधान नगर के सेक्टर–1 (सॉल्ट लेक, प्लाट नं. 267, ब्लॉक– बीएफ) स्थित 'पट्टाकृत भूमि' को स्थिर परिसंपत्तियों की अनुसूची में 'भवन' शीर्षक के अन्तर्गत दर्शाया गया है।
- अगरतला केन्द्र मामले में, स्थायी परिसर का निर्माण करने के लिए त्रिपुरा सरकार द्वारा 15 एकड़ की भूमि निःशुल्क आबंटित की गई है। इसे 1/–रु. के सांकेतिक मूल्य पर दर्शाया गया है।
- चंडीगढ़ के संदर्भ में, एससीओ 114–116, सेक्टर –17–बी, चंडीगढ़ में एनआईआईएलआईटी (पूर्व में आरसीसी) द्वारा कब्जे वाली इमारत में जून 2014 में एक बड़ी आग की घटना हुई। वर्ष 2015–16 में उनके संबंध में हानियों/राईट ऑफ़ के संबंध में उपयुक्त लेखांकन प्रविष्टियां दर्ज की गई हैं। इस घटना में, केंद्र ने उस तारीख तक लगभग सभी अभिलेख उपलब्ध नहीं हैं, जिसमें फिक्सड एसेट रजिस्टर भी सम्मिलित था।
- गुवाहाटी केन्द्र के मामले में, असम सरकार द्वारा स्थायी परिसर के निर्माण के लिए गुवाहाटी मुख्य (3 एकड़) कोकराझार विस्तार केन्द्र (6 एकड़), जोरहाट विस्तार केन्द्र (3 एकड़), डिब्रूगढ़ विस्तार केन्द्र (3.3 एकड़) तथा तेजपुर विस्तार केन्द्र (6.62 एकड़) में निःशुल्क रूप में आबंटित भूमि को प्रत्येक के मामले में 1/– रु. के सांकेतिक मूल्य पर दर्शाया गया है।
- सिलचर तथा जोरहाट विस्तार केन्द्र की पूर्वोत्तर क्षमता निर्माण परियोजना के मामले में, 4 वर्षों की अवधि के लिए किराए पर लिए गए भवन के नवीकरण (सिविल तथा विद्युत) पर व्यय को आस्थगित व्यय के रूप में दर्शाया गया है जिसे उसके कब्जे की अवधि के दौरान बट्टे खाते डाला जाएगा। इसके अतिरिक्त, नाइलिट गुवाहाटी (सिटी केन्द्र) के मामले मेंए 10 वर्षों कीं अवधि के लिए किराए पर लिए गए भवन के नवीकरण (सिविल तथा विद्युत) पर व्यय को आस्थगित व्यय के रूप में दर्शाया गया है जिसे उसके कब्जे की अवधि के दौरान बट्टे खाते डाला जाएगा।
- राजस्थान सरकार ने केकड़ी, जिला अजमेर के पास खोडा गाँव में 16.33 हेक्टेयर की जमीन 99 वर्षों कीं लीज़ पर निःशुल्क रूप में आबंटित की है जिसे 1/– रु. के सांकेतिक मूल्य पर दर्शाया गया है।
- नाइलिट शिलांग का स्थायी परिसर स्थापित करने के प्रयोजन सेए मेघालय सरकार द्वारा 30 वर्षों के सामान्य पट्टे की शर्तों पर 10 एकड़ की भूमि नाइलिट शिलांग को निःशुल्क रूप में हस्तान्तरित की गई है। आगे नाइलिट् त्रिपुरा प्रसार केंद्र के स्थायी परिसर की स्थापना के प्रयोजन से मेघालय सरकार द्वारा नाइलिट् त्रिपुरा प्रसार केंद्र को 2,199.70 वर्ग मीटर भूमि का हस्तांतरण किया गया है।
- 4 वर्ष की अवधि तक, कार्यालय और प्रशिज्शन कार्यकलापों के संचालन हेतु मेघालय राज्य आवास वित्त सहकारी सोसायटी (एमएसएचएफसीएस) से 5818 वर्ग फुट का अतिरिक्त निर्मित क्षेत्र लिया गया। सिविल मरम्मत, परिवर्तन, विद्युत कार्यों और उसके संबंधित अन्य विविध खर्चों से संबंधित सभी खर्चों को आस्थगित व्यय के रूप में दिखाया गया है जिसे उसके कब्जे की अवधि के दौरान बट्टे खाते डाला जाएगा।
- वर्ष के दौरान, नाइलिट्, ईटानगर ने एक नई इकाई तेजू एक्सटेंशन केंद्र शुरू किया है, जिसका संचालन अभी 31.03.2017 तक शुरू नहीं हुआ है और तदनुसार निश्चित परिसंपत्तियों पर कोई मूल्यह्रास नहीं लिया गया है।
- रोपड़ के मामले में, परियोजना के निर्माण का निर्माण–कार्य प्रगति पर है। रोपड़ केंद्र की प्रशिक्षण कक्षाएं कुछ समय के लिए नाइलिट् केंद्र, चंडीगढ़ से भवन निर्माण होने तक संचालित की जा रही है। नाइलिट् केंद्र, चंडीगढ़ से संचालित पाठ्यक्रमों के संबंध में लागत अलग से बुक नहीं की जा सकती है। इसलिए, केंद्र की जनशक्ति लागत और अन्य मदे रोपड़ केंद्र द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की जनशक्ति की लागत के आधार पर अथवा चंडीगढ़ केंद्र की कुल जनशक्ति लागत के बराबर विभाजित किया गया है।
- नाइलिट् केंद्र, औरंगाबाद के संबंध में, विश्वविद्यालय परिसर में लड़कियों के छात्रावास के निर्माण के लिए समझौता–ज्ञापन के अनुसार वर्ष 2013–14 में डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद को 75.00 लाख रुपये का भुगतान किया गया था। विश्वविद्यालय को स्वामित्व का अधिकार हैं और 5 वर्ष के लिए समझौता–ज्ञापन की प्रारंभिक वैधता को ध्यान में रखते हुए, परिस्थितियों में व्यय को "डेफर्ड राजस्व व्यय" माना गया है और इसे 5 वर्ष की अवधि बट्टे खाते में डाला गया है तदनुसार वित्तीय वर्ष 2015–16 के लिए 15 लाख रुपये को व्यय के रूप में विनियोजित किया गया है।
- शिलोंग–परिसंपत्तियां अर्थात भूमि, लीज–होल्ड, कार्यालय और अन्य उपकरणों और सॉफ़्टवेयर जिन्हें नाइलिट् शिलोंग को निशुल्क स्थानांतरित किया गया है, को 1/ – रुपये प्रति आइटम की न्यूनतम मूल्य के साथ खाते में लिया गया है।

6. मूल्यह्रास

'अनुदान से संबंधित परिसंपत्तियों पर चालू वर्ष की परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास को आय तथा व्यय खाते में नामे किया गया है तथा एएस–12 के अनुसार आय तथा व्यय खाते में जमा भी किया गया है तथा वर्ष के दौरान 'पूँजीगत सहायता अनुदान' से घटाया गया है।

मूल्यह्रास का प्रावधान आयकर अधिनियम 1961 में निर्धारित दरों पर डब्ल्यू.ए.डी पद्धति पर किया जाता है।

7. सरकारी अनुदान

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा नए केन्द्रों की स्थापना के लिए अनुदान जारी किया गया है इसके लिए व्यय (पूँजीगत/आवर्ती) को नीचे दिए अनुसार लेखांकित किया गया है:–

गंगटोक केन्द्र की स्थापना	रु.	2,66,50,000/-
ईटानगर केन्द्र की स्थापना	रु.	35,00,000/-

अनुसूची 24 :

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

पटना केन्द्र की स्थापना	रु.	14,77,09,126/-
रांची केन्द्र की स्थापना	रु.	1,40,55,277/-
अजमेर केन्द्र की स्थापना	रु.	1,16,47,190/-
रोपड़ केन्द्र की स्थापना	रु.	39,47,51,719/-
योग	रु.	**59,83,13,312/-**

वर्ष 2016–17 के 576.00 लाख रु. के सहायता अनुदान (योजना–भिन्न) को संबंधित केन्द्र के आय तथा व्यय लेखा में जमा किया गया है।

पूँजीगत सहायता अनुदान को ऐसे अनुदान से खरीदी गई स्थिर परिसंपत्तियों में मूल्यह्रास के पश्चात शुद्ध मूल्य पर दर्शाया जाता है।

8. लेखा नीति में परिवर्तन

वर्ष के दौरान ऐसा कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

9. कर्मचारी के लाभ

उपदान के लिए प्रावधान का लेखांकन एएस–15 के अनुसार अर्जन मूल्यांकन पर किया जाता है। कालीकट, चण्डीगढ़ के मामले में उपदान की देयता को भारतीय जीवन बीमा निगम से नकद संचयन के आधार पर सामूहिक उपदान के अन्तर्गत संबंधित कर्मचारी के ट्रस्ट में पालिसी के रूप में शामिल किया गया है। नाइलिट के कर्मचारी 14.12.2002 की स्थिति के अनुसार उपदान योजना के अन्तर्गत शामिल हैं अर्थात प्रत्येक कर्मचारी की उस माह की परिलब्धियाँ (वेतन+ग्रेड वेतन), सेवा के प्रत्येक पूरे किए गए वर्ष के लिए है।

छुट्टी के नकदीकरण के लिए प्रावधान का लेखांकन एएस–15 के अनुसार अर्जन मूल्यांकन आधार पर किया जाता है।

नाइलिट मुख्यालय तथा केन्द्रों को सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से 01.01.2003 से ईपीएफ के अन्तर्गत शामिल किया गया है। अप्रैल, 2013 से ईपीएफ में अंशदान को आरपीएफसी में जमा किया जा रहा है। 01.01.2003 से 31.03.2013 की अवधि के लिए ईपीएफ की बकाया राशि ईपीएफ कार्यालय में जमा की गई है। नाइलिट के सीपीएफ में रखी शेष राशि का पुनर्मिलान किया जा रहा है।

बोनस नकद आधार पर लेखांकित है।

अनुसूची 25 :

लेखाओं पर टिप्पणीयां

1. आकस्मिक देयताः

- **औरंगाबाद केन्द्र**

मेसर्स डीवीआईआईटी ने सीजेएसडी, औरंगाबाद के न्यायालय के समक्ष आरसीएस 495/1999 तथा एससीएस 168/2002 के जरिए प्रथम पक्षकार के रूप में भारत सरकार (सूचना प्रौद्योगिकी विभाग इसके सचिव, नई दिल्ली के माध्यम से) तथा द्वितीय पक्षकार के रूप में सीईडीटीआई औरंगाबाद (इस समय नाइलिट औरंगाबाद) के निदेशकों के खिलाफ लेखा प्रस्तुत करने और इसके 40% अंश तथा उसपर ब्याज की वसूली के लिए 72.00 लाख रु. का दावा प्रस्तुत किया है। माननीय न्यायालय ने अपने दिनांक 5 दिसम्बर, 2011 के आदेश के जरिए वादी के दोनों मामलों को लागत सहित निरस्त कर दिया है।

इसके पश्चात, वादी ने अपील सं. 559/2012 (495/1999 से संबंधित) के जरिए अपील प्रस्तुत की है जिसकी सुनवाई अभी तक लम्बित है। वादी ने औरंगाबाद स्थित बम्बई पीठ न्यायाधिकरण के माननीय उच्च न्यायालय में अपील सं. 1170/2012 भी प्रस्तुत की है और इस समय यह मामला माननीय उच्च न्यायालय में लम्बित है।

- **चण्डीगढ़ केन्द्र**

क्र.सं	मामले का प्राधिकरण	मामले का तथ्य	सम्मिलित राशि
1.	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपील प्राधिकरण, नई दिल्ली	सेवाओं के कर योग्य मूल्य मेंए नाइलिट् द्वारा प्रदान की जाने वाली स्टेशनरी के मूल्य को शामिल करने के लिए सेवा कर विभाग ने फैसला लिया है। विभाग द्वारा उठाए गई मांग सीस्टैट, नई दिल्ली द्वारा रोक दी गई है। हालांकि, नियमित सुनवाई अभी शुरू नहीं हुई है। लेकिन, नियमित सुनवाई अभी तक निश्चित नहीं हुई है।	रु. 83,92,094/– की धनराशी के बराबर दंड सहित
2.	आयुक्त (अपील), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त–II चण्डीगढ़	सेवाओं के कर योग्य मूल्य में नाइलिट् द्वारा प्रदान की जाने वाली स्टेशनरी के मूल्य को सम्मिलित करने हेतु सेवा कर विभाग ने फैसला लिया है। आयुक्त स्तर से नाइलिट् की अपील (अपील) पर आदेश लंबित है।	रु. 3,55,310/–

- केन्द्र ने उच्चतर शिक्षा विभाग (डीएचई), हिमाचल प्रदेश सरकार, शिमला पर मार्च, 2013 से जनवरी, 2014 की अवधि के लिए दावा किए गए बिल के लिए सेवा कर विभाग में 74.86 लाख रु. का सेवा कर गलती से जमा किया था। लेकिन उक्त अवधि के लिए सेवा कर लागू नहीं था। तदनुसार, 74.86 लाख रु. की राशि सेवा कर विभाग से वसूली योग्य तथा डीएचई शिमला को देय है जिन्होंने उक्त सेवा कर के भुगतान पर नाइलिट में अपना विरोध प्रस्तुत किया है। सामान रूप से धनराशि वापसी के लिए दावा दिनांक 11.03.2014 को सेवा कर विभाग के समक्ष दायर किया गया था, जिसका व्यवस्थापन किया जाना है।

- जून, 2014 से अगस्त, 2015 तक की अवधि के लिए एक और रिफंड रु. 2,57,77,696/– आवेदन समान तथ्यों और स्थिति के आधार पर बैलेंस शीट की तारीख के बाद विभाग द्वारा अस्वीकार कर दिया गया है। केंद्र इस मामले में उपयुक्त प्राधिकरण से अपील दायर करने की प्रक्रिया में है।

- नाइलिट् केंद्र, चंडीगढ़ ने स्कूल परियोजना के प्रशिक्षकों को प्रदान करने के लिए रु.15,66,021/– की देय राशि की वसूली के लिए केन्द्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) के खिलाफ मध्यस्थता की कार्यवाही शुरू की है, जिसके संबंध में उचित प्रावधान पहले से ही संदिग्ध ऋण हेतु प्रावधान के रूप में बुक की गई है, केवीएस ने न केवल केंद्र के दावे को खारिज कर दिया है बल्कि केंद्र सरकार (पहले आरसीसी) को अधिक भुगतान के रूप में 2,68,650 रूपये का प्रति–दाव भी दायर किया है। मध्यस्थता की कार्यवाही अभी तक लंबित है।

- ईएसआई ने ईएसआई योजना हेतु रु. 11,22,702/– और रु. 3,03,947/– मांग नोटिस जारी किया था जिसमें रोक लगाई गई है। सिविल जज (वरिष्ठ प्रभाग), ईएसआई न्यायालय चण्डीगढ़ ने दिनांक 07.12.2010 के आदेश के जरिए ईएसआई के वसूली संबंधी आदेश को निरस्त कर दिया है। लेकिन उप निदेशक, ईएसआई ने अपने दिनांक 21.07.2011 के आदेश सं. पीबी 17000399790001013/245 के जरिए केन्द्र को राशि का भुगतान करने का पुनः निदेश दिया है। केन्द्र ने माननीय पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर की है। माननीय उच्च न्यायालय ने वसूली पर रोक लगायी है। मामला अभी तक लम्बित है।

अनुसूची 25 :

लेखाओं पर टिप्पणीयां

- **गुवाहाटी केन्द्र**

कैट गुवाहाटी पीठ में नाइलिट केंद्र, गुवाहाटी से संबंधित लम्बित मामले नीचे दिए अनुसार हैं–

क्र.सं.	प्रकरण सं.	वादी का नाम	शामिल मुददे
1.	माननीय गुवाहाटी उच्च न्यायालय की 2014 की रिट याचिका सं. 5973,	सज़्ज़ाद ज़ाहिर बनाम यूओएल ब्रदर्स	नाइलिट गुवाहाटी में अनुबंध के आधार पर श्री सज़्ज़ाद ज़ाहिर को सेवा से मुक्त करने के सापेक्ष नाइलिट द्वारा दायर की गई अपील।
2.	कैट गुवाहाटी में ओ.ए.सं 403/2014 तथा विविध प्रकरण सं. 040/00008/15	ध्रुवज्याति डेका बनाम यूओएल ब्रदर्स	आवेदक को नियमित कर्मचारी घोषित किया जाना तथा नियमित कर्मचारियों के मामले में लागू सभी लाभ जारी करना।

- **कोलकाता केन्द्र**

नाइलिट में 01.01.2004 से पहले कार्यग्रहण किए कर्मचारियों की भविष्य निधि का खाता आयकर विभाग में आरसीसी कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि न्यास में रख रहा है। लेकिन, जिन कर्मचारियों ने 01.01.2004 को या उसके बाद नाइलिट में कार्यभार ग्रहण किया है उनकी भविष्य निधि सीपीएफ अधिनियम 1925 के अन्तर्गत नाइलिट मुख्यालय में रखी जा रही है। केन्द्र को क्षेत्रीय ईपीएफ प्राधिकरण से 11.07.2006 को एक नोटिस तथा धारा 7क के अन्तर्गत आदेश दिनांक 09.07.2008 तथा धारा 7ख के अन्तर्गत आदेश दिनांक 30.9.2009 प्राप्त हुआ है कि नाइलिट को ईपीएफ एवं अगस्त, 1982 से एमपी अधिनियम 1952 के अन्तर्गत शामिल किया जाएगा। केन्द्र ने उपर्युक्त आदेश के खिलाफ ईपीएफ अपील न्यायाधिकरण, दिल्ली (समुचित प्राधिकारी) के समक्ष एक अपील दायर की है कि हमारा मुख्यालय भारत सरकार की गजट अधिसूचना दिनांक 26.07.1997 के अनुसार सीपीएफ अधिनियम, 1925 के अन्तर्गत शामिल है। लेकिन, ईपीएफ अपील न्यायाधिकरण, दिल्ली ने दिनांक 3 अगस्त, 2011 के आदेश के जरिए अपील को खारिज कर दिया है। उसके पश्चात केन्द्र ने माननीय उच्च न्यायालय, कोलकाता में उक्त आदेश के खिलाफ दिनांक 21 मार्च, 2012 को एक अपील दायर की है। उक्त अपील अभी तक लम्बित है।

केन्द्र ने कर्मचारी राज्य बीमा निगम, पश्चिम बंगाल क्षेत्र से रु.6,27,413/– की माँग के विरुद्ध रु.1,56,854/– की राशि का भुगतान प्रतिवाद के अन्तर्गत किया है। केन्द्र ने माँग का विरोध किया है।

उपायुक्त, सेवा कर से प्राप्त दिनांक 21.10.13 के कारण बताओ नोटिस के अनुसार सेवा कर से संबंधित 19,67,385/– रु. की एक आकस्मिक देयता है जिसका विरोध केन्द्र द्वारा 21.04.14 के पत्र के जरिए किया गया है।

2. **पूँजी की प्रतिबद्धता**

- कोलकाता केन्द्र के मामले में सॉल्ट लेक भवन के लिए रु.1267.94 लाख की पूँजी की प्रतिबद्धता है। 31.03.2017 तक केलोनिवि को दी गई पेशगी की राशि रु.1076.97 लाख है (गत वर्ष रु.870.02 लाख)।
- इमारत का निर्माण लुंगलेई विस्तार केंद्र और ऐजावल केंद्र में किया गया है, कुल अनुमानित लागत 19,22,21,002 है जिसमें से रु.5,57,00,756 दिनांक 31.03.2017 तक दिए गए हैं।
- मुख्यालय के मामले में, एनबीसीसी टावर किदवई नगर में कार्यालय स्थल 48.36 करोड़ रु. में खरीदा गया है जिसमें से दिनांक 31 मार्च, 2017 तक 25.83 करोड़ रु. का भुगतान किया गया है।

वर्ष 2016–17 के दौरानए निम्नलिखित केंद्रों ने वर्ष 2015–16 के लिए अधिशेष से नाइलिट् केंद्र, दिल्ली के लिए ऑफिस स्पेस की लागत को पूरा करने के लिए 10 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है।

(रू. लाख में)

क्र. सं.	केंद्र का नाम	वित्त वर्ष 2016–17 के दौरान	दि. 31 मार्च, 2016 तक	कुल
1.	मुख्यालय	400.00	500.00	900.00
2	दिल्ली केंद्र	100.00	100.00	200.00
3	चंडीगढ़ केंद्र	-	350.00	350.00
4	गोरखपुर केंद्र	-	600.00	600.00
5	कोलकाता केंद्र	-	50.00	50.00
6	औरंगाबाद केंद्र	-	50.00	50.00
	कुल	**500.00**	**1650.00**	**2150.00**

- मुख्यालय के मामले में, इसके भवन का निर्माण द्वारका, दिल्ली में किया जा रहा है। कुल अनुमानित लागत 52.62 करोड़ रु. है जिसमें से 31 मार्च, 2017 तक 41.98 करोड़ रु. का भुगतान किया गया है।

3. वर्तमान परिसंपत्तियां, ऋण तथा पेशगियाँ

प्रबंध वर्ग की राय के अनुसार, वर्तमान परिसंपत्तियों, ऋण तथा पेशगियों को उस मूल्य पर बताया गया है जिस पर उसे व्यवसायकी सामान्य प्रक्रिया में प्राप्त किया जाएगा, केवल उन लेनदारों के मामलों को छोड़कर जहाँ अनुचित एवं संदिग्ध ऋण का प्रावधान किया गया है।

- **दिल्ली केन्द्र के मामले में**

रु. 54,88,871/– की राशि के फुटकर देनदारों के मामले में रु. 2,16,542/– का प्रावधान सदिग्ध ऋण के रूप में किया गया है (नीचे वर्णित बिंदु के अलावा) जो तीन वर्षों से अधिक समय से लम्बित है (अर्थात 31.03.2014 से पहले), जो प्रबंध वर्ग की राय में उचित है।

शिक्षा निदेशक, झण्डेवालाँ से 1,12,71,327/– रु. से वसूली योग्य राशि के विरुद्ध मात्र रु. 28,11,468/– की राशि का प्रावधान संदिग्ध ऋण के रूप में किया गया है। यह राशि 2004–05 से अप्राप्त है। मामला मध्यस्थता के अधीन है। प्रबंध वर्ग की राय में किए गए प्रावधान उचित है।

- **चंडीगढ़ केंद्र के मामले में**

केंद्र ने जनवरी, 2002 में नगर निगम, चंडीगढ़ (एमसीसी) द्वारा आवंटित भूमि को छोड़ दिया और उक्त भूमि के विरुद्ध 25% जमा राशि के रूप में 43.24 लाख रुपये का भुगतान किया, जिसे चंडीगढ़ के मुख्य प्रशासक के समक्ष अपील के रूप में दावा पेश किया गया था। इसमें जब्ती राशि को 25% से 15% तक कम करने के अतिरिक्त यह भी खारिज कर दिया गया था। केंद्र 43.24 लाख रुपए की जब्त राशि की वापसी के लिए नई रिट भरने की प्रक्रिया में है और प्रबंधन को विवाद के अनुकूल परिणाम की उम्मीद है। हालांकि, विवेक की अवधारणा को ध्यान में रखते हुए, रु. 21,62,023/– की कुल वसूली योग्य धनराशि का 50% संदिध्ध ऋणों के लिए वर्ष के दौरान प्रावधान किया गया है।

केंद्र सरकार ने जुलाई, 2003 में राष्ट्रीय भाषा संस्थान, नई दिल्ली (एनसीपीयूएल) के संवर्धन के लिए राष्ट्रीय परिषद के साथ कम्प्यूटर एप्लीकेशन में डिप्लोमा और बहुभाषी डीटीपी पर एक वर्षीय पाठ्यक्रम के संचालन के लिए समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। इस संबंध में एनसीपीयूएल द्वारा निश्चित आपत्तियों के कारण वर्ष 2006–07 से अभी तक 32.14 लाख रुपये की राशि प्राप्त की जानी है। यह मामला एनसीपीयूएल के साथ विचारार्थ है और प्रबंधन को वसूली की काफी उम्मीद है, हालांकि, अधिक समय तक बकाए पर विचार करते हुए, कुल राशि का 50% यानी 16,06,800/– राशि का समीक्षाधीन वर्ष के दौरान संदिध्ध ऋणों के लिए प्रावधान किया गया है।

i) शिलॉन्ग केंद्र ने परियोजना प्रबंधन सलाहकार (पीएमसी) को "mobilization advance" के रूप में 2,86,50,000/– (दो करोड़ छियासी लाख पचास हजार रूपये मात्र) की धनराशि प्रदान की है।

ii) दिल्ली विकास प्राधिकरण ने मुख्यालय के निर्माण के लिए सेक्टर–8 द्वारका, नई दिल्ली में नाइलिट् के लिए 4277.88 वर्ग मीटर के एक भूखंड का आवंटन किया है। भूमि का अंतिम मूल्य अभी तक डीडीए द्वारा बताया जाना है।

4. आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 11 के संचित बचत का उपयोग

वर्ष के दौरान, निम्नलिखित केंद्रों ने संचित बचत के उपयोग में योगदान दिया है:

(राशि रुपये में)

श्रीनगर	रु.	1,80,000
औरंगाबाद	रु.	3,80,000
चंडीगढ	रु.	12,10,000
गोरखपुर	रु.	12,50,000
नई दिल्ली	रु.	3,70,000
नाइलिट् मुख्यालय	रु.	22,92,496
कुल	**रु.**	**56,82,496**

उपरोक्त राशि अर्थात् वित्तीय वर्ष 2012–13 की अप्रयुक्त संचित बचत से एपीजे अब्दुल कलाम हॉस्टल के निर्माण के लिए कालीकट केंद्र द्वारा 56.82 लाख रुपए का उपयोग किया गया है। निम्नलिखित राशि वित्तीय वर्ष 2013–14 से उपयोग की गई है :

नाइलिट् केंद्र	उद्धेश्य	धनराशि (रू. में)
कोलकाता केंद्र	साल्ट लेक प्रोजेक्ट	95,50,000
नाइलिट् मुख्यालय	स्मार्ट विर्चुवल कक्षा–कक्ष	3,17,74,032
औरंगाबाद केंद्र	छात्रों का छात्रावास	2,01,34,000
कुल योग		**6,14,24,032**

5. राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर)

क) इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विाग ने अपने दिनांक 05/04/2011 के पत्र सं. 7(2) 2011–ईजी–1 के जरिए 17 राज्यों तथा 2 संघ शासित प्रदेशों में राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर तैयार करने के प्रयोजन से जनसांख्यिकीय डेटा अंकीयकरण एवं बायो–मेट्रिक डेटा संग्रह का कार्य सौंपा है। आरजीआई ने अपने दिनांक 27/06/2012 के अर्धशासकीय पत्र सं. 9/83/2010 सीआरडी (एनपीआर) के जरिए बायो मेट्रिक डेटा अंकीयकरण का कार्य नाइलिट से वापस ले लिया है।

ख) भारत के महापंजीयक के कार्यालय ने राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर परियोजना के कार्यान्वयन के लिए नाइलिट को 522.24 करोड़ रु. की पेशगी जारी की थी। प्रबंध वर्ग द्वारा लगाए गए अनुमान के अनुसार डेटा अंकीयकरण (एनपीआर परियोजना) की कुल लागत लगभग 569 करोड़ रु. है। आरएफक्यू के भुगतान की शर्तों के अनुसार, एमएसपी को शेष 30 प्रतिशत का भुगतान जारी नहीं किया गया है। 31.03.2017 की स्थिति अनुसार 246.10 करोड़ रु. की राशि का उपयोग कर लिया गया है। 486.56 करोड़ रु. की शेष राशि (ब्याज सहित) विभिन्न बैंक खातों में (बचत/ चालू) तथा जमा रूप में उपलब्ध है।

ग) डेटा अंकीयकरण का कार्य पूरा कर लिया गया है। अंतिम अंकीयकृत डेटा अक्तूबर, 2013 में आरजीआई को दे दिया गया है।

घ) नाइलिट के सभी एनपीआर प्रतिभागी केन्द्रों ने एनपीआर परियोजना के मामले में 01.04.2012 से अलग लेखा बही रखे तथा वित्तीय वर्ष 2012–13 से अलग वार्षिक लेखे तैयार किए।

ड) अप्रयुक्त पेशगियों पर अर्जित/संचित 211.56 करोड़ रु. के ब्याज को देयता के रूप मे रखा गया है तथा आरजीआई के दिशा–निर्देशों के अभाव में ब्याज को आय के रूप में लेखांकित नहीं किया गया है।

च) मेसर्स सीएससी–एसपीवी को ग्रामीण क्षेत्रों में डेटा अंकीयकरण के कार्य की निगरानी एवं पर्यवेक्षण के लिए 29.29 करोड़ रु. की पेशगी का भुगतान किया गया है। मेसर्स सीएससी–एसपीवी ने ग्रामीण क्षेत्रों में डेटा अंकीयकरण के कार्य की निगरानी एवं पर्यवेक्षण के लिए 31.03.2016 तक 29.70 करोड़ रु. का व्यय किया है। सक्षम प्राधिकारी द्वारा व्यय के अनुमोदन के अधीन, मुख्यालय की एनपीआर बहियों में 41 करोड़ रु. का प्रावधान किया गया है।

छ) नाइलिट केन्द्र, चण्डीगढ़ के कार्यालय में जून, 2014 में भीषण अग्नि दुर्घटना हुई जिसके फलस्वरूप सभी मूलसंरचना तथा केन्द्र के रिकार्ड नष्ट हो गए। 33,97,366/– रु. (सकल मालियत 8,37,687/– रु.) की एनपीआर परिसंपत्तियां अग्नि दुर्घटना में नष्ट हो गईं। वित्तीय वर्ष 2015–16 के दौरानए नाइलिट केन्द्र, चण्डीगढ़ को 7,09,149/– रु. की राशि बीमा कम्पनी से प्राप्त हुई और तदनुसार लेखा बहियों में समायोजन किया गया है।

ज) आरएफक्यू की शर्तों के अनुसार, आएफक्यू की किसी भी शर्त का अनुपालन नहीं करने के मामले में एमएसपी की बीजक राशि के 100 प्रतिशत से भी ज्यादा की राशि के दण्ड का उपबंध था। चूँकि डेटा अंकीयकरण के कार्य में कुछ बिलम्ब हुआ था, इसलिए कुछ पार्टियों ने बिल नहीं प्रस्तुत किये है। पार्टियों द्वारा प्रदान की गई सेवाओं के लिए बिल प्रस्तुत नहीं किए जाने के अभाव में उसकी देयता/दण्ड का पता नहीं लगाया जा सका। जिस वर्ष बिल प्राप्त होंगे उस वर्ष उन्हें लेखाओं में शामिल किया जाएगा।

6. उपलब्ध जानकारी के अनुसार, हम एतदद्वारा पुष्टि करते हैं कि संस्था की माइक्रो लघु एवं मझोले उपक्रम विकास अधिनियम, 2006 की धारा 7(1) में विनिर्दिष्ट कोई राशि माइक्रो लघु एवं मझोले उपक्रम में शामिल किसी पार्टी को देय नहीं है, और लेखा–परीक्षक ने उसपर विश्वास किया है।

7. गत वर्ष के आँकड़ों को आवश्यकतानुसार पुनः समूहित किया गया है।

8. आँकड़ों को निकटतम रुपए में दर्शाया गया है।

9. बहियों में देनदारों तथा लेनदारों को यथामूल्य पर दर्शाया गया है जो प्राप्य/देय है। लेकिन पार्टियों से पुष्टि की कार्रवाई की जा रही है।

10. विभिन्न केन्द्रों का समेकन करने के दौरान, शीर्षों/समूहों को पुनः व्यवस्थित किया गया है जिससे एक बेहतर एवं उचित प्रस्तुतीकरण किया जा सके।

हमारी इसी तारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते बी.डी. गुप्ता एण्ड एसोसिएटस
शासपत्रित लेखाकार
एफआरएन –016041 एन

स्थान : **नई दिल्ली**
दिनांक : **20, जुलाई, 2017**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

हस्ता/–
(सीए भगवान दास गुप्ता)
(भागीदार)
(एम. सं. 086260)

प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष

(राशि रुपए में)

क्र.सं	प्राप्तियाँ	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष	क्र.सं.	भुगतान	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
I	**अथ शेष**			I	**व्यय :**		
	क) पास में नकदी/अग्रदाय/स्टाम्प	1,06,557	96,51,995		क) स्थापना व्यय	59,95,70,514	48,33,61,259
	ख) बैंक शेष	-	-		ख) प्रशासनिक व्यय	45,75,97,476	41,13,07,961
	i) चालू खाताओं में	37,56,88,123	22,95,96,463				
	ii) बचत खाताओं मे	97,52,47,590	82,84,31,881				
	iii) अल्पावधि जमा में	5,12,62,88,148	4,60,08,89,696				
	iv) दीर्घावधि जमा में	1,61,37,01,711	1,22,98,29,355				
	v) दीर्घावधि जमा मे–इयरमार्क्ड निधियाँ	4,21,889	-				
	vi) दीर्घावधि जमा में–सहायता अनुदान निधि	-	-				
	vii) पास में चेक/ड्राफ्ट	-	7,80,000				
	viii) एनपीआर शेष	-					
II	**प्राप्त अनुदान**	-		II	**विभिन्न परियोजनाओं के लिए प्राप्त निधियों से किए गए भुगतान (परियोजनाओं पर व्यय)**		-
	क) भारत सरकार से						
	i) योजनागत	-	5,00,00,000		i) डोनर (आईटीईएस)	-	-
	ii) पूर्वोत्तर परियोजना के लिए योजनागत निधि	59,53,72,132	18,89,11,607				
	iii) योजना भिन्न	5,76,00,000	5,26,00,000		ii) परियोजना व्यय के लिए पेशगियाँ	-	-
	iv) रिफर्बिशमंट निधि	-	-		iii) सूचना सुरक्षा कर्मियों का प्रमाणन	-	-
	v) अपराध विज्ञान प्रयोगशाला की स्थापना	-	-		iv) सू.प्रौ.वि/वि.प्रौ.वि तथा अन्य परियोजनाएँ (अपनी सहित)	21,65,33,743	93,35,399
	vi) केन्द्रों से अन्तरित निधि	42,28,75,602	-		v) एम.टेक (एआईसीटीई परियोजनाएँ)	-	-
	एनपीआर परियोजना	1,10,818	78,56,750		vi) राज्य सरकार की परियोजनाएँ	-	-
	योजनागत निधि पर ब्याज	5,84,281	1,46,24,046				
	ख) राज्य सरकार से	4,73,330	79,09,358		पटना आरसी की स्थापना	-	
	ग) प्रायोजित परियोजनाओं के लिए प्राप्त	3,36,79,834	3,66,58,562		केन्द्रों को जारी निधियाँ	2,10,67,54,775	1,75,40,37,102
	i) डोनर (आईटीईएस)	-	-		विभिन्न परियोजनाओं के लिए केन्द्रों को जारी निधियाँ	47,58,897	1,80,24,000
	ii) डोनर (सूचना विज्ञान एवं कालेज के प्रमाणन के लिए)	-	-		परियोजनाओं पर व्यय	1,62,85,75,639	1,10,08,05,869
	iii) डीआईटी (सूचना सुरक्षा शिक्षण एवं जागरूकता के लिए)	1,09,23,000	1,99,51,067		एनपीआर परियोजनाओं पर व्यय	-	-
	iv) डीआईटी (महिला अधिकारिता)	-	1,76,44,406		मुख्यालय को वापसी	84,36,870	1,37,66,000
	v) एआईसीटीई, नई दिल्ली	-	-				
	vi) अन्यों से प्राप्त निधियाँ (राज्य सरकार तथा अन्य एजेंसियाँ)	-	5,81,400				
	vii) केन्द्रों को वितरण के लिए (योजनागत तथा योजना भिन्न)	-	1,57,86,59,170				
	ix) विभिन्न परियोजनाओं के लिए केन्द्रों को वितरण के लिए	65,01,86,812	-				
	x) ई–अधिगम	-	-				
	xi) आभासी परीक्षण परिवेश (वीटीई) सहित सूचना सुरक्षा कुशलता विकास के लिए परीक्षण स्थल का विकास	-	-				
	xii) डीआईटी (पटना आरसी की स्थापना)	-	55,13,77,603				
	xiii) डीआईटी (अनु.जा/ज.जा अनुदान)/एससीएसपी एवं टीएसपी	6,50,82,564	14,46,16,988				
	xiv) अन्य परियोजनाएँ	4,97,967	2,35,74,388				
III	**निम्नलिखित पर निवेश से आय**			III	**किए गए पूँजीनिवेश तथा जमा**		
	क) इयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि	77,12,88,655	81,24,38,749		क) इयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि से	2,73,89,51,475	77,56,14,100
	ख) अपनी निधियाँ (अन्य निवेश)	5,62,47,592	16,11,42,459		ख) अपनी निधियों से (निवेश–अन्य)	8,18,72,181	3,94,74,342
	ग) सहायता अनुदान	2,41,14,14,017	3,13,66,22,568		ग) सहायता अनुदान	1,75,70,56,706	3,03,94,84,492
	घ) अल्पावधि जमा	-			घ) अल्पावधि जमा	-	-

जारी है

प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष

(राशि रुपए में)

क्र.सं	प्राप्तियाँ	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष	क्र.सं.	भुगतान	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
IV	**प्राप्त ब्याज**			IV	**स्थिर परिसम्पत्तियों पर व्यय तथा निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य**		
	क) बैंक जमा राशि पर – सावधि जमा	37,72,18,902	33,91,67,081		क) स्थिर परिसम्पत्तियों की खरीद	17,96,10,451	14,72,83,337
	ख) बचत खाता पर	1,92,42,968	2,81,79,527		ख) पूँजीगत निर्माणाधीन कार्य पर व्यय	32,08,17,040	21,50,92,482
	ग) ऋण तथा अग्रिम आदि	7,50,26,288	20,45,77,389				
	घ) बचत खाता–एनपीआर परियोजना	11,83,30,838	-				
	ङ) एफडीआर पर अर्जित ब्याज	10,62,740	4,15,11,620				
V	**आय (निर्दिष्ट करें)**			V	**अतिशेष राशि/ऋण की वापसी**		
	फीस/अंशदान	74,13,75,233	66,93,94,432		क) भारत सरकार को	4,83,63,759	-
	सेवाओं से आय	88,17,35,471	83,30,82,055		ख) राज्य सरकार को	-	-
	परियोजनाओं से आय	85,83,06,212	53,16,64,489		ग) अन्य निधि प्रदाताओं को	2,00,00,000	(-8,97,190)
	प्रकाशनों की बिक्री से आय	9,24,108	10,83,560				
	टाउनशिप से प्राप्तियाँ	27,37,649	5,89,114				
	विविध आय	1,55,89,513	2,89,10,997				
	जैव–सूचना प्रौद्योगिकी पाठयक्रमों का कार्यान्वयन	-	-				
VI	**उधार में ली गई राशि**			VI	**वित्त प्रभार (ब्याज)**	-	-
	नाइलिट योजना से पेशगी	-	-				
	मुख्यालय से प्राप्त सॉफट ऋण	-	50,00,000				
VII	**कोई अन्य प्राप्ति**			VII	**अन्य भुगतान**		
	क) पास में चेक/ड्राफ्ट	-	-		क) सुरक्षा जमा, काशन मनी, ईएमडी आदि	3,58,09,408	1,90,03,425
	ख) जमा प्राप्ति (एसडी,ईएमडी,सीएमडी आदि)	11,24,64,964	6,11,51,667		ख) ऋण तथा पेशगियाँ (आपूर्तिकर्ता, कर्मचारी)	58,43,67,733	34,96,82,228
	ग) वसूलियाँ/पेशगियों की वापसी	10,42,98,122	7,14,87,252		ग) विविध व्यय	1,86,19,710	2,03,59,305
	घ) सावधि जमा का नकदीकरण तथा पूँजीनिवेश से आहरण	1,00,00,000	17,00,34,155		घ) जारी लेकिन प्रस्तुत नहीं किए गए चेक	-	81,322
	ङ) विविध प्राप्तियाँ/प्रावधान	1,98,35,425	7,65,83,847		ङ) वेतन में कटौतियों का भुगतान	3,05,49,427	4,45,77,542
	च) फुटकर लेनदारों में वृद्धि/वर्तमान देयताएँ	37,17,91,028	51,87,49,767		च) फुटकर देनदारों/वर्तमान परिसम्पत्तियों में वृद्धि	28,14,23,076	7,09,84,877
	छ) फुटकर देनदारों में कमी	36,57,78,712	47,09,82,667		छ) फुटकर लेनदारों में कमी	30,23,69,260	20,27,42,504
	ज) अन्तर केन्द्र खाता	8,84,24,900	85,44,82,793		ज) अन्य देयताओं का भुगतान	18,02,89,261	42,45,18,901
	झ) जारी लेकिन प्रस्तुत नहीं किए गए चेक	98,439	15,952		झ) पंजीकरण फीस	1,53,800	1,93,711
	ञ) वर्ष में निगमित नकद तथा बैंक शेष	-	-				
	च) सेवा कर/आयकर/वैट/अन्य कर	1,53,37,659	5,14,83,318		ञ) गैर–प्रचालन व्यय	15,054	2,38,454
	छ) ईपीएफ/सीपीएफ	96,35,872	55,27,019		ट) प्रत्यायन व्यय	-	-
					ठ) अन्तर केन्द्र खाता	4,48,44,976	1,26,59,49,018
					ड) केन्द्रों को जारी अतिशेष राशि	-	-
					ढ) प्रदत्त सेवा कर	12,17,77,028	15,96,57,582
					ण) सीपीएफ न्यास को देय	1,54,70,962	1,18,75,172
				VIII	**इतिशेष**		-
					क) पास में नकदी/अग्रदाय/स्टाम्प	1,91,89,567	1,06,557
					ख) बैंक शेष	-	-
					i) चालू खाताओं में	10,07,03,203	37,56,88,123
					ii) बचत खाताओं में	25,73,91,802	97,52,47,590
					iii) अल्पावधि जमा में	3,57,47,68,428	5,12,62,88,148
					iv) दीर्घावधि जमा में	1,62,03,63,444	1,61,37,01,711
					v) दीर्घावधि जमा में–इयरमार्क्ड निधियाँ	-	4,21,889
					vi) सहायता अनुदान निधि के लिए दीर्घावधि जमा	-	-
					घ) एनपीआर खाता –पास में नकदी	-	-
					ङ) एनपीआर खाता –बैंक शेष	0	-
	योग	**17,35,70,05,665**	**18,66,80,07,212**		**योग**	**17,35,70,05,665**	**18,66,80,07,212**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

हस्ता/–
(सीए भगवान दास गुप्ता)
(भागीदार)
(एम. सं. 086260)

स्थान : **नई दिल्ली**
दिनांक : **20, जुलाई, 2017**

संक्षिप्ताक्षर

एआईसीटीई अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद। **बीसीए** कम्प्यूटर अनुप्रयोगों में स्नातक। **बीआई–ए** जैव–सूचना विज्ञान–ए स्तर। **बीआई–ओ** जैव–सूचना विज्ञान–ओ स्तर। **बीपीओ** व्यवसाय प्रक्रिया आउटसोर्सिंग। **बीसीसी** मूलभूत कम्प्यूटर पाठयक्रम। **सीएसएसपी** प्रमाणित प्रणाली सुरक्षा कार्मिक। **सीसीएफपी** प्रमाणित कम्प्यूटर फोरेन्सिक कार्मिक। **सीआईएसएसए** प्रमाणित सूचना प्रणाली सुरक्षा ऑडिटर। **सीएसएसएसडी** प्रमाणित प्रणाली सुरक्षा समाधान डिजाइनर। **सीवीओ** मुख्य सतर्कता अधिकारी। **सीसीसीए** कम्प्यूटर अनुप्रयोगों में सर्टिफिकेट पाठयक्रम। **सीएचएम–ओ स्तर** कम्प्यूटर हार्डवेयर अनुरक्षण–ओ स्तर। **सीएचएम–ए स्तर** कम्प्यूटर हार्डवेयर अनुरक्षण–ए स्तर। **सीसीसी** कम्प्यूटर अवधारणा पाठयक्रम। **ईसीसी** विशेषज्ञ कम्प्यूटर पाठ्यक्रम। **सीईडीटीआई** भारतीय इलेक्ट्रॉनिकी डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र। **डीपीआर** विस्तृत परियोजना रिपोर्ट। **डीईपीएम** इलेक्ट्रॉनिकी उत्पादन एवं प्रबंध में डिप्लोमा। **डीओएनइआर** पूर्वोत्तर क्षेत्र विभाग। **डीआईटी** सूचना प्रौद्योगिकी विभाग। **ईएसडीएम** इलेक्ट्रॉनिकी प्रणाली डिजाइन एवं विनिर्माण। **एचटीसीएस** हार्डवेयर तकनीकी परामर्श योजना। **आईसीटी** सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी। **आईईसीटी** सूचना इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार प्रौद्योगिकी। **आईटीईएस** सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित सेवाएँ। **आईटी** सूचना प्रौद्योगिकी। **जे एण्ड के** जम्मू तथा कश्मीर। **एमईआईटीवाई** इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय। **एमसीए** कम्प्यूटर अनुप्रयोगों में निष्णात। **नाइलिट** राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान। **एनसीपीयूएल** राष्ट्रीय उर्दू भाषा संवर्धन परिषद। **एनपीआर** राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर। **पीजीडीसीए** कम्प्यूटर अनुप्रयोगों में स्नातकोत्तर डिप्लोमा। **पीएसयू** सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम। **पीएमसी परियोजना प्रबंध परामर्शदाता**। **आरजीआई** भारत के महापंजीयक। **आरएण्डडी** अनुसंधान एवं विकास। **एससी** अनुसूचित जाति। **एसटी** अनुसूचित जनजाति। **वीएलसी** आभासी अधिगम केन्द्र। **एनडीएलएम** राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मिशन। **एनबीसीसी** राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम। **सीपीडब्ल्यूडी** केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग। **एमबी** प्रबंध बोर्ड। **जीसी** अधिशासी परिषद। **एफ एण्ड ए** वित्त एवं लेखा समिति की बैठक।

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान
इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन
6, सीजीओ कॉम्पलेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली–110 003
फोन : 91-11-2436 3330 / 1 / 91-11-24366577/79/ 80 फैक्स : 91-11-2436 3335